जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 244 प्रभात उदयपुर, सोमवार 7 जुलाई, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अरबपति एलन मस्क ने अमेरिका में नई पार्टी बनाई

उन्होंने कहा कि नई पार्टी का मकसद अमेरिका में दो दलीय राजनीति को चुनौती देना है

लॉस एंजिल्स, 06 जुलाई। मशहूर अरबपति एलन मस्क ने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से विवाद के कुछ हफ़्तों बाद एलन मस्क ने यह घोषणा की है।

एलन मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर बताया कि उन्होंने "अमेरिका पार्टी" बनाई है। इसका मकसद अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों की दो-दलीय राजनीति को चुनौती देना होगा।

एलन मस्क ने कहा, अमेरिका पार्टी आपको आपकी स्वतंत्रता वापस दिलाने के लिए बनाई गई है। सप्ताह की शुरुआत में एलन मस्क ने एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया था जिसमें लोगों ने जबर्दस्त भागीदारी करते हुए एक नई राजनीतिक ताकत के लिए मजबूत समर्थन दिखाया था।

एलन मस्क ने शुक्रवार चार जुलाई को इस सर्वेक्षण की घोषणा करते हुए लिखा, स्वतंत्रता दिवस यह पूछने का सही समय है कि क्या आप दो- दलीय प्रणाली से स्वतंत्रता चाहते हैं। लगभग 12 लाख उत्तरदाताओं में से 65 प्रतिशत से अधिक ने इस विचार का समर्थन किया।

- मस्क ने कहा कि एक ऑनलाइन सर्वेक्षण में 12 लाख उत्तरदाताओं में से 65 प्रतिशत ने कहा था कि वे दो-दलीय प्रणाली से स्वतंत्रता चाहते हैं।
- एलन मस्क ने कहा कि उनकी "अमेरिका पार्टी" प्रारंभ में दो या तीन सीनेट सीटों व 8 से 10 गृह जिलों पर ध्यान केन्द्रित करेगी।

मस्क ने शनिवार को इसके परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए, लिखा आप एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और आपको यह मिल जाएगी! जब हमारे देश को बर्बादी और भ्रष्टाचार से दिवालिया बनाने की बात आती है, तो हम एक-पक्षीय प्रणाली में रहते हैं, लोकतंत्र में नहीं।

एलन मस्क ने कहा कि अमेरिका पार्टी दो या तीन सीनेट सीटों और आठ से 10 गृह जिलों पर ध्यान केंद्रित करेगी। इस रणनीति का मकसद कांग्रेस में नियंत्रण हासिल करना है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि क्या इसे चुनाव आयोग में औपचारिक तौर पर पंजीकृत कराया गया है और फिलहाल इसकी कमान किसके हाथों में रहेगी।

इस बीच चुनाव-कानून विशेषज्ञों ने नई पार्टियों की राह में आने वाली अड़चनों का भी जिक्र किया है। कैलिफ़ोर्निया में, आयोजकों को या तो लगभग 75,000 सदस्यों को पंजीकृत करना होगा या मतपत्रों पर अपनी पार्टी की उपस्थिति के लिए 11 लाख लोगों के हस्ताक्षर युक्त समर्थन पत्र को दर्शाना होगा।

राजनीतिक रणनीतिकारों का सुझाव है कि मस्क की इस घोषणा का उद्देश्य राजनीति में एक टिकाऊ तीसरे विकल्प का निर्माण करने की बजाए सांसदों पर दबाव डालना अधिक प्रतीत होता है। यह कदम राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के वन बिग ब्यूटीफुल बिल के पारित होने के बाद उठाया गया है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन प्रोत्साहन में कटौती की गई है और संघीय खर्च में वृद्धि की गई है। इन उपायों का विरोध एलन मस्क की टेसला कंपनी ने किया है क्योंकि टेस्ला इलैक्ट्रिक व्हीकल सब्सिडी से लाभ उठाती रही है।

विश्लेषकों का कहना है कि मस्क का यह कदम अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था में बड़े बदलाव के बजाए एक सोची समझी रणनीति के तहत सौदेबाजी अधिक दिखाई पड़ता है।

मोदी ने दलाई लामा को जन्म दिन की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली, 06 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज तिब्बती आध्यात्मिक धर्म गुरू दलाई को उनके 90वें जन्मदिन के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

मोदी ने कहा कि आध्यात्मिक धर्म गुरू दलाई लामा प्रेम,करुणा,धैर्य और नैतिक अनुशासन के चिरस्थायी प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि उनके संदेश ने सभी धर्मों के लोगों में सम्मान और प्रशंसा की भावना पैदा की है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में कहा, "मैं 1.4 अरब भारतीयों के साथ मिलकर परम श्रद्धेय दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। वे प्रेम, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन के चिरस्थायी प्रतीक रहे हैं। उनके संदेश ने सभी धर्मों के लोगों में सम्मान और प्रशंसा की भावना पैदा की है। हम उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना करते हैं।

- प्रधानमंत्री ने कहा कि दलाई लामा प्रेम, करुणा, धैर्य व नैतिक अनुशासन के चिरस्थाई प्रतीक रहे हैं।

गौरतलब है कि दलाई लामा का जन्म 6 जुलाई, 1935 को पूर्वोत्तर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरजेडी ने बिहार वोटर लिस्ट रिविज़न को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

विपक्ष के महागठबंधन ने इस मामले में 9 जुलाई को बिहार में चक्काजाम का एलान किया

पटना, 06 जुलाई। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न (एसआईआर) को लेकर जमकर विवाद हो रहा है। विपक्ष चुनाव आयोग पर और इस प्रक्रिया की टाइमिंग पर सवाल खड़े कर रहा है। महागठबंधन ने इस मामले को लेकर 9 जुलाई को चक्का जाम का ऐलान भी किया है।

हालांकि चुनाव आयोग का कहना है कि यह प्रक्रिया पारदर्शिता के लिए जरूरी है।

दूसरी ओर अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका है।

आरजेडी सांसद डॉ. मनोज झा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने चुनाव आयोग के इस कदम को चुनौती दी है और चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने की मांग की है।

- सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं में कहा गया है कि चुनाव आयोग के फैसले के चलते बिहार के लाखों लोगों का मतदान का अधिकार छिन जायेगा।

इससे पहले एसोसिएशन फ़ॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा भी चुनाव आयोग के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे चुके हैं।

इन याचिकाओं मे कहा गया है चुनाव आयोग का यह फैसला मनमाना है और इसके चलते बिहार के लाखों मतदाताओं का मतदान का अधिकार छीन जाएगा।

बिहार में इसी साल चुनाव होना है। बीते 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार में वोटर लिस्ट के एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न) की घोषणा की थी। आयोग के इस फैसले पर कई विपक्षी दल के नेता भी अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं

इस मामले में चुनाव सुधारों पर नजर रखने वाली संस्था एडीआर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। संस्था का कहना है कि, चुनाव आयोग की यह नीति संविधान के खिलाफ है। इससे वो लोग जो गरीब हैं, जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें वोट देने के अधिकार से वंचित किया जा सकता है।

दिल्ली के कैब ड्राइवरों का सीरियल किलर 24 साल बाद गिरफ्तार

सीरियल किलर अजय लाम्बा 10 साल नेपाल में छुपा रहा था

नई दिल्ली, 06 जुलाई। दिल्ली पुलिस की आर के पुरम क्राइम ब्रांच टीम ने एक सीरियल किलर को गिरफ्तार किया है। यह सीरियल किलर अपने तीन साथियों के साथ मिलकर कैब ड्राइवरों की हत्या कर लाश खाई में फेंक देता था। इस सीरियल किलर की चार हत्याओं का खुलासा हुआ है। सभी कैब ड्राइवर थे और सभी को मारकर उनकी कैब नेपाल में बेच दी गई थी। पुलिस को शक है कि कैब ड्राइवरों के लापता होने के जो दर्जनों मामले दिल्ली में दर्ज हैं, उनमें से कई की हत्या कर दी गई है जिसमें इस गिरोह का हाथ है।

- सीरियल किलर गैंग किराये पर कैब बुक करके उत्तराखंड की पहाड़ियों में ड्राइवर की हत्या कर गहरी खाई में फेंकता था और कैब को नेपाल में बेच देता था।

बताया गया है कि सीरियल किलर और उसके तीन साथी किराए पर कैब बुक करते थे फिर उत्तराखंड की पहाड़ियों में कैब ड्राइवर को पहले बेहोश करते थे फिर उसका गला दबाकर हत्या कर देते थे। इसके बाद लाश को उत्तराखंड के पहाड़ों से गहरी खाई में फेंक देते थे। कैब ड्राइवर्स की हत्या के बाद चारों सीरियल किलर कैब को नेपाल में बेच देते थे। हालांकि, पुलिस ने केवल एक ही कैब ड्राइवर का शव बरामद किया था, तीन कैब ड्राइवर के शव तक नहीं मिले। आरोपियों ने बताया है कि वे अल्मोड़ा, हल्द्वानी, उधमसिंह नगर में कैब ड्राइवर्स की लाश ठिकाने लगाते थे।

सीरियल किलर्स का ये गैंग 2001 में दिल्ली और उत्तराखंड में एक्टिव था, जिसका मास्टरमाइंड दिल्ली के इंडिया गेट से गिरफ्तार हुआ है। इंडिया गेट से गिरफ्तार हुए सीरियल किलर का नाम अजय लांबा है। वह नेपाल में 10 साल छुपा रहा और नेपाल मूल की लड़की से शादी भी कर ली। इस गिरोह का एक सदस्य पहले ही पकड़ा जा चुका है। हालांकि, एक सदस्य अभी भी फरार है।

अजय लांबा दिल्ली में ड्रग्स के एक मामले में और उड़ीसा में एक बड़ी डकैती के केस में पहले ही जेल जा चुका है। अजय का एक साथी धीरज अभी भी फरार है। धीरेंद्र दिलीप पांडे नाम का आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। धीरेंद्र को कैब ड्राइवर्स की हत्या के मामले में ही गिरफ्तार किया गया था। अब पुलिस धीरेंद्र और अजय को साथ बैठाकर पूछताछ कर सकती है। इस दौरान कई खुलासे हो सकते हैं।

ब्राजील में मोदी का भव्य स्वागत हुआ

रियो डी जेनेरियो/ नयी दिल्ली, 06 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की यात्रा के चौथे चरण में शनिवार देर रात अर्जेन्टीना से ब्राजील पहुंचे, जहां वे ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

रियो डी जनेरो हवाई अड्डे पर मोदी का पारंपरिक स्वागत किया गया। भारतीय समुदाय के लोगों ने भी प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया।

मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ब्राज़ील के रियो डी जनेरो में उतरा, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और बाद में राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा के लिए उनकी राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा। इस यात्रा के दौरान बैठकों और बातचीत के सार्थक दौर की उम्मीद है। भारतीय समुदाय के शानदार स्वागत से अभिभूत प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , ब्राज़ील के भारतीय समुदाय के सदस्यों ने रियो डी जनेरो में बहुत ही शानदार स्वागत किया। यह आश्चर्यजनक है कि वे भारतीय संस्कृति से कैसे जुड़े हुए हैं और भारत के विकास के लिए कितने लालायित हैं! मोदी ने अपनी पोस्ट में उनके सम्मान में आयोजित स्वागत समारोह की कुछ झलकियाँ भी साझा की हैं।

- ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने रियो डी जेनेरो पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका शानदार स्वागत किया।

म्यांमार से हथियारों की तस्करी की बड़ी साजिश का खुलासा

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के कुछ सदस्य म्यांमार से हथियार मंगवाकर देश भर में सप्लाई करते थे

इंफाल / नई दिल्ली, 06 जुलाई। मणिपुर में सुरक्षा एजेंसियों ने म्यांमार से हथियारों की तस्करी से जुड़ी एक बड़ी साजिश का भंडाफोड़ किया है, जिसका असर पूरे देश में हो सकता है। जांच एक ऐसे मामले पर केंद्रित है जिसमें प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ-पी) के कुछ सदस्यों पर म्यांमार से हथियार मंगवाकर उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में बेचने का आरोप है।

इस मामले में पुलिस ने बीते जून के आखिरी हफ्ते में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें सबसे अहम नाम सिनम सोमेन्द्रो मैतेई उर्फ रिचर्ड का है, जो खुद को यूएनएलएफ-पी का लेफ्टिनेंट कर्नल और प्रोजेक्ट सेक्रेटरी बताता है। रिचर्ड की गिरफ्तारी इस संगठन की शांति प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर रही है।

- अधिकारियों के अनुसार मणिपुर की ढीली सीमा का फायदा उठाकर हथियार लाये जाते थे। फर्जी दस्तावेजों और कुछ रजिस्टर्ड गन हाउसों की मदद से देश के विभिन्न भागों में बेचा जाता था।

यूएनएलएफ-पी ने नवंबर 2023 में सरकार से संघर्षविराम समझौता किया था। लेकिन इसके बाद से न तो संगठन ने अपने हथियार जमा किए हैं, न ही अपने सदस्यों की सूची दी है। इसके विपरीत कुछ सदस्य अब भी उगाही और अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जा रहे हैं।

24 जून को इंफाल क्षेत्र में हथियारों की तस्करी से जुड़े एक गिरोह की जानकारी मिली। इसके आधार पर लोंचनबा नोंगथोंबम नामक गन हाउस के मालिक को हिरासत में लिया गया। उससे मिली जानकारी से रिचर्ड की भूमिका उजागर हुई।

अधिकारियों के अनुसार, हथियार म्यांमार से भारत लाए जा रहे थे, खासकर मणिपुर की ढ ीली सीमा का फायदा उठाकर। फिर इन्हें फर्जी दस्तावेजों और कुछ रजिस्टर्ड गन हाउसों की मदद से भारत के अलग-अलग हिस्सों में बेचा जा रहा था। एक ऐसा मामला पंजाब में भी पकड़ा गया है। जांच देश के अन्य हिस्सों में भी की जा रही है।

रिचर्ड के घर छापेमारी में चार अमेरिकी हथियार, एक ऑस्ट्रियाई रिवॉल्वर, एक भारतीय पिस्तौल, कई गोलियां, वायरलेस सेट और महंगे मोबाइल फोन बरामद किए गए।

अवैध बंगलादेशियों को वापस भेजने के लिये त्रिपुरा से दिल्ली पैदल मार्च

अगरतला, 06 जुलाई। त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला करते हुए सरकार की सहयोगी पार्टी टीआईपीआरए मोथा, ने 1971 के बाद यहां आकर "जाली" दस्तावेजों के साथ यहां रह रहे अवैध बंगलादेशी नागरिकों को तत्काल वापस भेजने की मांग को लेकर दिल्ली तक पैदल मार्च शुरू किया है। टीआईपीआरए मोथा नेताओं के एक समूह ने शहर के उत्तरी द्वार से अपना मार्च शुरू किया जो दिल्ली के जंतर मंतर पर समाप्त होगा। टीआईपीआरए मोथा को उम्मीद है कि इस मार्च के जरिये जनता को जागरूक किया जा सकेगा। यह मार्च कई राज्यों और शहरों से गुजरेगा और अवैध बंगलादेशी घुसपैठियों के प्रति लोगों को जागरूक करेगा।

- मार्च का नेतृत्व कर रहे डेविड मुरासिंह ने कहा कि बंगलादेशी घुसपैठ अंतर्राष्ट्रीय समस्या है।

दल का नेतृत्व कर रहे टीआईपीआरए मोथा नेता डेविड मुरासिंह ने कहा, बंगलादेशी घुसपैठ एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है। इसे हल करने में त्रिपुरा सरकार की भूमिका प्रभावी नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कटरा में हेलिकॉप्टर सेवा तीसरे दिन भी स्थगित रही

जम्मू, 06 जुलाई। घने कोहरे और खराब मौसम होने के कारण जम्मू के पास त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के तीर्थयात्रियों के लिए संचालित हेलिकॉप्टर सेवा रविवार को लगातार तीसरे दिन स्थगित रही।

माता वैष्णो देवी के दर्शन के इच्छुक श्रद्धालु जम्मू के पास कटरा कस्बे से सांझी छत तक हेलिकॉप्टर से सफर करते हैं। एक अधिकारी ने बताया, रियासी जिले के इस तीर्थ स्थल में मौसम खराब और घना कोहरा होने के कारण कटरा से सांझी छत तक की हेलिकॉप्टर सेवा तीसरे दिन भी स्थगित रही। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्री पैदल और पिट्ठू, पालकी तथा टट्टू सेवाओं के जरिए भवन तक पहुंच रहे हैं।

- वैष्णो देवी मंदिर के लिये संचालित हेलिकॉप्टर सेवा घने कोहरे और खराब मौसम के कारण स्थगित की गई।

उन्होंने कहा कि मौसम में सुधार होने के बाद ही हेलिकॉप्टर सेवा फिर से शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि तीर्थयात्रियों का मार्गदर्शन करने और किसी भी आपातकालीन स्थिति में सहायता प्रदान करने के लिए श्राइन बोर्ड के कर्मचारियों को भी मार्ग पर तैनात किया गया है।

वर्तमान में, 12,000 से 15,000 तीर्थयात्री प्रतिदिन कटरा बेस कैम्प में भवन तक पहुंचने और पवित्र मंदिर में पूजा करने के लिए पहुंच रहे हैं।

नवम्बर 24 में रिटायर हुए मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अधिकारिक बंगला खाली नहीं किया

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केन्द्र सरकार को पत्र लिख कर बंगला खाली कराने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 6 जुलाई। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ का सरकारी बंगले में ज्यादा दिन तक रुकना अब विवाद का कारण बन गया है। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि 5, कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला तुरंत खाली करवाया जाए। यह बंगला देश के मुख्य न्यायाधीश का आधिकारिक निवास है। चंद्रचूड़ नवंबर 2024 में रिटायर हुए थे, लेकिन अब तक वहीं रह रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एक जुलाई को केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि देश के पूर्व मुख्य न्यायधीश चंद्रचूड़ तय समय से ज्यादा दिन बंगले में रह रहे हैं। नियम के मुताबिक रिटायरमेंट के बाद पूर्व मुख्य न्यायधीश छह महीने तक टाइप-सात बंगले में रह सकते हैं। लेकिन चंद्रचूड़ टाइप-आठ बंगले में आठ महीने से रह रहे हैं, जो नियमों का उल्लंघन है।

इस मुद्दे पर चंद्रचूड़ ने कहा कि यह देरी उनके पारिवारिक कारणों की वजह से हुई। उन्होंने बताया कि उनकी दो बेटियों को विशेष देखभाल की जरूरत है और उनके लिए उपयुक्त घर ढ ूंढ ना आसान नहीं था। सरकार ने उन्हें किराए पर दूसरा घर दिया है, जिसकी मरम्मत चल रही है। मरम्मत पूरी होते ही वह शिफ्ट हो जाएंगे।

दिलचस्प बात यह है कि चंद्रचूड़ के रिटायरमेंट के बाद दो मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला लेने से इन्कार कर दिया। दोनों ने अपने पुराने आवास में ही रहना पसंद किया। इसी वजह से चंद्रचूड़ को बंगले में अतिरिक्त समय मिलने में आसानी हुई।

- पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि उनकी दो बेटियों को विशेष देखभाल की जरूरत है। सरकार ने किराये पर दूसरा मकान दिया है, जिसकी मरम्मत चल रही है। मरम्मत पूरी होते ही शिफ्ट हो जाऊंगा।

सुप्रीम कोर्ट की तरफ से चंद्रचूड़ को पहले ही अप्रैल 2025 तक बंगला रखने की अनुमति दी गई थी। बाद में मई 2025 तक मौखिक रूप से मोहलत भी मिली। लेकिन अब वह समय भी बीत चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अब और इंतजार नहीं किया जा सकता क्योंकि कई जजों को आवास की जरूरत है।

चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्हें पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारियों का एहसास है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह कुछ ही दिनों में बंगला छोड़ देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले कई पूर्व मुख्य न्यायाधीशों को भी परिस्थितियों को देखते हुए अतिरिक्त समय दिया गया है। वह यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट प्रशासन के साथ पहले ही साझा कर चुके हैं।

यह मामला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में ऐसा कम ही देखा गया है जब अदालत को अपने आधिकारिक निवास को खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को लिखित रूप से कहना पड़े। आमतौर पर ऐसे मामलों में अंदरखाने समाधान निकाल लिया जाता है। लेकिन मौजूदा हालात में अदालत को सख्त कदम उठाना पड़ा, जिससे यह मामला और ज्यादा सुर्खियों में आ गया है।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों का पहला जत्था गुंजी बेस कैंप पहुँचा

नैनीताल, 06 जून। कैलाश मानसरोवर यात्रियों का पहला जत्था रविवार को सकुशल सीमांत गुंजी पहुंच गया है।

पिथौरागढ़ के धारचूला के उप जिलाधिकारी जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि यह जत्था आज धारचूला से चल कर पहले आधार शिविर गुंजी पहुंच गया है। गुंजी में श्रद्धालुओं का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया।

उन्होंने बताया कि आज सुबह धारचूला तवाघाट मार्ग पर भारी भूस्खलन के कारण कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग बाधित हो गया था। भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और जिला प्रशासन की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और दोपहर तक मार्ग को पूरी तरह से चालू कर दिया गया इससे कैलाश यात्रियों को कोई दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा।

- गुंजी में श्रद्धालुओं का पारंपरिक रुप से स्वागत किया गया।

वहीं दूसरी ओर कैलाश यात्रियों का जत्था आज धारचूला में रंग संग्रहालय पहुंचने पर रंग महिलाओं ने पारम्परिक वेशभूषा में स्वागत किया। कैलाश यात्रियों को रं संस्कृति की जानकारी दी। कैलाश यात्रियों के दल ने रंग संग्रहालय को 10,000 की राशि भेंट स्वरूप दी।

विचार बिन्दु

दीपक सोने का हो या मिट्टी का, मूल्य दीपक का नहीं उसकी लौ का होता है, जिसे कोई अँधेरा नहीं बुझा सकता। –विष्णु प्रभाकर

हिंदी की स्वीकार्यता बनाम उसका विरोध

भारत सरकार ने हिंदी को अपनी राजभाषा घोषित कर रखा है और हिंदी के प्रति दक्षिण के कुछ राज्यों के प्रारंभिक विरोध के बाद हिंदी की स्वीकार्यता को लेकर स्थितियां लगभग सामान्य होने लगी थीं। हिंदी पढ़ने-बोलने और उसका प्रयोग करने से मिलने वाली सुविधाओं और लाभों के कारण उन क्षेत्रों के लोग भी हिंदी सीखने में रुचि लेने लगे थे जहां सामान्य जीवन में हिंदी का प्रयोग नहीं या बहुत कम होता था। हिंदी फ़िल्मों की लोकप्रियता, कुछ हिंदी धारावाहिकों की अत्यधिक लोकप्रियता और पर्यटन में वृद्धि की वजह से हिंदी के प्रयोग में खूब वृद्धि हुई है। अब देश का शायद ही कोई हिस्सा ऐसा हो जहां आपको केवल हिंदी जानने के कारण किसी बड़ी असुविधा का सामना करना पड़े। जिन्हें धंधा करना है वे अन्य कारणों पर अपने व्यावसायिक हितों को तरज़ीह देते हैं, इसलिए हिंदी करीब-करीब पूरे भारत में समझी जाने लगी है। भारत के बाहर, विदेशों में भी अनेक कारणों से हिंदी का प्रयोग बढ़ा है। जिन देशों में भारतीय अधिक संख्या में हैं वहां स्वभावतः हिंदी का चलन भी अधिक है। ऐसे कई देशों के बाज़ारों में तो आपको यह तक भ्रम होने लगता है कि आप उत्तर भारत के किसी शहर में हैं।

लेकिन इधर दक्षिण के कुछ राज्यों से एक बार फिर हिंदी विरोध के स्वर उठने लगे हैं। यह बात समझने में अधिक कठिनाई नहीं होनी चाहिए कि विरोध के इन स्वरों के मूल में राजनीति है। सन् साठ के दशक में दक्षिण के कुछ राज्यों में हिंदी का जो विरोध हुआ था, उसके मूल में भी राजनीति ही थी। असल में भाषा के मामले में दो चीज़ें काम करती हैं। एक उससे मिलने वाले अवसरों की बात और दूसरे उसके विरोध से होने वाला राजनीतिक लाभ। लोग किसी भाषा के प्रति यह जानकर सबसे ज़्यादा आकृष्ट होते हैं कि उससे रोज़गार मिलने की संभावना कितनी बढ़ रही है। भारत में अंग्रेज़ी की स्वीकार्यता और लोकप्रियता के मूल में यह अकेली सबसे बड़ी बात है। अगर कल को किसी जादू से अंग्रेज़ी से रोज़गार मिलने की संभावनाएं क्षीण हो जाएं तो आप पाएंगे कि लोग अपने बच्चों को अंग्रेज़ी की शिक्षा दिलवाने के बारे में इतने उत्साही भी नहीं रह जाएंगे। यही बात अभी बहुत सारी प्रांतीय भाषाओं के बारे में भी सच है। भले ही उन्हें अपनी मातृभाषा के रूप में पसंद करने वाले और उन भाषाओं के प्रति प्रगाढ़ अनुराग रखने वाले खूब कोशिश कर रहे हैं, शिक्षण संस्थाओं में इन भाषाओं की लोकप्रियता परवान नहीं चढ़ पा रही है। वजह वही कि हम अमुक भाषा को पढ़ तो लेंगे, लेकिन वह हमें रोज़गार दिलाने में तो सहायक नहीं होगी। इसलिए उसे पढ़ें भी क्यों! ज़ाहिर है कि ऐसे मामलों में भावुकता बहुत दूर तक आपका साथ नहीं देती है। इसी तरह किसी भाषा के विरोध के पीछे सबसे कारण उस विरोध से मिलने वाला राजनीतिक लाभ होता है।

इधर भारत में भाजपा के वर्चस्व वाली सरकार है और भाजपा की भाषा नीति सर्व विदित है। वह हिंदी की पक्षधर है। भाजपा के बड़े नेता, जिनमें सरकार की बड़ी शख़्सियतें भी शामिल हैं, समय-समय पर हिंदी के पक्ष में बयान देते रहते हैं। ऐसा करके वे कुछ भी ग़लत नहीं करते हैं। हिंदी हमारे देश के संविधान के अनुसार हमारी राजभाषा है और सभी को इसे इस रूप में स्वीकार करना भी चाहिए। वैसे भी भारत जैसे बहु भाषा भाषी देश में किसी एक ऐसी भाषा की ज़रूरत बहुत ज़्यादा है जो पूरे देश को एक सूत्र में बांध सके, और जो अलग-अलग भाषा बोलने वालों के बीच पुल का काम कर सके। उदाहरण के लिए अगर एक बांग्ला भाषा भाषी को किसी तेलुगु भाषा बोलने वाले से संवाद करना हो तो वह किस भाषा में करेगा? कहना अनावश्यक है कि इन दोनों के बीच संवाद की वह भाषा हिंदी ही हो सकती है। बहुत लोग यह हक़ अंग्रेज़ी को देना चाहते हैं और एक संपर्क भाषा के रूप में वे इसका प्रयोग करते भी हैं। लेकिन इस बात को स्वीकार करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए कि अपनी अत्यधिक स्वीकार्यता के बावज़ूद अंग्रेज़ी हमारी भाषा नहीं है। शायद यही सोच उन लोगों का भी रहा होगा जिन्होंने हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए भाषा नीति तैयार की, और उसमें तीन भाषाओं की शिक्षा का प्रावधान रखा।

> **वैसे भी भारत जैसे बहु भाषा भाषी देश में किसी एक ऐसी भाषा की ज़रूरत बहुत ज़्यादा है जो पूरे देश को एक सूत्र में बांध सके, और जो अलग-अलग भाषा बोलने वालों के बीच पुल का काम कर सके। उदाहरण के लिए अगर एक बांग्ला भाषा भाषी को किसी तेलुगु भाषा बोलने वाले से संवाद करना हो तो वह किस भाषा में करेगा? कहना अनावश्यक है कि इन दोनों के बीच संवाद की वह भाषा हिंदी ही हो सकती है।**

सन् 1968 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार हर विद्यार्थी को तीन भाषाएं सीखनी होती हैं और इससे भारत की भाषा बहुलता और राष्ट्रीय एकता के सुदृढ़ होने की अपेक्षा की गई थी। इसी भाषा नीति को 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी बरकरार रखा गया है। तो यही भाषा नीति दक्षिण के राज्य कर्नाटक में भी लागू है। इधर अख़बारों में एक ख़बर छपी है कि मार्च अप्रैल 2024 में आयोजित हुई एसएसएलसी (एएथ्थ) परीक्षा में लगभग 1.42 लाख विद्यार्थी हिंदी के कारण अनुत्तीर्ण हुए, और इस बात से राज्य में असंतोष का माहौल है। कर्नाटक में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू है और वहां के विद्यार्थियों को छठी कक्षा से तीन भाषाएं पढ़नी होती हैं। पहली भाषा के रूप में वे आम तौर पर कन्नड को चुनते हैं। दूसरी भाषा अंग्रेज़ी होती है और तीसरी भाषा के रूप में वे सामान्यतः हिंदी को चुनते हैं। वैसे वे हिंदी की बजाय संस्कृत, उर्दू, तमिल, तेलुगु या मराठी को भी चुन सकते हैं, लेकिन चुनाव की यह सुविधा बहुत कम स्कूलों में उपलब्ध है। अब जो आधिकारिक आंकडे हमारे सामने हैं उनके अनुसार इस परीक्षा में 7,21,782 विद्यार्थी शामिल हुए थे और उनमें से 5,79,382 अर्थात 80.27 प्रतिशत उत्तीर्ण हो गए। शेष 1,42,400 अर्थात लगभग बीस प्रतिशत विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए, और बताया जा रहा है कि उनके अनुत्तीर्ण होने का कारण हिंदी है। जो बात नहीं कही गई वह यह कि इन विद्यार्थियों के अनुत्तीर्ण होने की एक बड़ी वजह ख़ुद राज्य सरकार भी है। यह बात सर्व विदित है कि कर्नाटक में हिंदी शिक्षकों की कमी है। यह तथ्य है कि यहां हिंदी शिक्षकों के जो 5060 पद स्वीकृत हैं उनमें से केवल 3532 पदों पर ही शिक्षक कार्यरत हैं और शेष 1,528 हिंदी शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। अब यह बात समझ में आ जानी चाहिए कि ये जो 1,42,400 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए हैं इनके अनुत्तीर्ण होने के मूल में हिंदी नहीं, हिंदी शिक्षकों की कमी है। लेकिन ठीकरा हिंदी के सर फोड़ा जा रहा है! इधर कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने एक बयान देकर तीन भाषा वाले फॉर्मूले की जगह दो भाषाओं वाला फॉर्मूला लागू करने की बात कही है। वे तीसरी भाषा (मुख्यतः हिंदी) को पढ़ाना अनावश्यक मानते हैं।

यह बात समझने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए कि देश के बहुत सारे राज्यों की तरह कर्नाटक में भी अपनी भाषा के प्रति अनुराग बहुत ज़्यादा है और इधर तो वहां अन्य भाषा बोलने वालों को छिटपुट हिंसा का सामना भी करना पड़ा है। स्थानीय अस्मिता के आग्रह अन्य भाषाओं की स्वीकार्यता को चुनौती देते हैं और स्वाभाविक ही है कि स्थानीय सरकार भी इस आग्रह के पक्ष में खड़ी नज़र आती है। अगर कर्नाटक सरकार समुचित संख्या में हिंदी शिक्षक नियुक्त नहीं करती है तो उसकी उदासीनता को समझा जा सकता है। लेकिन जब समाचार माध्यम हिंदी को अपना निशाना बनाते हैं तो मन दुखी होता है। लेकिन इस सबके बीच यह जानना सुखद भी है कि कर्नाटक के निजी स्कूलों के शिक्षकों के संगठन ने मुख्यमंत्री जी की इस मंशा से असहमति व्यक्त करते हुए त्रिभाषा फॉर्मूले की उपादेयता को रेखांकित किया है।

मुझे हमेशा लगता है कि भाषा के दो पक्ष हैं। एक सैद्धांतिक और दूसरा व्यावहारिक। सैद्धांतिक पक्ष यह है कि हमारे संविधान के अनुसार हिंदी इस देश की राजभाषा है तो हम सबको बिना किसी ना-नुकर के उसे स्वीकार करना चाहिए। लेकिन ईमानदारी की बात यह है कि सैद्धान्तिक बात व्यवहार में भी लागू होती हो यह ज़रूरी नहीं। क्या यह याद दिलाने की आवश्यकता है कि देश का एक बड़ा संगठन लंबे समय तक देश के राष्ट्र ध्वज से ही परहेज़ करता रहा है। क्या यह भी याद दिलाने की ज़रूरत है कि बहुत सारे लोग देश के राष्ट्रगान के रूप में गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर रचित जन गण मन को खुले मन से स्वीकार नहीं कर पाते हैं! ऐसे में अगर कुछ लोग हिंदी को भी उसी तरह स्वीकार नहीं कर पाते हैं तो यह एक यथार्थ है, भले ही यह हमारा सोच न हो। दूसरा पक्ष जो व्यावहारिक है वह सीधे भाषा की उपादेयता से जुड़ा है। लोग अपने आप वह भाषा सीख लेते हैं जिससे उनका काम चलता है और जिससे उनको फायदा होता है। हममें से बहुतों ने अंग्रेज़ी को इसी तर्क की वजह से अपनाया है, भले ही हम इसे ग़ुलामी की भाषा कहकर इसके प्रति अपना रोष भी व्यक्त करते रहे हैं। और इसी तरह आज पूरे देश में किसी न किसी रूप में हिंदी भी बोली-पढ़ी जाने लगी है। हम सबका प्रयास यही होना चाहिए कि हिंदी की स्वीकार्यता बढ़े और ऐसा हर काम करने से हमें बचना चाहिए जो हिंदी का विरोध करने वालों को अपने प्रयास तेज़ करने का मौका दें। यह समझा जाना ज़रूरी है कि किसी भी भाषा को, चाहे उससे हमारा कितना ही लगाव क्यों न हो, बल पूर्वक स्वीकार्य नहीं बनाया जा सकता।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

सीडीएसएल और एनएसडीएल का विलय: अब देरी नहीं, जरूरी है बदलाव

सुनील दत्त गोयल

कई बार ऐसा होता है कि एक व्यवस्था, जो कभी देश की ज़रूरत थी, समय के साथ अनावश्यक बोझ बन जाती है। भारत के पूंजी बाजार में सीडीएसएल (सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज़ (इंडिया) लिमिटेड) और एनएसडीएल (नेशनल सिक्योरिटीज़ डिपॉजिटरी लिमिटेड) भारत के दो पंजीकृत प्रतिभूति डिपॉजिटरी (सिक्योरिटीज़ डिपॉजिटरीज़) हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक रूप में शेयर, बॉन्ड्स आदि प्रतिभूतियों को संठाहित करने वाली ;सुरक्षित तिजोरियाँ; हैं, ठीक वैसे ही जैसे बैंक धन रखता है।

इनकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारतीय शेयर बाजार को पुरानी कागजी व्यवस्था से निकालकर सुरक्षित, तीव्र और डिजिटल प्रणाली में बदलना था। पूर्व में शेयर भौतिक प्रमाणपत्रों के रूप में होते थे, जिनमें खोना, जलना, चोरी, नकली हस्ताक्षर या डिलीवरी में हफ्तों की देरी जैसी समस्याएँ आम थीं। डिपॉजिटरी ने इन जोखिमों को समाप्त कर शेयरों को डीमैट रूप में परिवर्तित किया, जिससे लेनदेन की गति बढ़ी (अब T+2 सेटलमेंट यानी ट्रेड के 2 दिन में हस्तांतरण), निवेशक सुरक्षा सुनिश्चित हुई (इलेक्ट्रॉनिक स्वामित्व से धोखाधड़ी व ;खराब डिलीवरी; का अंत), लागत घटी (स्टाम्प ड्यूटी, डाक खर्च में 90 प्रतिशत कमी), और बाजार वैश्विक मानकों के अनुरूप हुआ (विदेशी निवेशकों के लिए विश्वसनीयता)।

सीडीएसएल (1999 में स्थापित) और एनएसडीएल (1996 में भारत की पहली डिपॉजिटरी) में कुछ प्रमुख अंतर हैं:–प्रमोटर्स: सीडीएसएल को बीएसई, एसबीआई, एलआईसी आदि तथा एनएसडीएल को एनएसई, आईडीबीआई, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक जैसे संस्थानों का समर्थन प्राप्त है।

ग्राहक आधार: सीडीएसएल अधिकतर छोटे निवेशकों व ब्रोकर्स को सेवा देती है, जबकि एनएसडीएल संस्थागत निवेशकों (जैसे म्यूचुअल फंड, एफआईआई) पर केंद्रित है।

दावा क्या था, हक़ीकत क्या है?

दोनों डिपॉजिटरीज़ – सीडीएसएल और एनएसडीएल – ढोंग करती हैं कि वे ;प्रतिस्पर्धा; लाती हैं।

लेकिन 2024 के आंकड़े इस झूठ को बेनक़ाब कर देते हैं:

प्रतिशत सीडीएसएल का बाज़ार हिस्सा: 76 प्रतिशत (सक्रिय खाते: 11.27 करोड़)

एनएसडीएलका बाज़ार हिस्सा: मात्र 24 प्रतिशत (सक्रिय खाते: 3.54 करोड़)

यह कैसी ;प्रतिस्पर्धा;? यह तो एक स्पष्ट एकाधिकार (सीडीएसएल) है, जिसके साथ एक दयनीय, कमज़ोर दूसरा खिलाड़ी (एनएसडीएल) खींचा जा रहा है! इसे बनाए रखना सरकारी और निजी संसाधनों की सीधी बर्बादी है – और कोई नहीं।

वित्तीय बर्बादी: आँखें खोलने वाले आंकड़े

एनएसडीएलका लागत ढांचा: एफवाइ 24 में एनएसडीएलने सीडीएसएल(221.6 करोड़) से ज़्यादा लेनदेन राजस्व कमाया (308.6 करोड़), लेकिन फिर भी उसका ईबीआईटडा (382.49 करोड़) सीडीएसएल(584.43 करोड़) से काफ़ी पीछे रहा। सीधा मतलब? एनएसडीएलका संचालन बेहद अक्षम, फूहड़ और महंगा है। उसका पूरा मॉडल ही घाटे का सौदा लगता है!

दोहराव का अंत क्यों ज़रूरी है?

सीडीएसएल और एनएसडीएल, दोनों एक जैसी सेवाएं देती हैं – डिमैट, रीमैट, ई-वोटिंग, सिक्योरिटी ट्रांसफर वगैरह। इन कार्यों के लिए अलग-अलग इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना, अलग टीमें रखना और अलग तकनीकी व्यवस्थाएं चलाना – यह सब उस समय में हो रहा है जब हम डिजिटल इंडिया की बात करते हैं। यूरोपीय संघ से लेकर नॉर्वे, स्वीडन और यूके तक – सभी ने समय रहते फाइनेंशियल सेक्टर में एकीकरण की राह अपनाई और बेहतर परिणाम पाए। जब ये विकसित राष्ट्र एक नियामक मॉडल की ओर बढ़ सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं?

विलय के संभावित लाभ

1. लागत में भारी कमी: एकीकृत सिस्टम में स्केल की अर्थव्यवस्था मिलती है। क्लाउड आधारित संचालन से 40प्रतिशत तक लागत घटाई जा सकती है।
2. बेहतर जवाबदेही और पारदर्शिता: एक डिपॉजिटरी होने से जवाबदेही तय होगी, कार्यों में स्पष्टता आएगी और निवेशकों को भ्रम नहीं रहेगा।
3. निवेशक सेवा में सुधार: एक ही प्लेटफॉर्म से सभी सेवाएं मिलने पर निवेशकों को आसानी होगी। एकल पोर्टल से पारदर्शिता भी बढ़ेगी।
4. तकनीकी लाभ: ए आई , डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग जैसे आधुनिक तकनीकी उपायों का बेहतर और केंद्रीकृत इस्तेमाल संभव हो पाएगा।
5. जोखिम प्रबंधन में सुधार: दो अलग-अलग सिस्टम्स के बजाय एक सिस्टम में जोखिम का मूल्यांकन और नियंत्रण बेहतर हो सकेगा।

प्रतिस्पर्धा का भ्रम

कुछ लोग यह तर्क दे सकते हैं कि दो संस्थाएं प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती हैं। लेकिन यह बात यहां लागू नहीं होती। असली प्रतिस्पर्धा डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स के स्तर पर होती है, न कि खुद डिपॉजिटरी संस्थानों में। जब 76 प्रतिशत का एकाधिकार पहले से ही मौजूद हो, तो प्रतियोगिता की बात करना केवल दिखावा है।

क्या होना चाहिए आगे का रास्ता? सरकार और नियामक संस्थाओं को अब इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। पर यह बदलाव अचानक नहीं होना चाहिए। इसके लिए एक सुव्यवस्थित और चरणबद्ध योजना जरूरी है:–चरणबद्ध तकनीकी एकीकरण, ताकि ट्रांजिशन स्मूथ रहे। कर्मचारियों की सुरक्षा, ताकि संस्थाओं के मौजूदा कर्मचारियों की नौकरियां सुरक्षित रहें। 2-3 वर्षों का ट्रांजिशन पीरियड, ताकि कोई व्यवधान न हो। स्पष्ट और सशक्त कानूनी ढांचा, जिससे भविष्य में किसी तरह का कानूनी भ्रम न रहे।

निष्कर्ष:– यह एक बहुत ही ज़रूरी और विचारणीय मुद्दा है। हमारे देश में सीडीएसएल और एनएसडीएल दो डिपॉजिटरी संस्थाएं हैं जो निवेशकों के लिए लगभग एक जैसी सेवाएं देती हैं, लेकिन इनके काम करने के तरीके, प्रक्रियाएं और शुल्क एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। अगर किसी व्यक्ति को इनमें से किसी एक में खाता खोलना हो, तो उसे अलग-अलग फॉर्म, अलग एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर), अलग केवाईसी और अलग शुल्क जैसी प्रक्रियाओं से होकर गुजरना पड़ता है। जबकि इन दोनों पर सरकार का पूरा नियंत्रण है, फिर भी इनके सिस्टम इतने अलग क्यों हैं – यह समझ से बाहर है।

मैं स्वयं पिछले 45 वर्षों से शेयर बाजार से जुड़ा हूं और मेरे अनुभव के आधार पर कहना चाहूंगा कि आज भी अगर कोई निवेशक एक डिपॉजिटरी से दूसरी में खाता ट्रांसफर करना चाहे, तो उसे काफी कठिनाई झेलनी पड़ती है। ऐसे में ज़रूरत है कि इन दोनों संस्थाओं को पूरी तरह डिजिटल किया जाए ताकि खाता खोलने से लेकर बंद करने और लेनदेन तक कोई भी प्रक्रिया कागज़ों पर आधारित न हो। मानव हस्तक्षेप भी खत्म हो जाए – तभी डिजिटल भारत और पेपरलेस प्रोसेस का सपना पूरी तरह साकार होगा। अब सवाल यह है कि क्या इन दोनों का विलय होना चाहिए? तो मेरा मानना है – बिल्कुल होना चाहिए। भारत एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है, और ऐसी संस्थाएं जो एक जैसे काम कर रही हैं, उनका पुनर्गठन या विलय जरूरी है ताकि दोहराव से बचा जा सके और संसाधनों की बचत हो। कुछ लोगों को चिंता हो सकती है कि इससे एक संस्था की मोनोपोली हो जाएगी, लेकिन जब इनका संचालन सरकार के नियंत्रण में है तो ऐसी आशंकाएं बेबुनियाद हैं।

इसके उलट, यदि यह दोनों संस्थाएं एक हो जाती हैं, तो उनकी मार्केट वैल्यू और निवेशकों का भरोसा और बढ़ेगा। यह हमारे देश को आर्थिक दृष्टि से और मज़बूत बनाएगा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक बड़ी छलांग साबित होगा। भारत ने जब यूपीआई , डिजिटल पेमेंट और जीएसटी जैसे बड़े बदलाव सफलतापूर्वक अपनाए हैं, तब सीडीएसएल और एनएसडीएल का एकीकरण भी असंभव नहीं है। अब समय आ गया है कि भारत अपने पूंजी बाजार को मज़बूत करने के लिए यह कदम उठाए – ताकि निवेशकों को सरल, पारदर्शी और एकीकृत सेवाएं मिल सकें। सीडीएसएल और एनएसडीएल का विलय – यह अब एक विकल्प नहीं, बल्कि समय की मांग है।

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल
चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

अपने-अपने गांधी, अपने-अपने राम

राम निवास बैरवा

श्रद्धा का सैलाब आस्था का शिखर होता है। विचार-विवेक उन्हें गिरा-ढिगा नहीं पाते। बल्कि विचार-विवेक उन्हें उग्र बना देता हैं। अपनी श्रद्धा के शिखर पुरूष की अतिमानवीय छवि की रक्षा करने पर उतारू उस जन सैलाब में अपने-अपने स्वार्थों के कारण धर्मों, जातियों और नस्लों के रूप में उप-विभाजन कर दिया जाता है। तब विचारों और विवेक को पीछे हटना पड़ता है, क्योंकि उस शिखर पुरूष के इर्द-गिर्द जमा स्वार्थ सिद्ध करने वाले अपने लक्ष्य की प्राप्ति में ही लगे रहते हैं। अपने उन प्रचारकों के बीच आस्था के शिखर पुरूष के विचारों से असहमति जताकर भी वह अपने अनुगामी लोगों के समूह को देखकर भाव विभोर हो जाता है। जनता समूह और सत्ता के गलियारों में भी उसको पूजनीय बना दिया जाता है। इस प्रकार किसी भी संस्था या आन्दोलन में दो या दो से अधिक शिखर-पुरुष अवतरित हो जाते हैं।

सच्चाई बहुत ही हठीली चीज है, वह कभी भी, किसी भी रूप में बाहर आ ही जाती है। सच्चाई को बाहर लाने वाले पहले चार्वक कहे जाते थे और आज वामपंथी। वामपंथी इसलिए कि संसदों में सत्ता पक्ष दायीं तरफ की कुर्सियों पर बैठाये जाते हैं तथा विरोधियों को बायीं तरफ की कुर्सियों पर। और सत्ता पक्ष का विरोध करता है, इसलिए वामपंथी कहलाते हैं। सत्ता पक्ष, जैसे भी संभव हो सरकारी हिंसा और राजनीतिक हिंसा का सहारा लेकर विपक्ष को, वामपक्ष को, वामपंथ को दबाने की कोशिशें करता है। ऐसे में वे, उपनिषदों के नेति-नेति के सिद्धांत पर चलते हुए, अपने अपने विचारों, अपने अपने अनुभवों को व्यक्त करते हैं। ये उनके अपने विचार, उनकी अपनी-अपनी मान्यताएं हैं। ये ही उनके अपने अपने गांधी होते हैं और अपने अपने राम होते हैं।

भगवान सिंह ने वर्षों पहले एक उपन्यास लिखा था, 'अपने अपने राम'। राम एक आदर्श पुरूष के रूप में स्थापित चरित्र है। राम को कई मिथकों, कई कथाओं, कई उप-कथाओं के माध्यम से मर्यादा की प्रतिमूर्ति, पुरूषोत्तम से उठा कर किसी अदृश्य शक्ति 'विष्णु' का अवतार बनाकर अपौरूषेय बना दिया गया। इस प्रकार राम की सामाजिक आदर्श-चरिता को अतिमानवीय रूप दे दिया गया। इन्हीं के बीच भगवान सिंह ने राम के सामाजिक एवं मानवीय रूप को बताने की कोशिश की थी। वह भी शायद श्रद्धा के उस सैलाब का कोप-भजन बन सकता था, अतः अपनी कृति, अपने विचारों को "अपने अपने राम" शीर्षक दिया था। वस्तुतः पूरी राम कथा अ-ब्राह्मण ऋषि विश्वामित्र और ब्राह्मण ऋषि वशिष्ठ के बीच तत्कालीन समाज का जाति व्यवस्था में संक्रमण के संघर्ष की कथा कही गई है, 'राम' को उसका नायक बताया गया है।

दशरथ की तीन पत्नियों का चार पुत्रों को नियोग की खीर खाकर जन्म देने से, राम और लक्ष्मण विश्वामित्र के शिष्यत्व में रहे और भरत और शत्रुध्न वशिष्ठ के शिष्यत्व में। ऋषि परम्परा को मानने वाले विश्वामित्र ने लांछित अहिल्या को राजकुमार राम के माध्यम से सम्मान दिलवाना, अकाल में त्याग दी गयी लड़की सीता को जनक द्वारा पुत्री की तरह राजकुमारी बनाकर सक्षम राजकुमार राम से विवाह कराने में भी विश्वामित्र की भूमिका रही थी, क्योंकि बिना कुल गौत्र की लड़की से किसी भी राजकुमार से विवाह को रक्त की शुद्धता के पक्षधर उर्वशी नंदन वशिष्ठ की टीम कैसे स्वीकार कर सकती थी? बिना कुल गौत्र की सीता विवाह के बाद महारानी कैसे बन सकती थी, सो राम को सीता के साथ विश्वामित्र के अन्य शिष्य लक्ष्मण को भी वनवास दिलवाया गया। अन्त में गर्भवती सीता के वनवास को भी विश्वामित्र द्वारा संरक्षित और सुरक्षित बनाया गया था। इस कथानक के अलावा आपके अपने भी राम हो सकते हैं, मेरे अपने भी राम हो सकते हैं? लेकिन राजनीतिक हित साधकों के बीच राम को सही तरह से पहचानना मुश्किल है, क्योंकि उनके पीछे-पीछे चलने वाला जन-सैलाव किन्हीं लोगों के राजनीतिक सत्ता प्राप्ति का माध्यम है, राम को मर्यादा पुरूषोत्तम कम, लेकिन राजनीतिक सत्ता प्राप्ति का माध्यम ज्यादा माना गया है।

आधुनिक भारत के इतिहास में भी सत्ता के शिखर पर पहुँचने वालों ने मोहनदास गांधी को राष्ट्रपिता बना दिया और उन्हें कानूनी रूप से किसी भी प्रतिक्रिया और आलोचना से परे रखा गया है। गांधीजी के अलावा और भी कई लोगों को किसी भी तरह की आलोचना से परे रखा गया है जो कि गांधीजी के समकालीन हैं और विचार-चिंतन में उनके आलोचक भी रहे हैं। राम को भी किसी आलोचना से परे रखने का रिवाज चल रहा है।

गांधीजी, हालांकि किसी अन्तर महाद्वीपीय राजहंस की पीठ पर सवार होकर भारत नहीं आये थे, बल्कि वाया लंदन किसी मिशन को पूरा करने के लिए भारत आये थे। 1915 में उनके भारत आगमन के बाद अगले तीन महिनों में ही हरिद्वार में हिन्दू महासभा बनाने वालों के समूह में शामिल रहे। बाद में 1920 में नागपुर के कांग्रेस अधिवेशन में अपनी प्रतिबद्धताओं को अमल में लाना शुरू किया। लेकिन यह सब पर्याप्त नहीं था। अतः, नैतिक आदर्शों की पैरवी करने वाले के रूप में 1924 से स्वयं में परिवर्तन किया, जिससे उन्हें महात्मा का दर्जा दे दिया गया। उसी महात्मा के चारों और भारत की संत-पूजक जनता सिमटती गई और राजनीतिक सीढ़ियां चढ़ने वालों ने सत्ता के शिखर तक पहुँचने का रास्ताबना लिया था। सत्ता प्राप्ति के बाद गांधीजी के ग्राम स्वराज वाले राम राज्य के बदले 'लोकतन्त्र' का रास्ता अपनाया गया। इस लोकतन्त्र में अन्य सहभागियों का हिन्द स्वराज्य, हिन्दू राज्य आदि पीछे छूट गये। मुस्लिम-स्वराज का पाकिस्तान बना दिया गया। उम्मीद की गई थी कि मुसलमान पाकिस्तान में चले जायेंगे तब विशुद्ध हिंदू ही भारत में रह जायेंगे। परंतु, पाकिस्तान के हिस्से में जितने मुसलमान बसे उनसे ज्यादा तो भारत में रह गये। इसी लोकतन्त्र की व्यवस्था ने गांधीजी के पूजकों को सत्ता तो मिली ही, महात्मा गांधी के विरोधियों को भी सत्ता के शिखर तक पहुँचाने का मार्ग निर्धारित कर दिया था। और, वे सत्ता के शिखर तक पहुंच भी गये, परन्तु गांधीजी के राष्ट्रपिता के दर्जे को वापस लेने स्थिति में इस लोकतान्त्रिक व्यवस्था में कोई नहीं आ सकता। बेशक चाहे कोई महात्मा गांधी की सैकड़ों बातों को लेकर आलोचना कर सकते हों, चर्चिल का गांधी अलग था, इरविन का अलग, नेहरू का अलग गांधी था तो सावरकर का अलग। सबके अपने अपने गांधी रहे हैं और हैं भी। लेकिन वे गांधीजी के राष्ट्रपिता के आभामंडल से, उनके प्रभामंडल से बाहर नहीं निकल सकते। चाहे राम को 'राम-राम' के स्वाभाविक अभिवादन से निकाल कर "जय सिया राम" और "जय श्री राम" केजयघोष तक ले आये हों, महात्मा गांधी को उनकी अपनी स्थिति से डिगाने की कोशिश में हो सकते हों, परन्तु राष्ट्रपिता घोषित हो जोने के बाद गांधी अडिग है। अपने-अपने गांधी होने का यही फलसफा है।

–राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि
आयुक्त

झुंझुनूं शहर में जलभराव की समस्या को लेकर कलेक्टर ने नाराजगी जताई

झुंझुनूं, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने झुंझुनूं शहर में जलभराव की समस्या पर नाराजगी जाहिर की है।

रविवार को झुंझुनूं में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. अरूण गर्ग ने कहा कि उन्होंने भी रोड नंबर तीन पर होने वाले जलभराव की समस्या को खुद देखा है। इसके बाद उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए इसके स्थायी समाधान के लिए प्लान बनाने और साथ ही साथ नगर परिषद में एक क्विट रेस्पोंस टीम बनाने के निर्देश दिए हैं। डॉ. गर्ग ने कहा कि यह बात सही है कि नगर परिषद ने नालों की सफाई करने में देरी की है, जिसके कारण वर्तमान में हो रही बारिश के कारण जगह-जगह पर जलभराव की समस्या पैदा हो रही है, लेकिन हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने इस मौके पर कहा कि जिले में अब तक किए गए दौरों और आमजन से हुई बातचीत में सामने आया है कि जिले में रास्तों की समस्या, एक बड़ी समस्या है। और जिलों में भी रास्तों की समस्या है, लेकिन झुंझुनूं में यह समस्या अन्य जगहों से ज्यादा है। रास्तों के लिए वर्तमान में राज्य सरकार का अभियान चल रहा है, लेकिन इसके बाद भी इसे लेकर प्लान बनाकर काम होगा। एक सवाल का जवाब देते हुए डॉ. अरूण गर्ग ने कहा कि झुंझुनूं शहर में अस्थायी अतिक्रमणों से जाम की स्थिति और पार्किंग की समस्या को लेकर भी वे सोमवार को मंडे मिटिंग में अधिकारियों से सवाल जवाब करेंगे।

■ नगर परिषद के अधिकारियों को फटकार लगाई

राशिफल

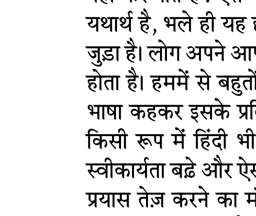

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 7 जुलाई, 2025

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 1:12 तक, शुभ योग रात्रि 10:02 तक, बव करण दिन 10:13 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 7:15 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:25 तक, शुभ 9:07 से 10:49 तक, चर 2:14 से 3:56 तक, लाभ-अमृत 3:56 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:43, सूर्यास्त 7:20

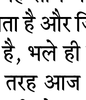

मेष

पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

घर-परिवार में अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

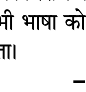

तुला

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

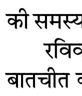

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

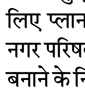

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मकर

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा।

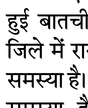

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

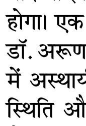

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

इफ्तार के बाद निकाला जूलुसे हुसैनी

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बावगढ पर स्थित दरगाह गंजे शहीदा सरकार की दरगाह पर रविवार को इल्मी व बरेलवी सुन्नी मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी उदयपुर के तत्वावधान में यौमे आशुराह के मौके पर पैगम्बरे इस्लाम के नवासे हजरत इमाम हुसैन व शोहदाए कर्बला की याद में कुरआन ख्वानी,रोजा इफ्तार व जूलुसे हुसैनी सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। दरगाह कमेटी से जुडे मोहसिन हैदर ने बताया कि अम्बावगढ दरगाह पर हर साल की तरह इस साल भी यौमे आशुराह पर सायं नमाजे अस्र के बाद दरगाह परिसर पर स्थित मस्जिद में कुरआन ख्वानी की गई जिसमें कुरआन शरीक पढा गया। साथ ही शहर भर के लोगों द्वारा पढा गया कलामे पाक को इकट्ठा फातिहा ख्वानी में पेश किया गया। फातिहा ख्वानी दरगाह मस्जिद के इमाम मौलाना बाबुल हुसैन द्वारा पढी गई। उसके बाद मगरिब की नमाज से पहले दरगाह पर मौजूद रोजेदार लोगों द्वारा रोजा इफ्तार किया गया। साथ ही बाद नमाजे मगरिब जमाअत रजाए मुस्तफा के सदर व मस्जिद हुज्जतुल इस्लाम बीच की मस्जिद सिलावटवाडी के इमाम हजरत मौलाना मुसन्ना जहांगीरी की सदारत में जूलुसे हुसैनी निकाला गया जो कि सिलावटवाडी- नई पुलिया से होते हुए आस्तानाए आलिया पर हम्द,नात, मनकबत पढते पहुंचा। जहां पर नातख्वानी, तकरीर व सलातो सलाम के बाद फातिहा ख्वानी की गई। इस अवसर पर दरगाह कमेटी के सदर गुलाम मोइनुद्दीन कादरी राजा भाई व कमेटी के मेम्बरान सहित अब्दुल हुसैन खान,शेख जाकिर हुसैन,हाजी सलीम खान, हाजी अकील खान, अनीस अब्बासी,मोहसिन हुसैन अज्हरी,हाजी आरिफ खान,नईम अहमद,वहीद अहमद शेख, अमजद ,इरफान मन्सूरी,अनवर मन्सूरी,आबिद खान,इस्हाक मोहम्म्द, हबीब नबी खान, समीर भाई,अब्दुल कादिर छीपा आदि मौजूद थे। इधर दाउदी बोहरा समुदाय ने भी इस्लाम के पैगम्बर हजरत मुहम्मद साहब के नवासे हजरत और सैय्यदा फातिमा के बेटे इमाम हुसैन और उनके 72 साथियो की शहादत की याद में यौम ए आशूरा मनाया।इमाम हुसैन की शहादत की याद में हर वर्ष निकलने वाला अजादारी मातमी जुलुस यौमे आशूरा पर दोपहर 2 बजे बोहरवाडी स्थित मोहियदपुरा मस्जिद से वजीहपुरा मस्जिद तक निकाला गया।जुलुस में अब्बास अलमबरदार के अलम निकाले गए।

अफीम के दो आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। गत 10 मई 2023 को बांसवाड़ा पुलिस द्वारा नाकाबंदी के दौरान जब्त की गयी 16 किग्रा. अफीम के फरार आरोपियों को अनवेक्षण अधिकारी गोपीचंद मीणा ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को आज न्यायालय में पेष किया जायेगा। ध्यान रहे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उदयपुर संभाग की यात्रा को लेकर पुलिस प्रषासन मुस्तैदी से जुटा था। इसी दौरान कोतवाली थाना पुलिस ने जिले की तब तक की बड़ी सफलता दर्ज कराते हुए 16 किग्रा. अफीम बरामद की थी लेकिन दोनों ही आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गये थे। इस मामले का अनवेक्षण पुलिस उपअधीक्षक गोपीचंद मीणा कर रहे थे। ध्यान रहे कि नाकाबंदी के दौरान रतलाम मार्ग स्थित कागदी पिकअप पर वाहनों की तलाषी ली जा रही थी। इसी दौरान मध्यप्रदेष के रतलाम की तरफ से आ रही एक कार को रूकने का ईषारा किया। पुलिस कार वाले से पूछताछ कर रही थी कि पीछे से आ रहे एक अन्य कार चालक ने पहले तो अपने वाहन को धीरे किया और बाद में कार तेज गति से भगाकर षहर की ओर ले गया। पुलिस ने आस-पास के नाकाबंदी वाले क्षेत्रों में सूचना दी लेकिन कार के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली। कार चालक कार को लड्ढा हॉस्पिटल वाली गली में ले गया। इसी दौरान कार सवार बदमाषों ने काले रंग के बैग को फेंक दिया और किषनपोल गेट के पास गाडी को लावारिस छोड़कर कागदी नाले की झाड़ियों की आड़ में अंधेरे में फरार हो गये। पुलिस दल ने जब बैग की तलाषी ली तो उसमें 16 किलो 25 ग्राम अफीम निकली जिसकी कीमत लगभग 32 लाख रूपये आंकी गयी। लंबे समय से मामले के आरोपी फरार चल रहे थे और अनवेक्षण का जिम्मा पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा के जिम्मे किया गया। मीणा ने मामले में सुभाशचन्द्र पुत्र बचनाराम विष्नोई निवासी नोखड़ा, थाना भोजासर, जिला फलोदी व लक्ष्मणदास पुत्र बाबुराम विष्नोई, निवासी जेसला, थाना भोजासर, जिला फलोदी को गिरफ्तार कर जिला एवं सेंषन न्यायालय में पेष किया जहां से इन्हें 7 जुलाई तक के पुलिस रिमांड पर दिया है। आज रिमांड अवधि पूर्ण होने पर दोनों को न्यायालय में पेष किया जायेगा।

तनिमा साहित्यिक संस्थान की कवि गोष्ठी आज

उदयपुर,(कासं)। शहर की साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था तनिमा की ओर से सोमवार को मशहूर कवि एवं साहित्यकार पूर्व आईएएस मनोज शर्मा (जयपुर) के सम्मान में विशेष कवि गोष्ठी का आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर नगर के प्रबुद्ध कविगण उपस्थित होंगे। भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त मनोज शर्मा की पिछोला झील पर लिखी अपनी कविता मेरी झील काफी चर्चित रही है। संस्थान की संस्थापिका कवयित्री डॉ.शकुंतला सरूपरिया ने बताया कि तनिमा संस्थान हमेशा ही विभिन्न स्थानों से उदयपुर आने वाले वरिष्ठ साहित्यकारों का सम्मान करता आया है। इसी क्रम में ख्यातिप्राप्त कवि शर्मा के सम्मान में गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

जलापूर्ति बाधित रहेगी आज

उदयपुर,(कासं)। कानपुर हेडवर्क पर विद्युत व्यवधान होने से उपखंड सप्तम से सोमवार को होने वाली जलापूर्ति कम दबाव व कम समय के लिए होगी। सहायक अभियंता यामिनी उपाध्याय ने बताया कि वार्ड 40 के सूर्य नगर, आकाशवाणी कॉलोनी, अरिहंत विहार, खेमपुर, भोइवाडा, गोपीनगर, डिमरी बस्ती, शनि महाराज कॉलोनी की गली, उदय विहार, मठ मादडी, मादडी इंडस्ट्रियल एरिया रोड नंबर 1 से 12 तक आदि एवं वार्ड 41 की यूआईटी कॉलोनी टंकी से होने वाली सप्लाई से जुडे सभी क्षेत्र प्रभावित रहेंगे।

ट्रेड यूनियन हड़ताल को मिला किसान व आदिवासी संगठनों का समर्थन

- अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के जिलाध्यक्ष घनश्याम तावड ने कहा कि किसानों में भी आदिवासी किसान नर्क का जीवन जीने को मजबूर है

उदयपुर,(कासं)। केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के विरोध में 9 जुलाई को आयोजित होने वाली देश व्यापी हडताल को उदयपुर के किसान और आदिवासी संगठनों ने भी समर्थन दिया।

यह जानकारी देते हुए ट्रेड यूनियन काउंसिल के संयोजक पी एस खींची ने बताया कि किसान और आदिवासी संगठनों की बैठक मेवाड किसान संघर्ष समिति के संयोजक विष्णु पटेल की अध्यक्षता में रविवार को शिराली भवन में हुई! बैठक में विष्णु पटेल ने कहा कि जब केंद्र सरकार ने किसान विरोधी तीन काले कानून को देश में लागू करने की कोशिश की उस समय देश के सभी मजदूर संगठनों ने किसानों के साथ एकता बना व्यापक आंदोलन से केंद्र सरकार को यह काले कानून वापस लेने को मजबूर किया। उन्होंने कहा कि अब केंद्र सरकार देश में मजदूरों के अधिकारों के 44 कानून को खत्म कर उन्हें तीन संहिता में बदल रही है जिस पर देश का किसान भी मजदूरों के साथ एकता बना इसे लागू नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि देश के विकास में मजदूरों और किसानों का प्रमुख योगदान है लेकिन केंद्र सरकार की नीतियां उन्हें बर्बाद करने पर तुली हुई है जिसका कडा विरोध किया जाएगा। बैठक में अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के जिलाध्यक्ष घनश्याम तावड ने कहा कि किसानों में भी आदिवासी किसान नर्क का जीवन जीने को मजबूर है लेकिन भाजपा के जनप्रतिनिधि और नेता उनके जीवन से जुडे मुद्दों पर उन्हें भटका हिंदू और गैर हिंदू होने के नाम पर बांटने का काम कर रहे हैं,लेकिन आदिवासी नहीं बटेगा और वह मनरेगा में 200 दिन काम व 600 रुपये प्रति दिन मजदूरी, वन अधिकार के पट्टे, फसलों पर एमएसपी की गारंटी, आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर व्यापक एकता बना जन संघर्ष तेज करेगा।

बैठक में अखिल भारतीय किसान सभा के जिलाध्यक्ष प्रभु लाल भगोरा, आदिवासी जनाधिकार एका मंच के जिलाध्यक्ष प्रेम पारगी,राजस्थान किसान सभा के जिलाध्यक्ष देवीलाल डामोर ने भी विचार रख 9 जुलाई को होने वाली हडताल को अपना समर्थन देते हुए किसानों एवं आदिवासियों के भी 9 जुलाई को आयोजित होने वाली रैली में भाग लेने का विश्वास दिलाया।

खींची ने बताया कि 9 जुलाई के आयोजित होने वाली हडताल की तैयारी के लिए सीटू ने जिला सचिव हीरालाल सालवी की अध्यक्षता में एक अन्य बैठक हुई। बैठक में सीटू के जिलाध्यक्ष राजेश सिंघवी ने बताया कि यह औद्योगिक हडताल मजदूर संहिता को वापस लेने, वेतन कटौती, छटनी,महंगाई पर रोक लगाने, न्यूनतम मजदूरी 26000 रुपए प्रतिमाह घोषित करने, सामाजिक पेंशन 10000 रुपये महीना घोषित करने, ठेका व्यवस्था बंद करने, आशा सहयोगिनी सहायका, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को नियमित करने, पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने, सभी मजदूरों को पीएफ ईएसआई और कार्यस्थल पर सुरक्षा की गारंटी देने, सफाई कर्मचारियों को नियमित करने,खान मजदूर की सुरक्षा की गारंटी करने, राष्ट्रीय संपत्तियां सरकारी उपक्रमों को बेचने पर रोक लगा सार्वजनिक सेवाओं का निजीकरण बंद करने के का मुद्दा शामिल है। इसके अलावा सभी प्रकार के कृषि यंत्रों खाद बीज को कीटनाशक दवाओं पर सभी तरह के टैक्स समाप्त करने,सहारा आदर्श संजीवनी जैसी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी में निवेशकों की जमा राशि का भुगतान कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही उन्हें दंडित करने, उदयपुर पैराफेरि क्षेत्र के निवासियों को अतिक्रमण के नाम पर की जा रही बेदखली रोक उनके कब्जे की पूरी जमीन के पट्टे देने,ठेला फुटपाथ व्यवसायीयो को अतिक्रमणऔर नो वेडिंग जोन के नाम पर की जा रही बेदखली पर रोक लगा उनके रोजगार और सम्मान की सुरक्षा के साथ पथ विक्रेता अधिनियम की पालना करने,निर्माण मजदूर कल्याणकारी बोर्ड में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने,घरेलू कामगार महिलाओं को सुरक्षा के लिए कानून लागू करने, दवा सहित आवश्यक वस्तुओं का मूल्य नियंत्रित कर उनको जीएसटी से मुक्त करने जैसी मांगों को लेकर किया जा रहा है।

पी एस खींची ने बताया कि 9 जुलाई को सुबह 11 बजे मजदूर किसान संगठनो के कार्यकर्ता टउन हाल से रेली प्रारंभ करेंगे,जो रेली कलेक्ट्री पहुंचेगी और वहाँ प्रदर्शन कर सभा आयोजित कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

धर्मेंटा में पैंथर पिंजरे में कैद

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती ग्राम पंचायत पिपलांत्री के धर्मेटा गांव में पिछले कई दिनों से दहशत का पर्याय बनी एक मादा पैंथर आखिरकार वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में कैद हो गई। पैंथर के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने गहरी राहत की सांस ली है।

पिछले कुछ दिनों से धर्मेटा गांव में पैंथर की लगातार आवाजाही बनी हुई थी, जिससे ग्रामीण भयभीत थे। ग्रामीणों की लगातार मांग पर वन विभाग ने इलाके में एक पिंजरा लगाया था। शनिवार देर रात ग्रामीणों ने पैंथर की गुर्राहट सुनी और पिंजरे के पास जाकर देखा तो पैंथर पिंजरे में कैद मिला। स्थानीय निवासी हीरालाल पालीवाल ने रेस्क्यू टीम राजसमंद के रेंजर सत्यानंद गरासिया की गश्ती दल, वन्यजीव प्रेमी पन्नालाल कुमावत, घनश्याम पुर्बिया, वनरक्षक गिरधारी सिंह और अटलसिंह को मौके पर बुलाया। टीम ने मौके पर पहुंचकर पुष्टि की कि मादा पैंथर पिंजरे में कैद हो चुकी है। वन विभाग ने डॉक्टर को सूचित कर उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार पैंथर का रेस्क्यू किया।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल, उदयपुर, वृत्त-उदयपुर
(RHB Office Building पारस तिराहा सेक्टर-11, उदयपुर-313001)
Email-DHCUDPR_RHB@RAJASTHAN.GOV.IN

पत्र क्रमांक:-उप.आ.आ./वृत्त-उदय/2025-26/245 दिनांक:-30.6.2025
Registered

-: जाहिर आम सूचना (दोहरा रजिस्ट्री नामान्तरण):-

आवास संख्या 6-क-18 माप 136.00 वर्ग यार्ड योजना हिरण मगरी सेक्टर-11 आवासीय योजना शहर उदयपुर द्वारा श्री दौलत सिंह पंवार पुत्र पूनम चन्द पंवार को आवंटन पत्र क्रमांक 2241 दिनांक 05.08.1974 को आवास का आवंटन कर दिनांक 09.10.1974 को कब्जा दिया गया। उक्त आवास का अदेय प्रमाण-पत्र 1811 दिनांक 13.10.1987 द्वारा श्री दौलत सिंह पंवार पुत्र पूनम चन्द पंवार को जारी किया गया एवं प्रथम रजिस्ट्री दिनांक 14.10.1987 द्वारा श्री दौलत सिंह पंवार पुत्र श्री पूनम चन्द पंवार द्वारा अपने पक्ष में निष्पादित करवाई गई।

पंजीयन उपरान्त श्री दौलत सिंह पंवार पुत्र पूनम चन्द पंवार ने उक्तआवास का बैचान बिकावनामा (पंजीकृत) आलेखित कर दिनांक 18.02.1988 को श्री गणेशलाल पुत्र श्री गोवर्धन लाल पालीवाल को किया गया। श्री गणेशलाल पुत्र श्री गोवर्धन लाल पालीवाल ने पुन: उक्त आवास का बेचान बिकावनामा (पंजीकृत) आलेखित कर दिनांक 21.02.1994 को श्री हंसमुख लाल पुत्र श्री डाया भाई को किया गया। इस कार्यालय के पत्रांक 479 दिनांक 25.07.2023 श्री हंसमुख लाल पुत्र श्री डाया भाई को नामान्तरण कार्यालय आदेश जारी किया गया। ततपश्चात श्री हंसमुख लाल पुत्र श्री डाया भाई ने पुन: उक्त आवास का बेचान विक्रय पत्र (पंजीकृत) आलेखित कर दिनांक 13.08.2024 द्वारा श्री मुकेश कुमार जैन पुत्र श्री कनकमल जैन को किया गया। श्री मुकेश कुमार जैन पुत्र श्री कनकमल जैन ने इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास को विक्रय पत्र (पंजीकृत) के आधार पर अपने नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया।अत: इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 10, दिवस के अन्दर-अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें अन्यथा आपत्ति नहीं होने के कारण आवास संख्या 6-क-19, हिरणमगरी सेक्टर-11 आवासीय योजना, उदयपुर का नामान्तरण श्री मुकेश कुमार जैन पुत्र श्री कनकमल जैन के पक्ष में हस्तानान्तरण कर मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।

उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-उदयपुर

नेमा गौशाला परिसर में किया पौधरोपण

बांसवाड़ा, (निसं)। नेमा समाज की ओर से नेमा सेवा धाम स्थित नेमा गौशाला परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली संवर्धन की भावना से पौधरोपण किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. रागिनी शाह ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधारस्तंभ हैं वे न केवल हमें प्राणवायु और छाया प्रदान करते हैं बल्कि धरती के संतुलन को भी कायम रखते हैं अत: वृक्षों का संरक्षण व संवर्धन हम सभी का परम कर्तव्य होना चाहिए। उन्होंने सभी से पर्यावरण के प्रति जागरूक होने और वृक्षारोपण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य लाभार्थी पदमा एवं व्योमप्रकाश मालोत रहे। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल एक औपचारिक दायित्व न होकर हमारी संस्कृति और समाज जीवन का अनिवार्य अंग होना चाहिए।

मातमी धुनों के साथ निकला मोहर्रम का जुलूस

राजसमंद, (निसं)। इस्लाम के पैगम्बर हजरत मोहम्मद स्व्लल्लाहो अलैहिवस्सलम के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में रविवार को मुस्लिम समुदाय ने मातमी धुनों के साथ ताजियों का भव्य जुलूस निकाला।

अंजुमन कमेटी मीडिया प्रभारी शेरखान पठान ने बताया कि इस्लाम के इस्लामिक महीने की 1० तारीख, जिसे "यौम ए आशुरा" भी कहते हैं, पर हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। उनकी शहादत आज भी सब्र, बलिदान और इंसाफ की मिसाल बनी हुई है। जिला मुख्यालय के हुसैनी चौक से ताजियों के साथ मुस्लिम समुदाय के लोगों की भारी संख्या में भागीदारी देखने को मिली। ताजिया जुलूस में डीजे की धुन पर मुस्लिम युवकों ने विभिन्न करतब दिखाए और इमाम हुसैन को शिद्दत से याद किया। राजनगर में इस भव्य जुलूस को देखने के लिए बडी संख्या में मुस्लिम समाज की महिलाएं एकत्रित हुईंए जिन्होंने पुष्प वर्षा कर इमाम हुसैन के बलिदान को नमन किया। जुलूस के दौरान जगह.जगह समुदाय के लोगों द्वारा जुलूस में शामिल लोगों के लिए शीतल पेय की व्यवस्था की गई थीए जिससे सहभागियों को राहत मिली। इससे पहले शनिवार रात को शहादत की रात के रूप में मनाया गया और रविवार को सुबह 1० बजे नायकवाडी से ताजियों का जुलूस ढोल और ताशों की गूंज के साथ शुरू हुआ। यह जुलूस मालीवाडा होते हुए पठानवाडी पहुंचा, जहां ताजियों का मुकाम लगाया गया। इसके बाद दोपहर 12 बजे हुसैनी चौक से मुख्य जुलूस शुरू हुआ, जो सिलावट वाडी पहुंचा। यहां नायकवाडी के मोहर्रम की सलामी की गई।

जिसके बाद सभी ताजियों का जुलूस ढोल नगाडे, ताशों की मातमी धुन और या हुसैन के नारों के साथ एक साथ सिलावट वाडी से रवाना हुआ। जुलूस दानी चबूतरा, सदर बाजार, फव्वारा चौक से होते हुए सेवाली पहुंचा, जहाँ पारंपरिक रूप से ताजियों को गुलाब जल के छींटों से ठंडा करने की रस्म अदा की गई।

कार्यालय ग्राम पंचायत विसमा पंचायत समिति सायरा जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-11 दिनांक-06.06.2025

- ई निविदा सूचना-01/2024-25-

इस ग्राम पंचायत में DMFT योजनान्तर्गत स्वीकृत निम्नांकित कार्यो की ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in वeproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्रमांक	कार्य का नाम	UBN No
1	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विसमा (दो कमरे निर्माण- कार्य)	ZUD2526WSOB00629

प्रशासक
ग्राम पंचायत -विसमा
पं.स.सायरा, जिला-उदयपुर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत -विसमा
पं.स.सायरा, जिला-उदयपुर

इमाम हुसैन की याद में मातमी व शहादत का पर्व मनाया

डूंगरपुर, (निसं)। मुस्लिम समुदाय द्वारा इमाम हुसैन की याद में मनाये जाने वाला मातमी एवं शहादत का पर्व शनिवार को परम्परागत श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया तथा देर शाम को गेंपसागर जलाशय पर निर्धारित कार्यक्र्रमों के तहत ताजियों को अलग अलग कर गेपसागर जलाशय में पानी के छिटो से रस्म अदा की गई। जिसके बाद ताजियों को अलग-अलग खंडो में विभक्त कर इमामबाडो पर ले जाया गया ओर रविवार को प्रात: अलग-अलग स्थानो पर ताजियो को विसर्जन किया जायेगा।

शनिवार को घाटी के ताजिये प्रात:0 बजे घाटी स्थित इमामवाडे से निकाले गये। वही दूसरी ओर जामा मस्जिद ईमामवाड़े से ताजियों का जुलूस प्रात: 9.30 बजे निकाला गया, जो सब्जी मण्डी होता हुआ कानेरा पोल पहुंचा, जहां ताजियो का ठहराव रहा। दूसरे मोहल्लों से भी ताजिये अपने इमामवाड़े से रवाना होकर कानेरा पोल पहुंचें। जहां से सभी ताजियो का ठहराव के पश्चात दोपहर 1 बजे जुलूस के रूप में दर्जीवाड़ा, माणक चौक, फौज का बड़ला होते हुए घाटी स्थित बावरिया बड़ला पहुंचे, जहां सभी ताजियो का ठहराव रहा। इसके पश्चात यहां से दोपहर 3 बजे सभी ताजियें रवाना हुए। जो जुलूस के रूप में घाटी से होते हुए फौज का बड़ला, माणक चौक, सोनिया चौक, कंसारा चौक एवं पुराना अस्तपाल चौराहा पहुंचा। बच्चों व युवाओं द्वारा या हुसैन के नारे लगाए जुलूस के दौरान मुस्लिम युवाओं ने जमकर अखाडा प्रदर्शन किया।

सदस्यता अभियान जारी

राजसमंद, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के वार्षिक सदस्यता अभियान का दूसरा चरण उप शाखाओं में संकुल स्तर पर व्यापक रूप से चलाया जा रहा है। संगठन के जिला मंत्री सुजीत कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मई माह में प्रथम चरण का अभियान देश में बनी युद्ध की स्थिति के कारण देश प्रथम का भाव रखते हुए स्थगित किया गया था।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई

बांसवाड़ा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी मंडल छोटी सरवन ग्राम पंचायत दानपुर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि मंडल प्रभारी पूर्व प्रधान जिला परिषद सदस्य राजेश कटारा ने मुखर्जी की जीवनी पर प्रकाश डाला।

कटारा ने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, महान शिक्षाविद थे। उनका जीवन आदर्श, राष्ट्रवादी विचार एवं राष्ट्रीय एकता, अखंडता व संप्रभुता के लिए सर्वोच्च बलिदान हम सभी को सदैव प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष गोरी शंकर मईडा, सरपंच शंकरलाल मईडा, संजय माहेश्वरी, पस सदस्य दिनेश यादव, मंडल महामंत्री प्रेमसिंह भाटी, भाजयुमो महामंत्री रामलाल मईडा, डा विजय मईडा, बूथ अध्यक्ष ईश्वरलाल मईडा, लालचंद मईडा, सोहनलाल मईडा, जीवनलाल मईडा, पप्पन मईडा, यश पंवार, यश जैन, सौरव जोशी, राजवीर सिंह, मंथन राठौड़, लक्ष्मण मईडा, सतीश मईडा, राहुल मईडा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।मुखर्जी जयंती पर टामटिया व चौथमाल बुथ पर पौधारोपण किया।

युवकों ने किया अखाड़ा प्रदर्शन

कपासन, (निसं)। मोहर्रम पर्व के अवसर पर मुस्लिम समाज द्वारा परंपरागत ताजिये का जुलूस निकाला गया। मोमिन मोहल्ला स्थित इमाम बाड़े से सुबह 11 बजे जुलूस की शुरुआत हुई जुलूस जमा मस्जिद चौक से होते हुए कलंदरी चौक पहुंचा। जुलूस में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। ताजिये के आगे युवक ढोल और ताशे बजा रहे थे। कुछ युवक अखाड़ा प्रदर्शन भी कर रहे थे।

जुलूस बस स्टैंड और कुम्हार मोहल्ला होते हुए लोडकिया बाजार, पीपली बाजार और पुलिस चौकी, सुनारा मंदिर चौक से होते हुए शाम को ये राजेश्वर सरोवर तालाब पहुंचा।

आम सूचना

हम कि भंवरलाल पुत्र श्री नारायणलाल लखारा एव श्रीमती सुगना देवी पत्नी भंवरलाल लखारा, निवासी पाटिया-भीम, तहसील भीम, जिला राजसमंद के होकर जाहिर आम सूचना प्रकाशित करते है कि हम पति-पत्नी की निजी जायदाद ग्राम पाटिया-भीम में स्थित है जिसके पट्टे ग्राम पंचायत भीम द्वारा पट्टा सं. 29,30 एवं 2855 हमारे नाम से जारी किए हुए है इसी से जुडवा हमारी खातेदारी भूमि ग्राम भीम की आरजी ख.सं.8722,8723 एवं 16028/8725 स्थित है और उपरोक्त जायदाद बाबत दिनांक 16/8/2024 को हमने हमारे तीनों पुत्र क्रमश: घनश्याम, अशोक एवं गौतम लक्षकार के पक्ष में एक इकरार नामा वास्ते आपसी बंटवारा बाबत निष्पादित करवाया था किन्तु हमारे तीनों पुत्र हमारे कहने में नहीं है और इस इकरार नामे के पश्चात उन्होंने हमें उपेक्षित कर दिया है और वे अपनी मनमर्जी पर आमादा है तथा उक्त जायदाद को खुर्द-बुर्द एवं बैचान करना चाहते हैं। एतद् जरिए इस आम सूचना के सर्वसाधारण को सूचित कियाजाता है कि हमारे द्वारा दिनांक 16/8/2024 को किए गए इकरार नामा वास्ते आपसी बंटवारा तथा इससे पूर्व भी इस बाबत कोई अन्य इकरार हो तो उन्हें निरस्त किया जाता है और भविष्य में उपरोक्त जायदाद बाबत यदि हमारे उपरोक्त तीनों पुत्रों में से किसी के भी द्वारा कोई वित्तीय लेन-देन, क्रय-विक्रय अथवा अन्य किसीभी प्रकार का संव्यवहार किया जाता है तो उसमें हमारी किसी भी प्रकार की सहमति नहीं मानी जाएगी तथा वे शून्य माने जाएंगे और उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी।

द्वारा-भंवरलाल लखारा एवं
श्रीमती सुगना देवी लखारा

दातापति हनुमान मंदिर में सुन्दरकाण्ड पाठ व भजन संध्या संपन्न

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरण मगरी सेक्टर चार स्थित दाता पति हनुमान मंदिर में आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की दशमी, शनिवार को सायंकाल संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ एवं भजन संध्या का भव्य आयोजन हुआ। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन श्री दाता सत्संग मण्डल, उदयपुर के रमेश श्रीमाली एवं उनकी टीम द्वारा किया गया।

इस अवसर पर रमंदिर के महंत रामदास वैष्णव ने जानकारी देते हुए बताया कि शाम 6:30 बजे से 8:30 बजे तक चले संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ से मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके पश्चात भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें मंडल के सदस्य महेन्द्र सिंह चुंडावत ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर आसपास की कॉलोनियों के निवासियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर सुन्दरकाण्ड पाठ एवं भजन संध्या का आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में महंत रामदास वैष्णव ने श्री दाता सत्संग मंडल के सभी सदस्यों का तिलक कर एवं उपरना ओढ़ाकर स्वागत किया। भजन संध्या के उपरांत मंडल के सदस्य सूर्य प्रकाश श्रीमाली, मोहन छिपा, शिव सोनी द्वारा मंदिर के महंत रामदास वैष्णव, मंदिर के कार्यकर्ता हरीशंकर पालीवाल एवं प्रकाश गायरी को तुलसी की माला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तों से भरा रहा और रात्रि 9 बजे के बाद सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खीर-पूरी का प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान हल्की बारिश भी होती रही, जिससे पूरा वातावरण और अधिक शांतिमय एवं भक्तिरस से सराबोर हो गया।

कोटा में अनाधिकृत रूप से बेचे जा रहे जैव उर्वरक और लिक्विड जब्त

4900 लीटर लिक्विड जैव उर्वरक, 9800 किलो पाउडर जैव उर्वरक व सिटी कम्पोस्ट जब्त किया

कोटा, (निसं)। प्रदेश में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा नकली उर्वरकों और पेस्टिसाइड पर कार्रवाई कर रहे हैं। नकली बीज बेचने वाले भी किरोड़ीलाल मीणा के निशाने पर हैं। इसी बीच कोटा में भी कृषि विभाग ने अनाधिकृत रूप से बेचे जा रहे जैव उर्वरक के खिलाफ कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई कोटा के संयुक्त निदेशक अतीश कुमार शर्मा के निर्देशन में की गई है। करीब 12 घंटे से भी ज्यादा समय तक यह कार्रवाई चली है जिसमें हजारों लीटर लिक्विड और हजारों किलो पाउडर उर्वरक जब्त किया गया है।

कोटा के संयुक्त निदेशक आतिश कुमार शर्मा ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि श्रीनाथपुरम स्टेडियम के पास श्याम नगर में बिना विभाग को सूचना के अनाधिकृत गोदाम बना हुआ था। यहां पर किसानों को माल भी बेचा जा रहा था। यह पूरी तरह से गैरकानूनी और अनाधिकृत था। मौके से 15 तरह के उर्वरक को जब्त किया है जिनमें दानेदार, पाउडर और लिक्विड उर्वरक शामिल हैं। वहीं, 8 तरह के उर्वरक के नमूने लिए हैं।

कोटा में कृषि विभाग की टीम ने बड़ी मात्रा में जैव उर्वरक और लिक्विड जब्त किया।

अतीश कुमार शर्मा ने बताया कि यह करीब 4900 लीटर लिक्विड जैव उर्वरक और 9800 किलो पाउडर जैव उर्वरक व सिटी कम्पोस्ट जब्त किया है। इस पूरे माल को जब्त कर केवीवीएस कोटा को सुपुर्द कर दिया गया है। मौके से नमूने भी लिए गए हैं। इस मामले में निरीक्षक जल्द ही विपणन करता फर्म के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज करवाएगी। संयुक्त निदेशक शर्मा का कहना है कि उन्होंने पूरे मामले में कार्रवाई के लिए एक जॉइंट टीम बनाई हुई है। इसमें डिप्टी डायरेक्टर सत्येंद्र पाठक, सहायक निदेशक उमाशंकर व नरेश शर्मा, निरीक्षक जुगल किशोर व प्रदीप मीणा और कृषि पर्यवेक्षक सहित अन्य शामिल रहे। हम कार्रवाई करने के लिए शनिवार पांच बजे पहुंच गए थे जिसके बाद यह कार्रवाई रविवार सुबह छह तक चली है। इस पूरे माल को ट्रक में भरकर लाया गया है।

हाड़ौती किसान आंदोलन ने संभाग में नकली खाद, बीज व कीटनाशक के खिलाफ कार्रवाई और जांच शुरू करने के लिए अभियान चलाया हुआ है। आंदोलन के संयोजक कुंदन चीता ने बताया कि प्रदेश में कई जगह नकली खाद, बीज और कीटनाशक के लिए छापे मारे गए हैं जबकि हाड़ौती में भी किसानों में नकली खाद-बीज और कीटनाशक दवाइयों को लेकर भय व भ्रम की स्थिति है। ऐसे में नकली खाद-बीज और कीटनाशक के खिलाफ छापेमारी होनी चाहिए। इस संबंध में आंदोलन के प्रवक्ता श्याममनोहर हरित, भगवती प्रसाद मीणा, मंजूर तंवर, गिरिराज गुप्ता व शीतल मीणा सहित अन्य लोग कृषि विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों से भी मिल रहे हैं।

- मौके से 15 तरह के उर्वरक को जब्त किया, जिनमें दानेदार, पाउडर और लिक्विड उर्वरक शामिल है

एक करोड़ रुपये का अवैध डोडा-चूरा मय वाहन जब्त

- तस्कर फरार, वाहन से पिस्टल व चार कारतूस बरामद

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान एक करोड़ रूपये का अवैध डोडा-चूरा मय वाहन तथा एक पिस्टल मय चार कारतूस जब्त कर तस्करों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। वहीं मौके से तस्कर फरार हो गये।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन राजपुरोहित के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित दल ने प्रतापनगर टी पोईंट पर नाकाबंदी शुरू की। इस दौरान चित्तौड़ की तरफ से आ रहे पिकअप वाहन चालक ने पुलिस को देख वाहन लेकर देबारी मेघवालोक की घाटी की तरफ लेकर भागा। इस पर पुलिस दल ने पिछा किया लेकिन तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए। मौके पर पहुंच कर तलाशी ली तो पिकअप वाहन में एक पिस्टल मय चार कारतूस, 68 प्लास्टिक के कट्टों में एक करोड़ रूपये का 1395 किलो अवैध डोडा-चूरा मिला। इस पर पुलिस ने अवैध डोडा-चूरा मय माल व हथियार जब्त कर तस्करों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

50 लाख का डोडा-पोस्त बरामद

- लूणी थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई में 331 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया

जोधपुर, (कांस)। जोधपुर के लूणी थाना पुलिस ने तस्करी को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत अलग-अलग कार्रवाई की। इस दौरान 331 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 50 लाख रुपए आंकी गई है।

डीसीपी वेस्ट राजर्षि राज ने बताया कि शहर को नशा मुक्त करने के अभियान के तहत लूणी, विवेक विहार थाना पुलिस की टीमों का गठन किया गया। टीम ने मादक पदार्थ तस्करी को लेकर अलग-अलग कार्रवाई की। पहली कार्रवाई करते हुए रोहिचा कला गांव में एक संदिग्ध स्विफ्ट कार को रोकने का इशारा किया गया। इसके बाद भी चालक भगाकर ले गया। चालक ने कार को खेत की बाड़ में घुसा दिया और अपने साथियों के साथ भाग गया। कार की तलाशी में 45 किलो 300 ग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया गया। दूसरी कार्रवाई लूणी थाना क्षेत्र के पीसावास के पास की गई। यहां एक लोडिंग टैंपो संदिग्ध हालत में खड़ा मिला। टीम ने मौके पर पहुंचकर टेंपो से 58 किलो 790 ग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया।

तीसरी कार्रवाई विवेक विहार थाना क्षेत्र में की गई। टीम ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में फरार श्यामलाल विश्नोई के मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान 26 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया गया। मौके से आरोपी श्यामलाल को पकड़ा गया। श्यामलाल पूर्व में विवेक विहार थाने में दर्ज मादक पदार्थ तस्करी के मामले में फरार चल रहा था। टीम ने चौथी कार्रवाई पिपरली गांव में की। यहां खिलेरियों की ढाणी में स्कॉर्पियो गाड़ी से डोडा-पोस्त के कट्टे उतारे जा रहे थे। टीम को देखकर आरोपी स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गए। कट्टों में तलाशी के दौरान 202 किलो डोडा बरामद किया गया।

सोलर प्लांट की जमीन पर खेजड़ी के 23 पेड़ काटे

बीकानेर, (निसं)। करणीसर भाटियान में खेजड़ी के पेड़ काटने की घटना के बाद पटवारी और वन विभाग ने मौके का सर्वे किया है। इस दौरान एक गिरगिट की मौत होने पर इसकी सूचना वाइल्ड लाइफ डीएफओ दी गई है। उधर पर्यावरण प्रेमियों ने कालासर गांव में आयोजित शिविर में उपखंड अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर खेजड़ी का कटाई पर पूर्ण रूप से रोक लगाने की मांग की है।

करणीसर भाटियान में रात करीब दो बजे सोलर प्लांट के लिए खेजड़ी के पेड़ काट का पिकअप में ले जाए जा रहे थे। सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने घेर लिया। अंधेरे का फायदा उठाते हुए पेड़ काटने वाले दो गाड़ियों सहित फरार हो गए। रास्ते में गाड़ियों में भरे कटे हुए पेड़ भी गिरा दिए। एक पिकअप वहीं रह गई। सूचना मिलने के बाद सुबह पूगल पुलिस, पटवारी और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पटवारी की मौका रिपोर्ट के अनुसार करणीसर के खसरा नंबर 33/5/838 तथा 33/6/838 की भूमि मेसर्स अवाड़ा आरजे बीकानेर प्राइवेट लिमिटेड खातेदार के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। इस जमीन पर से खेजड़ी के कटे हुए पेड़ों के 23 ठूंठ बरामद हुए हैं। राजस्व और वन विभाग की टीम ने शनिवार को दोबारा जमीन का सर्वे किया। खेजड़ी के कटे हुए पेड़ों से भरी गाड़ी बरजू बराला की कांकड़ में बरामद हुई, लेकिन पेड़ों के अवैध परिवहन को लेकर फोरेस्ट एक्ट के तहत कोई मुकदमा अब तक दर्ज नहीं हो पाया है।

पूगल पुलिस के हवलदार मनोहर सिंह को सुबह पेड़ों की अवैध कटाई को लेकर परिवाद भी दिया था। पूगल एसएचओ का कहना है कि उनका एरिया नहीं है। उधर, वन विभाग के रेंजर महावीर सिंह ने बताया कि मौके पर गिरगिट मरा हुआ होने के कारण उसकी रिपोर्ट वाइल्ड लाइफ शाखा को दे दी गई है।

सोलर के नाम पर खेजड़ी के पेड़ों की अवैध कटाई के विरोध में ग्रामीणों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना शिविर में प्रदर्शन किया। पर्यावरण प्रेमी मोखराम धारणिया, जेठाराम लाखूसर, प्रभुराम, मोहनराम, शीशपाल, हड़ मान नाई, रामलक्ष्मण, भैरा राम डोंगीवाल आदि ने उपखंड अधिकारी के नाम कर्मचारियों ने सोलर कंपनियों के विरुद्ध नारेबाजी की तथा उपखंड अधिकारी के नाम कर्मचारियों को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि लाखूसर में 800 से अधिक पेड़ काट डाले। करणीसर भाटियान की रोही में देर रात खेजड़ी पर कुल्हाड़ी चली, लेकिन प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। पुलिस और वन विभाग सोलर कंपनियों के दबाव में है। पेड़ों की अवैध कटाई के कारण वन्य जीवों के ठिकाने उजड़ रहे हैं। मोखराम ने कहा कि एक गिरगिट की मौत हो गई, जो भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची में सूचीबद्ध है।

मंदिर में चोरी

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में स्थित मंदिर से चोर सामान चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसर पीड़ित किशोरसिंह देवड़ा पुत्र लालसिंह देवड़ा निवासी देबारी फलरा नोहरा प्रतापनगर ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 11 जून रात में अज्ञात चोर घाटावाली माताजी मंदिर में घुस कर पीतल की दो धुपनी चुरा ले गए तथा दानपात्र का ताला तोड़ने का प्रयास किया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच एएसआई पर्वतसिंह कर रहे हैं।

वहीं उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने हृदय कोपरेटिव सोसायटी प्रबंधन के खिलाफ नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित खुशबू चौहान पत्नी राघवेन्द्रसिंह निवासी आचार्य मार्ग ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि गत दिनों मैने एजेंट के जरिये हृदय कॉपरेटिव सोसायटी में निवेश के लिए 1 लाख 50 हजार रूपये जमा करवाए थे। निर्धारित समय पर रूपये नहीं मिले। इस पर कार्यालय में संपर्क किया तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं मिला। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

जोधपुर : आई.आई.टी. भर्ती प्रक्रिया में धांधली सामने आई

- कार्यवाहक कुलसचिव ने दो असिस्टेंट रजिस्ट्रार और सुपरिटेंडेंट के खिलाफ मामला दर्ज कराया
- अधिकारियों ने पद का दुरुपयोग करते हुए निजी लाभ के लिए अनुचित रूप से निर्णय लिए

जोधपुर, (कांस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर में भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। इसको लेकर कार्यवाहक कुलसचिव ने आईआईटी के दो असिस्टेंट रजिस्ट्रार और सुपरिटेंडेंट के खिलाफ करवड़ थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है।

आईआईटी जोधपुर के कार्यवाहक कुलसचिव अंकुर गुप्ता ने थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि आईआईटी जोधपुर में दिसंबर 2019 से अगस्त 2023 तक आयोजित की गई भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। भर्ती प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही एवं नियमों की अवहेलना की गई है। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहा। इसमें अयोग्य अभ्यर्थियों का चयन किया गया जबकि योग्य उम्मीदवारों को जानबूझकर बाहर कर दिया गया।

भर्ती कार्यालय में शामिल असिस्टेंट रजिस्ट्रार लक्ष्मण सिंह व प्रशांत भारद्वाज और जूनियर सुपरिटेंडेंट रॉबिन सिंह कांतुरा ने कार्यों में धोखाधड़ी, आधिकारिक प्रक्रिया का उल्लंघन, लाभ के लिए पदों की मनमानी की हैं।

रिपोर्ट के अनुसार सीवीओ द्वारा तैयार रिपोर्ट, एफएफसी रिपोर्ट और आधिकारिक जांच रिपोर्ट में नियुक्तियों में अनियमिततायें मानी गई है। अधिकारियों ने पद का दुरुपयोग करते हुए निजी लाभ के लिए अनुचित रूप से निर्णय लिए। भर्ती की लिखित परीक्षा प्रक्रिया में नियमानुसार प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इस पूरे मामले में धोखाधड़ी एवं अनुचित लाभ की आशंका है, जिसमें सार्वजनिक हित प्रभावित हुआ है।

उन्होंने पुलिस को बताया कि उपरोक्त आरोपों को लेकर उनके पास कुछ प्राथमिक साक्ष्य एवं दस्तावेज भी उपलब्ध है, जो जांच के दौरान प्रस्तुत किए जा सकते हैं। ऐसे में मामले में धोखाधड़ी एवं अनुचित लाभ की आशंका जताते हुए जांच की मांग की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच उपनिरीक्षक महेंद्र कुमार को सौंपी गई है।

करवड़ थाने में दर्ज एफआईआर के बाद थानाधिकारी लेखराज सियाग ने बताया कि आईआईटी के कार्यवाहक कुलसचिव अंकित गुप्ता ने रिपोर्ट दी है और जो दस्तावेज दिए हैं उनकी जांच की जा रही है। साथ ही एफएसएल में भेजकर भी इसकी जांच करवाई जाएगी। जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में जांच एसआई महेंद्र कुमार की तरफ से की जा रही है।

पंजाब निर्मित अवैध शराब बरामद

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने रविवार को अवैध पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब के 54 कार्टन एवं अवैध शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन इनोवा क्रिस्टा कार को जब्त किया। जब्तशुदा अवैध शराब एवं वाहन की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रूपये आंकी गई है ।

जिला पुलिस अधीक्षक जालोर के निर्देशानुसार पुनमाराम सउनि मय जाब्ता द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना अनुसार रवाना होकर सरहद जाखल नर्मदा नहर के खाले के आगे नाकाबंदी कर वाहन इनोवा क्रिस्टा कार को रूकवाने हेतु ईशारा किया गया। वाहन चालक वाहन को भगाकर आगे जुताई किये हुए खेत मे रात्रि होने से अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन को छोड़कर भाग गया।

कार की तलाशी ली गई तो उसमें पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब के 54 कार्टन भरे हुए पाये जाने पर उक्त शराब व वाहन को जब्त कर अज्ञात मुलजिम के विरूद्ध मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है।

पड़ौसी युवकों ने नाबालिग से घर से जेवर पार कराये

अजमेर, (कासं)। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र के कोटड़ा इलाके में नाबालिग ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर घर की अलमारी से 9 लाख रुपये कीमत के सोने-चाँदी के जेवरात चुरा लिए। पिता की शिकायत पर पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक पीड़ित पिता विनोद ने घर पर रखी अलमारी जब खोली तो उसमें से सोने- चांदी के आभूषण गायब मिले। इस पर घर के सदस्यों से पूछताछ की गई तो नाबालिग बेटे ने चोरी करना कबूल कर लिया। पीड़ित ने बताया कि पड़ौस में रहने वाले मनीष उर्फ मोनू और सागर ने उसके नाबालिग बेटे को डरा-धमकाकर कर अलमारी से जेवरात निकाल लिए और फिर उसे सुनार को बेच दिया। पीड़ित ने घटना के सात दिन बाद हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई। थानाधिकारी ने बताया कि चोरी हुए आभूषणों की अनुमानित कीमत नौ लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नाबालिग और उसके साथी पहले से ही सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम देने की योजना बना चुके थे। वारदात के तुरंत बाद आभूषण सुनार को बेच दिए। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मकान में चोरी

उदयपुर, (निसं)। डबोक थाना क्षेत्र में खिडकी की ग्रील तोड़कर मकान में घुस कर चोर जेवरात चुरा ले गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार चार जुलाई रात में प्रेमराज उर्फ प्रेमा पुत्र नाथू डांगी निवासी काटका कुआ महाराज की खेड़ी के मकान के पिछवाड़े में खिडकी की ग्रील तोड़ कर अज्ञात चोर सोने का नैकलेस, चेन, अंगूठी, चांदी का कंदोरा चुरा ले गए। दूसरे दिन इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। वारदात के दिन पीड़ित व उसकी पत्नी मकान के आंगन में सोए थे एवं पुत्र अपने परिवार सहित वल्लभनगर करणपुर पीहर गए थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

विदेश भेजने के नाम पर आठ लाख की ठगी, मामला दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। न्यूजीलैंड में वर्क वीजा पर भेजने के नाम पर लाखों रुपए ठगने का मामला सामने आया है। चूनावढ़ पुलिस ने पीड़ित के परिवाद पर दो युवकों पर मुकदमा दर्ज किया है।

जांच अधिकारी ने बताया कि गांव नेतेवाला निवासी अर्जुन कुमार मेघवाल ने परिवाद में बताया है कि वह साल 2024 में स्टेनफोर्ड पीटीई सैंटर से आईलेट्स की तैयारी कर विदेश में पढ़ाई करने जाने वाला था। इसी दौरान परिवादी के साथ पढ़ाई कर रहे रविंद्र उर्फ रमन से मुलाकात हुई। उसने खाजूवाला निवासी राजेश गोरा पुत्र मोहनलाल जाट के बारे में बताया कि राजेश लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। इस दौरान उसने किसी जैशन नाम के व्यक्ति से बात करवाई तो उसने बताया कि ऑकलैंड में अंगूर के खेत हैं। वहां पर वह उसे काम दिला देगा। राजेश जाट और जैशन ने न्यूजीलैंड की फाइल लगवाने के बदले में लगभग 10 लाख रुपए खर्चा होने की बात कही। इनकी बातों पर विश्वास होने पर उसने अलग-अलग समय में 8.6 लाख रुपए आरोपितों के खाते में डाल दिए। इतने रुपए मिलने के बावजूद भी पांच लाख रुपए और मांगे। इस पर परिवादी ने कहा कि वह अब तक 8 लाख 6 हजार रुपए दे चुका है। यह सुनकर आरोपी राजेश गुस्सा हो गया। परिवादी ने उसके व्यवहार को देखते हुए अपने दिए हुए रुपए वापस मांगे तो आरोपी ने रुपए लौटाने से साफ इनकार कर दिया।

बाइक के बैग से नकदी चोरी

उदयपुर, (निसं)। खेरवाड़ा बस स्टैण्ड पर खड़ी बाइक से अज्ञात चोर नकदी चुरा ले गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित पोगरा कला निवासी लक्ष्मणलाल बाइक पर 27 जून को खेरवाड़ा एसबीआई बैंक से नकदी लेकर बस स्टैण्ड पर की तरफ गया था, जहां बाइक खड़ी कर खरीददारी करने लगा। इस दौरान मौका देखकर अज्ञात चोर बाइक के बैग में रखे 90 हजार रूपये नकदी चुरा ले गया। इसका पता चलने पर तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

प्रो. सांवरलाल जाट ने हमेशा किसानों के लिये संघर्ष किया : राजे

अंराई, (निसं)। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि मौसम और इंसान कब बदल जाए, कोई भरोसा नहीं। आजकल राजनीति में लोग नई दुनिया बसा लेते हैं, एक चेहरे पे कई चेहरे लगा लेते हैं, पर प्रो. सांवरलाल जाट ऐसे नहीं थे। वे मरते दम तक मेरे साथ थे। उन्होंने कहा कि भैरों सिंह शेखावत, प्रो. सांवरलाल जाट और डॉ. दिगंबर सिंह के चले जाने से नुकसान हुआ। आज वे होते तो राजस्थान की राजनीतिक हालत कुछ और ही होते। प्रो. सांवरलाल जाट ने हमेशा किसानों के लिए संघर्ष किया था। वसुंधरा राजे अजमेर जिले के सिरोंज गांव में पूर्व मंत्री प्रो.जाट की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी।

- अजमेर जिले के सिरोंज गांव में प्रो. सांवरलाल जाट की मूर्ति का अनावरण किया

जनसभा को पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि उनकी तरह प्रो. जाट भी राजनीति में पूर्व उपराष्ट्रपति स्वर्गीय भैरों सिंह शेखावत की स्कूल के छात्र थे। उनकी अजमेर लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं थी, पर अनुशासित होने के कारण लड़े और जीते। राजे ने कहा कि उन्होंने 2018 में जब किसानों का 50 हजार तक का कर्जा माफ किया, तब सांवरलाल जाट होते तो बहुत खुश होते। अजमेर में बीसलपुर का पानी उन्होंने ही पहुंचाया। उनके निधन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा और राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति बताया था। उनके पुत्र विधायक रामस्वरूप लांबा उनकी सोच को आगे बढ़ा रहें हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों ने हमेशा मुझे पद पर रहते हुए भी और पद पर न रहते हुए भी बहुत प्यार दिया।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रो सांवरलाल जाट किसानों के मसीहा थे, साथ ही उन्होंने सरकार में रहते हुए किसान आम गरीब की आवाज को लोकसभा और विधानसभा में पहुंचाई। इससे पूर्व प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के अंराई पहुंचने पर रीकों के सामने केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने चुनरी ओढाकर स्वागत किया।

इस दौरान कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भगीरथ चौधरी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, विधायक रामस्वरूप लांबा, विकास चौधरी, भैराराम सियोल, शंकर सिंह रावत, यूनुस खान, प्रधान सीता पूनिया, प्रेम एम आर बेनीवाल, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व मंत्री राजपाल शेखावत, डेयरी चेयरमैन ओम पूनिया, सरपंच रामलाल मीणा आदि सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

दुकान से कपड़े चोरी, दो गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। सायरा थाना पुलिस ने शटर ऊंचा कर दुकान से कपड़े चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रकरण के अनुसार सात जून को पीड़ित सायरा थाना क्षैत्र बरवाड़ा निवासी अशोक गवारिया पुत्र मन्नाजी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। वरवाडा ढुण्डी रोड़ पर स्थित पदमनाथ वस्त्र भंडार नाम से मेरी कपड़ों की दुकान है, जिसका अज्ञात चोर शटर ऊंचा कर कपड़े चुरा ले गए। प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालस्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में एएसआई राजेन्द्रसिंह मय टीम ने मौके से एवं पीड़ित से की गई पूछताछ में मिले साक्ष्यों के आधार पर मोहन सिंह पुत्र विजयसिंह राजपूत , मनोहरसिंह पुत्र रूपसिंह को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी किया माल बरामद किया।

वहीं उदयपुर के एमबी चिकित्सालय में उपचारत अज्ञात वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिनों चांदपोल स्थित सुन्दरसिंह भंडारी चिकित्सालय में अज्ञात वृद्ध को उपचार के लिए भर्ती करवाया था, जिसकी तीन जुलाई को मौत हो गई। शिनाख्तगी नहीं होने पर अम्बामाता थाने के हेड कांस्टैबल रमाशंकर ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा वैकुंठ धाम सोसायटी की मदद से मृतक का अंतिम संस्कार करवाया।

रोडवेज बस में दो यात्रियों से 15 लाख की चांदी जब्त

टोंक, (निसं)। एसपी विकास सांगवान के निर्देशन में वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी के एवं मेहन्दवास थानाधिकारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में गठित थाना टीम ने नाकाबंदी में मुखबिर की सूचना पर एनएच-52 स्थित डारडा कट पर रोडवेज बस को रोककर तलाशी ली।

इस दौरान कैलाशचंद पुत्र दुर्गालाल खटीक निवासी खटीकों का मोहल्ला जहाजपुर जिला भीलवाड़ा के पास मिले बैग में एक चांदी की सिल्ली वजन 8.23 किलोग्राम एवं नाथू लाल पुत्र नन्दलाल दर्जी निवासी जहाजपुर के पास भी बैग में एक चांदी की सिल्ली जिसका वजन 7.252 किलोग्राम मिली, जिसको रखने व परिवहन के संबंध में बिल पेश नहीं करने पर उक्त चांदी को चोरी का माल या चोरी से खरीदा हुआ माल होने का अंदेशा होने पर उक्त चांदी को जप्त किया गया। दोनो चांदी की सिल्लियों का कुल वजन 15.275 किलोग्राम है, जब्त चांदी का बाजार कीमत 15 लाख बताई जा रही है। मामले में प्रकरण दर्ज कर अनुसधांन जारी है।

- परिवहन के संबंध में बिल पेश नहीं करने पर कार्रवाई की

पुलिस ने बस में यात्री से चांदी की सिल्ली जब्त की।

उएयपुर में मशीन खरीदने का झांसा देकर नकदी हड़पी : उदयपुर के पाटिया थाना पुलिस ने मशीन खरीदने का झांसा देकर पीड़ित से नकदी हड़पने वाले पिता-पुत्र के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित कोकिला देवी पत्नी मनोज कुमार निवासी कानपूर पाटिया ने आरोपी जागनगर कलावाणा गुजरात निवासी अश्विन भाई उर्फ मुकेश पुत्र कानजी भाई व पुत्र यश के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि अगस्त 2024 में बोरवेल मशीन खरीदने के लिए संपर्क किया तो आरोपियों ने 60 लाख में मशीन दिलाने की बात कहते हुए इसके लिए 8 लाख 50 हजार रूपये अग्रिम देने पर शेष नकदी का ऋण कराने का आश्वासन दिया।

इस पर आरोपियों को नकदी का अग्रिम भुगतान कर दिया। इसके बाद आज दिन तक न तो मशीन दिलाई न नकदी लौटाई। इस संबंध में संपर्क किया तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

रोड कट रिपेयर करने में धांधली, करोड़ों रुपए की बर्बादी

मामला महेश नगर 80 फीट रोड के रोड कट रिपेयर का है

- बारिश में कई जगह धंस गई सड़कें, ठेकेदारों को करोड़ों रुपए का फायदा और जेडीए को नुकसान

जयपुर। राजधानी में जयपुर विकास प्राधिकरण के इंजीनियर्स घटिया सड़क बनवा कर जेडीए की करोड़ों रुपए की बर्बादी कर रहे हैं। इस कारनामे से आमजन की जान पर भी खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि ना जाने बारिश में कब, कौनसी सड़क धंस जाए।

ताजा मामला जेडीए के जोन 5 के महेश नगर 80 फीट रोड के रोड कट रिपेयर और नवीनीकरण का है। यहां पर करोड़ों रुपए का काम दो-दो फर्मों ने किया था। इनमें एक कृतिका कंस्ट्रक्शन और दूसरी श्री कृष्णा इन्फ्रा है। इनके काम की क्वालिटी इस कदर घटिया है कि सड़क एक बरसात के बाद ही जगह जगह से बैठ गई। उसमें खड्डे हो गए और पानी भर गया। अब जीएसबी का मसाला भर कर अपनी गलती को छिपाया जा रहा है।

सूत्रों की माने तो महेशनगर 80 फीट रोड पर गत दिनों राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम ने भूमिगत केबल का काम किया था। इसके लिए पूरी सड़क की दो-दो मीटर खुदाई कर दी थी। रोड कट का पैसा भी प्रसारण निगम ने जमा करा दिया था। इसके बाद जेडीए ने रोड कट रिपेयर करने का टेंडर किया जो कृतिका कंस्ट्रक्शन और श्री कृष्णा इन्फ्रा के नाम पर खुला। उसके दस दिन में ही रोड के नवीनीकरण का टेंडर भी खोल दिया जो दीपक कंस्ट्रक्शन के नाम पर खुला। अब करोड़ों रुपए का एक ही काम दो-दो फर्म कर रही है। मौके पर हालात कुछ अलग ही कहानी कह रहे हैं।

मिट्टी पूरी नहीं, रोलर नहीं चला, सड़क पोली:- जिस फर्म ने ऱोड कट का काम किया उसने पहले गड्ढो को मिट्टी से भर दिया लेकिन उसमें पानी नहीं छोड़ा ढंग से रोलर नहीं चलाया जिससे मिट्टी बैठ नहीं पाई। इससे सड़क पोली रह गई बरसात का पानी जाने से यह जगह जगह से बैठ गई। कई जगह खड्डे हो गए जिन्हें अब जीएसबी से भरा जा रहा है।

इस तरह काम होना था:- कृतिका और श्री कृष्णा इन्फ्रा ने यहां काम किया। जीएसबी डब्लूएमएम डालनी थी जो पूरी नहीं डाली। यह डेढ फुट तक डालनी थी लेकिन पूरी तरह नहीं डाली। इसके बाद डब्लूएमएम को रोड से 90 एमएम नीचे रखना था।

पूर्व बनी हुई रोड से। वो काम भी नहीं किया। इसके बाद डीबीएम 50 एमएम डालनी थी जो नहीं डाली। डीबीएम में डामर भी मामूली सी थी। इसमें बिटुमिन कंक्रीट निर्धारित मात्रा में नहीं डाली।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए अकादमी का संभाला पदभार

जयपुर। राज्य सहकारिता विभाग द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन हेतु गठित आरसीए एडहॉक कमेटी ने आज सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी पहुंच विधिवत रूप से अपना कार्यभार संभाला। राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए एकेडमी थर्ड फ्लोर स्थित आरसीए ऑफिस में कमेटी सदस्यों धनञ्जय सिंह खींवसर , पिंकेश पोरवाल , आशीष तिवारी व मोहित यादव के साथ विधिवत रूप आरसीए एडहॉक कमेटी का पदभार संभाला। कुमावत ने आरसीए एडहॉक कमेटी के पदभार ग्रहण समारोह में मीडिया से बात करते हुए कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री ने आरसीए एडहॉक कमेटी को राज्य में क्रिकेट के विकास व संचालन की जो जिम्मेदारी दी है,उसे समस्त आरसीए पूर्ण लगन व निष्ठां से सफलतापूर्वक पूरा करेंगे।

वाहन अलग इंसान अलग। एक तरफ विकाश के साथ साथ लोगो की दो पहचान बन गई एक अमीर एक गरीब। अमीर अपनी हैसियत के आधार पर सुविधाओ का स्तेमाल करता है और अपने जीवन को खुशियों से भरता है दूसरी तरफ गरीब भी अपनी स्थिति के अनुसार सुविधाओं की व्यवस्था कर उनके जरिए अपने जीवन को आसान बनाने की कोशिश करता है। विद्याधर नगर में एक कीमती गाड़ी में सफर करता एक इंसान व उसके साथ ही दूसरा इंसान अपने परिवार के बच्चों को एक हाथ गाड़ी में खुशी खुशी सफर करते हुए।

महिला की चेन लूट भागे बाइक सवार बदमाश

जयपुर। विद्याधर नगर थाना इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने मॉर्निंग वॉक पर निकली एक बुजुर्ग महिला की चेन लूट ली। पुलिस जानकारी में सामने आया कि छीना-झपट्टी के दौरान झटका लगने से महिला रोड पर गिर गई। महिला हाथ में फ्रैक्चर और गले में चोट लगने से घायल हो गई। जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं पुलिस फुटेज के आधार पर बाइक सवार लुटेरों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि चेन स्नेचिंग की वारदात विद्याधर नगर के सेक्टर-7 निवासी अचला गुप्ता (70) के साथ हुई। जो सुबह मॉर्निंग वॉक पर घर से निकली थी। घर से कुछ दूरी पर पैदल घूमते जाते समय बाइक सवार दो बदमाश पीछे से आए। बदमाशों ने अचला के गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़ ली। छीना-झपट्टी के दौरान झटका लगने से अचला रोड पर गिर गई। जिसे देखते हुए बदमाश तेजी से बाइक लेकर फरार हो गए।

सुपुर्द ए खाक हुए ताजिये, कत्ल की रात को मनाया मातम

- मातमी धुनों के साथ यह ताजियों को गलियों और चौपड़ों में भ्रमण कराया गया
- 300 छोटे-बड़े ताजियों का जुलूस निकाले गए। इसमें सोने और चांदी से सुसज्जित ताजिये विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे

जयपुर। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम रविवार को पूरे राजस्थान में अकीदत और गमगीन माहौल के बीच मनाया गया।

राजधानी जयपुर में इस अवसर पर 300 छोटे-बड़े ताजियों का जुलूस निकाले गए। इसमें सोने और चांदी से सुसज्जित ताजिये विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे। इससे पहले शनिवार की रात कत्ल की रात के रूप में मनाई गई। विभिन्न इलाकों से ताजियों को बाहर लाया गया। ढोल-नगाड़ों और मातमी धुनों के साथ यह ताजियों को देर रात तक गलियों और चौपड़ों में भ्रमण कराया गया।

कत्ल की रात में मातम मनाया गया। रामगंज, भट्टा बस्ती, जालूपुरा, एमडी रोड, शास्त्री नगर, चार दरवाजा, ईदगाह रोड, संसार चंद्र रोड सहित अन्य इलाकों में ताजियों की रौनक देखते ही बन रही थी। इन ताजियों में विश्व प्रसिद्ध मस्जिदों और दरगाहों की कलाकृतियां दर्शाई गई। रविवार को यौमे आशुरा पर शहर के अलग-अलग मोहल्लो से करीब 300 छोटे-बड़े ताजियों का मातमी धुनों पर जुलूस निकला, जो कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक किए गए।

इसमें बगरू वालों का रास्ता, पन्नीगरान, हांडीपुरा, नीलगरान, चौकड़ी रामचंद्रजी, सीर की गरान, सीलावटान, नीलगरान नाहरगढ़, बड़वाली मस्जिद बाबू टीबा, यजदानी शास्त्रीनगर के ताजिए खास हैं।

ऐसे ही मोहल्ला तवायफान से 20 फीट ऊंचा ताजिया निकला। खास बात यह है कि यहां हर साल अभ्रक, मखमली कपडे, बांस और प्लास्टिक शीट से ही ताजिये बनाया गया। इस बार ज्यादातर ताजियों की ऊंचाई 15 फीट से अधिक रही।

बगरू वालों के रास्ते का 21 फीट ऊंचा ताजिया सबसे बड़ा रहा। कोविड के दौरान ऊंचाई कम की गई थी। जयपुर पुलिस ने इस धार्मिक अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। क्यूआरटी, ईआरटी, एसटीएफ, ट्रैफिक पुलिस, होमगार्ड सहित विशेष दस्तों को संवेदनशील इलाकों में लगाया गया।

शिविर आयोजित

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला जयपुर, युवा इकाई,राजस्थान एवं भारतीय जनता पार्टी जिला जयपुर इकाई के संयुक्त तत्वाधान में विशाल रक्तदान शिविर शनिवार को य, विद्याश्रम स्कूल के पास, दैनिक भास्कर कार्यालय के सामने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित किया गया।103 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। अध्यक्ष रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ओर सचिव संजय पाबूवाल ने बताया कि षिविर में मुख्य अतिथि भाजपा के जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल रहे।

बिहाणी ने व्यस्तता की वजह से दिया इस्तीफा : कुमावत

जयपुर। नई एडहॉक कमेटी के कन्वीनर कुमावत ने कहा कि मुझसे पहले एडहॉक कमेटी के कन्वीनर रहे जयदीप बिहाणी विधायक भी हैं। ऐसे में उन्होंने अपनी व्यस्तता के चलते कन्वीनर पद से इस्तीफा दिया था। आरसीए में किसी तरह के विवाद की स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे जयदीप बिहाणी और धनंजय सिंह ने एक दूसरे के लिए कहा था, अब तक इस बारे में नहीं पता है। अगर फिर भी पहले कोई विवाद था तो मुझे उसकी जानकारी नहीं है। लेकिन भविष्य में कोई विवाद नहीं होगा हम सभी मिलकर काम करेंगे।

इसके बाद रविवार दोपहर में एडहॉक कमेटी के सदस्यों ने बैठक कर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की पूर्व एडहॉक कमेटी द्वारा किए गए फैसलों को लेकर बैठक की। इसमें पूर्व कमेटी द्वारा गठित कमेटियों को रद्द करने का फैसला किया गया। कुमावत ने कहा कि भले ही सरकार ने हमें राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव कराने के लिए यह जिम्मेदारी दी है। लेकिन इस बीच क्रिकेट गतिविधियों का संचालन भी बेहद जरूरी है। इसलिए हम उनके संचालन के लिए भी काम करेंगे। रणजी मैच से लेकर अंडर - 23, 19 और 16 जैसे तमाम टूर्नामेंट का आयोजन बेहद जरूरी है। उनके लिए ग्राउंड से लेकर अन्य संचालन गतिविधियों के साथ ही जिला संघों के चुनाव जैसी तमाम प्रक्रिया को अब हम पांच एडहॉक कमेटी के सदस्य मिलकर ही चलाएंगे।

साइबर ठग अब कॉल फॉरवर्डिंग का इस्तेमाल कर लोगों कर रहे है ठगी

जयपुर। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने साइबर अपराधियों द्वारा अपनाई जा रही एक नई और खतरनाक साइबर ठगी की तकनीक के बारे में आम जनता को आगाह किया है। अपराधी अब ''कॉल फॉरवर्डिंग'' का इस्तेमाल कर लोगों को निशाना बना रहे हैं, जिससे उनके बैंक खाते और सोशल मीडिया तक पहुंच बना रहे हैं।

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि साइबर अपराधी लगातार अपनी रणनीति बदल रहे हैं, और इस बार उन्होंने सोशल इंजीनियरिंग का सहारा लिया है। वे सोशल मीडिया से आपकी निजी जानकारी जैसे जन्मदिन या एनिवर्सरी (शादी की सालगिरह) निकालकर आपको फोन या व्हाट्सएप कॉल करते हैं। वे अक्सर किसी सामान या पार्सल डिलीवरी का बहाना बनाते हैं और आपसे ओटीपी पूछने की कोशिश करते हैं।

कैसे करते हैं अपराधी यह धोखाधड़ी : धोखाधड़ी की इस कड़ी में साइबर ठग आपसे एक विशेष नंबर डायल करने के लिए कहते हैं। यह नंबर 21 से शुरू होता है और उसके बाद ठग द्वारा बताया गया नंबर होता है, और के साथ समाप्त होता है। जैसे ही आप यह नंबर डायल करते हैं, आपके मोबाइल की कॉल फॉरवर्डिंग सक्रिय हो जाती है। इसका मतलब है कि आपके सभी आने वाले कॉल साइबर अपराधी के नंबर पर फॉरवर्ड हो जाएंगे। इस चाल से अपराधियों को आपके कॉल और एसएमएस/ओटीपी तक पूरी पहुंच मिल जाती है। वे इसका उपयोग आपके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंचने के लिए करते हैं और फिर आपके परिचितों से किसी भी बहाने से पैसे की मांग करते हैं।

राजस्थान पुलिस ने इस नई साइबर अपराध तकनीक से बचाव के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं: अपने जीमेल और व्हाट्सएप में तुरंत टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन चालू करें। यह आपकी सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत है, अनजान नंबरों से आने वाली कॉल से बचें ।

दो लाख रुपये लूटने की झूठी सूचना देने वाला गिरफ्तार

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो लाख रुपये की लूट की झूठी सूचना देने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार शुदा आरोपित सट्टे में 1.60 लाख रुपए हारने पर लूट की झूठी कहानी रची थी। पुलिस कंट्रोल रुम को फोन कर लूट की सूचना दी कि दो गाड़ियों में आए बदमाश मारपीट कर दो लाख रुपए से भरा बैग छीन ले गए। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) राशि डोगरा डूडी ने बताया किजयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो लाख रूपये की लूट की झूठी सूचना देने के मामले में आरोपित सियाराम मीणा (32) निवासी लक्ष्मीनारायणपुरी दिल्ली बाईपास रोड गलता गेट को गिरफ्तार किया है। जिसने शनिवार शाम को पुलिस कंट्रोल रुम को सूचना दी कि दो गाड़ियों में आए बदमाशों ने उसकी बाइक का रुकवाकर मारपीट करते हुए दो लाख रुपए से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। इस पर मामला संदिग्ध मानते हुए सख्ती से पूछताछ करने पर सियाराम ने लूट की झूठी सूचना देना स्वीकार किया।

विद्यार्थियों का कराया विद्यारंभ संस्कार

जयपुर। शिक्षा के साथ विद्या का समन्वय स्थापित करने और भारतीय संस्कृति के मूल विद्यारंभ संस्कार को पुनर्स्थापित करने की दिशा में ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देवजी की ओर से रविवार रामगंज चौपड़ स्थित मुरली मनोहर जी मंदिर में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं विद्यारंभ संस्कार महोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के सह व्यवस्थापक मणि शंकर पाटीदार के निर्देशन में गायत्री कचोलिया, गायत्री तोमर एवं डॉ. अजय भारद्वाज ने वैदिक मंत्रों, प्रेरक गीतों और उद्बोधनों के साथ यज्ञ विधिपूर्वक सम्पन्न कराया। गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र के साथ देवशयनी एकादशी के अवसर पर विष्णु गायत्री महामंत्र से विशेष आहुतियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम की विशेष कड़ी के रूप में पहली बार विद्यालय जाने वाले बालकों के लिए नि:शुल्क विद्यारंभ संस्कार कराया गया। बच्चों ने मां सरस्वती का पूजन कर ''ॐ'' लेखन किया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। बच्चों को गायत्री मंत्र लेखन पुस्तिका निशुल्क दी गई। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी दीपक नंदी ने बच्चों को प्रेरणा दी पुस्तक भेंट कर ज्ञानप्रसाद स्वरूप शुभकामनाएं दीं। ज्यादातर पुस्तक के देश दुनिया के उन महापुरूषों पर आधारित थी जिन्होंने अपने व्यक्तित्व से कुछ कर दिखाया और दूसरों के लिए प्रेरक बने। सभी बच्चों को पाठ्य पुस्तकों के साथ-साथ इन पुस्तकों का अध्ययन करने का भी संकल्प कराया। यज्ञ से पूर्व ठाकुर श्री गोविंद देवजी, मुरली मनोहर जी, वेदमाता गायत्री एवं गुरु सत्ता का पूजन विधिपूर्वक किया गया। पंचकुंडी गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति के रूप में सभी लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में पंडित रमेश शर्मा ने यज्ञ समापन पर सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार प्रकट किया तथा घोषणा की कि प्रत्येक माह मंदिर में नियमित रूप से गायत्री महायज्ञ आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर गीता गायत्री मंदिर के पंडित राजकुमार चतुर्वेदी, महंत संजय गोस्वामी, मेहंदीपुर बालाजी मंदिर समिति के शिक्षा सचिव सुदीप तिवारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

एक हथियारबंद बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने वैशाली नगर थाना इलाके में ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए हथियारबंद एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक देसी कट्टा और दो कारतूस सहित एक चौपहिया वाहन(कार) भी बरामद की है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित लक्की रानोली सक्रिय गैंग का सदस्य है। जो व्यापारियों में हथियार से भय दिखा कर अवैध वसूली और लडाई-झगडा करता है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत सीएसटी ने वैशाली नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए आर्म्स एक्ट में आरोपित अरसलान शेख (28) निवासी भट्टा बस्ती जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा और दो कारतूस सहित एक चौपहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस आरोपित से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

'पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की तुलना में कई गुना हुआ काम'

जयपुर । राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार ने अपने 18 महीनों के कार्यकाल में विकास की रफ्तार को एक नया आयाम दिया है। चाहे बात किसान-कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं, सड़कों के निर्माण या फिर औद्योगिक विकास की हो, प्रत्येक मोर्चे पर सरकार ने कांग्रेस शासन की तुलना में ज्यादा तेज और असरदार काम करके दिखाया है। भजनलाल सरकार ने 34.76 लाख महिला किसानों को नि:शुल्क बीज वितरित किए, जो कांग्रेस सरकार के पहले 18 महीनों में महज 2.58 लाख थे। खेत, तालाब निर्माण में भी 30,464 यूनिट पूरे किए गए, जबकि कांग्रेस ने पूरे 5 साल में कुल 29,430 ही बनाए थे।

भाजपा सरकार ने डेढ़ साल में 11,743 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ी, जबकि पिछली सरकार पूरे 5 साल में 14,877 मेगावाट ही जोड़ पाई। कुसुम योजना सी कम्पोनेन्ट के तहत 2,091 एलओए जारी किए, जबकि कांग्रेस कार्यकाल में यह संख्या मात्र 57 थी।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में 26.92 लाख लोगों को कैशलेस इलाज की सुविधा दी गई, जबकि गहलोत सरकार के शुरुआती डेढ़ साल में केवल 10.60 लाख लाभार्थियों को कैशलेस इलाज की सेवा उपलब्ध करवाई गई। नए अस्पतालों और उप स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण में भी पिछली सरकार की तुलना में वर्तमान सरकार तेजी से काम कर रही हैं।

पीडब्ल्यूडी विभाग ने 12,336 किमी सड़कों का निर्माण करवाया, जबकि कांग्रेस ने इसी अवधि में 3,478 किमी ही सड़कों पर काम किया। वर्तमान सरकार ने सड़कों के निर्माण पर कुल 20 हजार 597 करोड़ रुपए व्यय किए, जबकि गत सरकार द्वारा इस अवधि में सड़कों पर समग्र व्यय मात्र 8 हजार 356 करोड़ रुपए ही किया।

मनरेगा में 4.43 लाख कार्य पूरे किए गए और 13,205 करोड़ रुपए का व्यय हुआ, जबकि गहलोत सरकार के शुरुआती 18 महीनों में यह खर्च 10,315 करोड़ रुपए रहा। भाजपा सरकार बनने के बाद पेपरलीक के मामलों में तेजी से कार्रवाई करते हुए 309 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया राज्य में 22 नए पुलिस थाने, 35 चौकियां सृजित की गई।

प्रदेश कांग्रेस के नए भवन का निर्माण शुरू, डेढ़ साल में तैयार होगा पांच मंजिला भवन

कांग्रेस पार्टी नेताओं की मौजूदगी में भवन की नींव रखी।

- सभी संगठन एक जगह से संचालित होंगे
- मानसरोवर स्थित शिप्रा पथ पर रविवार से पार्टी के नए भवन का निर्माण शुरू हुआ

जयपुर। डेढ़ साल बाद कांग्रेस को राजस्थान प्रदेश का नया कार्यालय मिल जाएगा। जयपुर के मानसरोवर स्थित शिप्रा पथ पर रविवार से पार्टी के नए भवन का निर्माण शुरू हो गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, उप नेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, मुख्य सचेतक रफीक खान, विधायक रोहित बोहरा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष बीडी कल्ला सहित पार्टी नेताओं की मौजूदगी में भवन की नींव रखी।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि आज कांग्रेस के लिए ऐतिहासिक दिन है। हमारी सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, यूडीएच मंत्री रहे शांति धारीवाल और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रयास से 6000 वर्ग मीटर जमीन अलॉट की गई थी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने यहां आकर शिलान्यास भी किया था, लेकिन उसके बाद विधानसभा और लोकसभा चुनाव के चलते समय नहीं मिल पाया।

अब काम शुरू हुआ है और इस पांच मंजिला इमारत में दो मंजिल बेसमेंट और तीन मंजिल बनेंगी। पार्टी के अग्रिम संगठन, विभाग व प्रकोष्ठों के ऑफिस इसी बिल्डिंग में रहेंगे, यानी पूरी कांग्रेस यहीं से चलेगी।

प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि चांदपोल में कांग्रेस का पुराना भवन काफी भीड़भाड़ वाले इलाके में है, जहां पार्किंग समस्या रहती है। ऐसे में अब सब कुछ यहीं से चलेगा। एक साल में भवन का स्ट्रक्चर खड़ा हो जाएगा। 4-5 माह फिनिशिंग में लगेंगे और लगभग डेढ़ साल के बाद भवन पूरी तरह तैयार हो जाएगा। भवन निर्माण का भुगतान ऑनलाइन किया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता, नेता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के खाते में ही पैसा देंगे और वहीं से पैसा कंस्ट्रक्शन पर खर्च होता रहेगा।

इसी के साथ डोटासरा ने यह भी कहा कि पार्टी चाहती है कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस के भवन बने। राजसमंद, श्रीगंगानगर में कांग्रेस के भवन का निर्माण शुरू हो चुका।

अध्यक्ष खड़गे ने साल 2025 को संगठन को समर्पित किया है, इसलिए संगठन की मजबूती के साथ कार्यकर्ताओं के बैठने के लिए भवन बने, इसी भी दिशा में हम काम कर रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि आज ऐतिहासिक दिन है। इस भवन निर्माण में एक-एक कार्यकर्ता का योगदान रहेगा। सामूहिक चंदे से भवन बनाएंगे। कांग्रेस जनता की पार्टी है, इसलिए यह ऑफिस जनता का भी रहेगा।

मादक पदार्थ की सप्लाई करने आया तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने सांगानेर थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 90 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त की है। पुलिस के अनुसार जब्त की गई स्मैक की अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत करीब 18 लाख रुपये आंकी है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित झालावाड़ से जयपुर में मादक पदार्थ की सप्लाई करने आया है। फिलहाल आरोपित तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने सांगानेर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले कमलेश तंवर (21) निवासी अकलेरा जिला झालावाड़ को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को तलाशी में उसके पास 90 ग्राम स्मैक मिली है कीमत करीब 18 लाख रुपए है। आरोपित अपने भाई रामविलास तंवर से इस स्मैक की सप्लाई लेकर सांगानेर सदर के वाटिका में पवन गुर्जर को स्मैक देने आया था।

'सस्टेनेबल और ईको-फ्रेंडली वेडिंग ट्रेंड्स बन रहे नई पीढ़ी की पसंद'

कॉन्क्लेव का विधिवत उद्घाटन होटल क्लार्क ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर, अपूर्व कुमार, फोरम के प्रेसिडेंट मोहित माहेश्वरी, इवेंट गुरु, ऋतुराज खन्ना ने किया।

जयपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव (आईडब्लूटीसी) 2025 का शानदार और भव्य शुभारंभ हुआ। फेडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स (फोरम) द्वारा होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित इस दो दिवसीय आयोजन में भारत और विदेशों से 500 से अधिक वेडिंग प्लानर, इवेंट एक्सपर्ट और हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल्स शामिल हुए हैं। कॉन्क्लेव का विधिवत उद्घाटन होटल क्लार्क ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर, अपूर्व कुमार, फोरम के प्रेसिडेंट मोहित माहेश्वरी, इवेंट गुरु, अरशद हुसैन और जाने-माने इवेंट एक्सपर्ट, ऋतुराज खन्ना द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में अरशद हुसैन ने कहा, ''राजस्थान की अर्थव्यवस्था में वेडिंग टूरिज्म की बड़ी भूमिका है। राजस्थान की जीडीपी में टूरिज्म, विशेषकर वेडिंग टूरिज्म, का लगभग 12 योगदान है। ऐसे में इस क्षेत्र को सस्टेनेबल और इनोवेटिव बनाना समय की माँग है। नई पीढ़ी अब पर्यावरण के अनुकूल शादियों को प्राथमिकता दे रही है, और यही ट्रेंड आने वाले वर्षों में इंडस्ट्री की दिशा तय करेगा।'' इस वर्ष आईडब्लूटीसी का मुख्य फोकस सस्टेनेबल और ईको-फ्रेंडली इवेंट्स पर है। विशेषज्ञों ने बताया कि ग्रीन वेडिंग, प्लास्टिक-फ्री डेकोर, रीयूजेबल मटीरियल्स, स्थानीय कारीगरों का सहयोग, और वेस्ट मैनेजमेंट जैसे उपाय अब शादियों में आम होते जा रहे हैं। कॉन्क्लेव ने यह भी दिखाया कि कैसे पर्यावरण के अनुकूल सोच न केवल ज़रूरी है, बल्कि इससे वेडिंग इंडस्ट्री को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान मिल सकती है।

छोटे शहरों और दूर-दराज़ स्थलों में शादियाँ पर एक विशष चर्चा करते हुए प्रेजिडेंट, तेलंगाना चैम्बर ऑफ़ इवेंट इंडस्टी, बलराम; प्रेसिडेंट, फोरम, मोहित माहेश्वरी; प्रेजिडेंट, वेस्टर्न महाराष्ट्र इवेंट फेडरेशन, श्यामा बसरानी; प्रेजिडेंट, सेंट्रल इंडिया इवेंट मैनेजर्स अस्सोसिएटिओ, मैनेजर्स असोसिएशनऑफ अजमेर के प्रेजिडेंट, अनिल भाटी ने कहा कि हाल के वर्षों में, कपल्स अब महानगरों से हटकर शांत, सांस्कृतिक और किफायती स्थानों को चुन रहे हैं।

ज्वैलरी लूट की वारदात का खुलासा, दस आरोपी गिरफ्तार, एक नाबालिग डिटेन

ज्वैलर्स कर्मी से चाकू की नोक पर 900 ग्राम सोने के गहने और स्कूटी लूटी थी

■ कोटा से लेकर जयपुर, चित्तौड़गढ़, मध्यप्रदेश के उज्जैन तक दबिश दी, 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली

कोटा, (निसं)। शहर में दिनदहाड़े हुई ज्वैलरी लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने महज 90 घंटे में खुलासा कर दिया है। इस वारदात ने शहर के व्यापारियों में खौफ फैला दिया था। अब पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है।

जानकारी के अनुसार दो जुलाई की शाम करीब छह बजे एक ज्वैलर्स कर्मचारी से चाकू की नोक पर करीब 900 ग्राम सोने के गहनों और ओला स्कूटी की लूट की गई थी। पीड़ित कर्मचारी महेन्द्र कुमार, स्वर्ण रजत मार्केट स्थित ज्वैलर्स से गहने लेकर इन्द्रा मार्केट आया था। वहां से दो डिब्बों में रखे गहनों को स्कूटी की डिग्गी में रखकर वापसी कर रहा था तभी पीछे से दो बाइकों पर आए पांच बदमाशों ने उसे रास्ते में रोक लिया। इस लूटकांड को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में विशेष टीमें गठित की गई।

कोटा शहर में हुई ज्वैलरी लूट की वारदात का खुलासा कर 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कैथूनीपोल, कुन्हाड़ी, अनन्तपुरा, कोतवाली थाना और सायबर सेल की टीमों ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। कोटा से लेकर जयपुर, चित्तौड़गढ़, मध्यप्रदेश के उज्जैन तक दबिश दी गई।

लूट के बाद आरोपियों ने अपने मोबाइल बंद कर लिए थे और अलग-अलग शहरों में जाकर छुप गए थे, लेकिन पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और खुफिया नेटवर्क की मदद से सभी को ट्रेस कर लिया। मुख्य आरोपी हर्षित सोनी पहले से ज्वैलरी बाजार से जुड़ा हुआ था। वहीं रैकी कर रहा था। उसके कहने पर आरोपी आकाश वैष्णव फर्जी ग्राहक बनकर आया और महेन्द्र को लूट के लिए टारगेट बनाया। हरिओम उर्फ नंदू शूटर, आकाश वैष्णव उर्फ साजन, हर्षित सोनी, राजन उर्फ साजन, विष्णु सिंह उर्फ डोगी, तरुण सिंह उर्फ संदीप, प्रदीप केवट, करण मुलानी, बनवारी लाल और शिवकुमार सोनी सहित एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है।

पूर्व सरपंच के बेटे ने थाने में राइफल से रील बनाई

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में पूर्व सरपंच के बेटे ने आचार संहिता में जमा करवाई राइफल के साथ पुलिस थाने में वीडियो बनाया। वीडियो में वह थाने से राइफल हाथ में लिए बाहर निकलता नजर आ रहा है। इसके बाद वह गाड़ी में बैठता है और वहां से निकल जाता है। वहीं दूसरे वीडियो में रुपए से भरा बैग दिखा रहा है। रुदावल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसएचओ बाल कृष्ण ने बताया कि वीडियो में नजर आ रहा युवक शिवा गुर्जर (28) निवासी नगला तुला है, वह ठेकेदार है। उसके पिता साहब सिंह ग्राम पंचायत डुमरिया से सरपंच रह चुके हैं। वीडियो की जांच करने पर सामने आया कि यह 2024 अप्रैल में थाना परिसर में बनाया गया है। हथियार लाइसेंसी है, जिसे उसने चुनाव की आचार संहिता के दौरान जमा करवाया था। इसके बाद जब हथियार वापस दिए गए तो उसने थाना परिसर में वीडियो बना लिया। पुलिस शिवा की तलाश कर रही है।

■ वीडियो की जांच करने पर सामने आया कि 2022 व 2024 में बनाया था

भरतपुर में पूर्व सरपंच के बेटे ने आचार संहिता में जमा करवाई राइफल के साथ पुलिस थाने में वीडियो बनाया।

रुपए से भरा बैग बहन की शादी का :- एसएचओ ने बताया कि दूसरा वीडियो 2022 का है। 2022 में शिवा की बहन की शादी थी।

इसके लिए बैंक से रुपए बैग में लेकर आए थे। ऐसे में, उसने रुपए के साथ यह वीडियो शूट कर लिए। एसएचओ ने कहा कि थाना परिसर के आसपास या थाने के अंदर इस तरह के वीडियो बनाना गलत है। शिवा की तलाश के लिए टीम रवाना कर दी गई है। उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दोनों वीडियो पोस्ट किए हैं। शिवा की मां पार्वती 9 नंबर वार्ड से जिला परिषद सदस्य है।

दो पिस्टल, 28 जिंदा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन व्रज के तहत कार्रवाई करते हुए 38 वर्षीय व्यक्ति को दो पिस्टल एवं 28 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी रोहित गोदारा व वीरेंद्र चारण गैंग का सक्रिय सदस्य बताया गया है।

एसपी जय यादव ने बताया कि अवैध हथियार, सक्रिय गैंग व संगठित

■ आरोपी रोहित गोदारा व वीरेंद्र चारण गैंग का सक्रिय सदस्य बताया गया है

अपराधों पर रोकथाम के लिए आईजी बीकानेर रेंज के निर्देश पर जिले में ऑपरेशन वज्र चलाया जा रहा है, जिसके तहत कार्रवाई की गई। मामले के अनुसार रतनगढ़ थाना के सब इंस्पेक्टर रतनलाल मय जाब्ता गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से एक

रतनगढ़ पुलिस ने हथियार सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

व्यक्ति के पास अवैध हथियार होने की सूचना मिली, जिस पर पुलिस लधासर-जालेऊ सड़क मार्ग पर पहुंची, तो एक व्यक्ति दिखाई दिया। जिसे रोककर पूछताछ की, तो उसने अपना नाम महिपालसिंह पुत्र बद्रीसिंह निवासी लधासर बताया, जो अपने खेत जा रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से दो पिस्टल व 28 जिंदा कारतूस बरामद हुए। हथियार के संबंध में जब लाइसेंस की जानकारी ली, तो वह नहीं होना बताया, जिस पर पुलिस ने महिपालसिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध हथियार जब्त कर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई जयप्रकाश कर रहे हैं। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

भारी बरसात से मादड़ी बांध में एक ही रात में 19 फीट पानी की आवक

उदयपुर शहर में साढ़े तीन इंच पानी बरसा, सीसारमा नदी में करीब 12 फीट का बहाव रहा

■ नदी का पानी सीसारमा गांव में स्थित वैजनाथ मंदिर के अंदर तक पहुंच गया और सीसारमा गांव के कई खेत भी तालाब बन गए

उदयपुर, (निसं)। बीती रात और रविवार तड़के उदयपुर शहर सहित जिले में तेज बारिश हुई। कैचमेंट में जोरदार बारिश होने से शनिवार देर रात सीसारमा नदी में करीब 12 फीट का बहाव रहा। इसके चलते पिछोला झील के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होकर इसका गेज रविवार दोपहर तक 11 फीट के मुकाबले करीब सवा नौ फीट हो गया है।

बड़ी तालाब को भरने वाली मोरवानिया नदी भी शनिवार देर रात उफान पर चली। राजसमंद जिले का बाघेरी का नाका छलक गया है इससे नदंसमंद में आवक होगी। आकोदड़ा बांध के जलस्तर में 8 फीट और मादडी बांध के जलस्तर में एक ही रात में करीब 19 फीट की बढ़ोतरी हुई है। शनिवार रात उदयपुर शहर सहित झीलों के कैचमेंट में तेज बारिश हुई। नाई क्षेत्र में तीन इंच बारिश हुई। शनिवार देर रात सीसारमा नदी में उफान आ गया। नदी का पानी सीसारमा गांव में स्थित वैजनाथ मंदिर के अंदर तक पहुंच गया और सीसारमा गांव के कई खेत भी तालाब बन गए।

इससे बीती रात सीसारमा नदी में करीब 12 फीट पानी का बहाव होने का अनुमान है। स्थानीय लोगों के अनुसार नदी का जलस्तर 12 फीट के करीब आने पर ही वैजनाथ मंदिर में पानी घुसने लगता है। हालांकि सुबह सात बजे सीसारमा नदी में पानी का बहाव कम होकर 6 फीट पर आ गया।

पिछोला झील का जलस्तर 11 फीट के मुकाबले करीब सवा नौ फीट हो चुका है। सीसारमा नदी से आवक ऐसे ही बनी रही तो पिछोला का जलस्तर साढ़े दस फीट के करीब पहुंचने के बाद कभी भी स्वरूपसागर लिंक नहर के गेट खोलकर फतहसागर में पानी डायवर्ट किया जा सकता है। फतहसागर का जलस्तर 13 फीट के मुकाबले करीब 6 फीट है। आकोदड़ा बांध का जलस्तर 60 फीट के मुकाबले करीब 40 फीट और मादडी बांध का 34 फीट के मुकाबले 28 फीट हो चुका है। देवास प्रथम का गेज 34 फीट के मुकाबले 17 फीट है।

मानसी वाकल बांध में अभी आवक शुरू नहीं हुई है। पिछले 24 घंटों में उदयपुर शहर में 87 मिलीमीटर यानी करीब साढ़े तीन इंच बारिश हुई। नाई 75, सेई डेम 85, उदयसागर 53, खेरवाडा 63, बड़गांव 42, देवास 32, झाड़ोल 26, ओगणा 30 और वल्लभनगर में 16 मिलीमीटर बारिश हुई।

शव मिला

खेतड़ी, (निसं)। पचेरीकलां थाना क्षेत्र में सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। दिल्ली-झुंझुनूं राष्ट्रीय राजमार्ग पर पचेरी खुर्द गांव के पास स्थित एक होटल के समीप एक अज्ञात युवक का नग्न अवस्था में शव मिला। शव की स्थिति देख ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थानाधिकारी राजपाल यादव मय जाब्ते के घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। शव पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे प्रथमदृष्टया यह एक हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि युवक की कहीं और हत्या कर शव को यहां लाकर सड़क किनारे फेंका गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। घटनास्थल से सबूत जुटाए जा रहे हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी तक पहुंचा जा सके। इलाके में अचानक हुई इस वारदात से सनसनी फैल गई है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से जांच में जुटी है और मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों को भी सूचना दे दी गई है। सड़क किनारे मिले शव की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है।

आम रास्ते पर जलभराव से परेशानी

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत बिहार के राजस्व ग्राम रतन नगर में कुंदनमल सैनी के घर से लेकर कैलाश सैनी के घर तक आम रास्ते पर लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। लगातार पानी भरने के कारण रास्ता कीचड़ में तब्दील हो चुका है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

■ स्कूल जाने वाले बच्चों को दो किमी लंबा चक्कर करना पड़ रहा है

ग्रामीणों के अनुसार इस रास्ते से स्कूल जाने वाले बच्चों और आंगनबाड़ी की महिलाओं को सबसे अधिक कठिनाई झेलनी पड़ रही है। कीचड़ और गंदगी के कारण बच्चों को स्कूल जाने के लिए दो किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाकर जाना पड़ता है,

ग्राम रतन नगर में आम रास्ते पर जलभराव की समस्या बनी हुई है।

जिससे समय और ऊर्जा दोनों की बर्बादी हो रही है। युवा नेता नरेन्द्र सैनी, बहादुर मल सैनी, रामजीलाल पंच और हजारीलाल सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार सरपंच को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

चार बदमाशों ने युवक से 45 हजार रुपए लूटे

■ रेस्टोरेंट से खाना खाकर लौट रहा था युवक

अजमेर, (कासं)। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र में चार बदमाशों ने एक युवक से डरा धमकाकर 45 हजार रुपए लूट लिए। पीड़ित नागौर निवासी भागूराम जाट की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक भागूराम ने अपनी पुत्री को डिलीवरी के लिए अजमेर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। चार जुलाई की रात वह खाना खाने के लिए पास के रेस्टोरेंट गया। खाना खाने के बाद जैसे ही वह अस्पताल लौटने के लिए निकला, चार बदमाशों ने रास्ता रोक लिया। पीड़ित ने बताया कि बदमाशों ने उसे घेर लिया और जान से मारने की धमकी देते हुए जेब में रखे 45 हजार रुपए जबरन छीन लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद चारों आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई। थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में सामने आया है कि बदमाश रेस्टोरेंट से ही पीड़ित का पीछा कर रहे थे और सुनसान जगह देख वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि चार अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

रानीवाड़ा की दो बेटियों ने सीए की डिग्री हासिल कर मान बढ़ाया

■ गांव की गलियों से उठकर सीए बनीं कोमल और हिमांशी

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। शहरों तक सीमित मानी जाने वाली चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) जैसी कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षा में अब गांव की बेटियों ने भी परचम लहराना शुरू कर दिया है। रानीवाड़ा कस्बे से श्रीमाली समाज की दो बेटियों कोमल और हिमांशी ने सीए की डिग्री हासिल कर एक नई मिसाल पेश की है। यह समाज की दो बेटियों द्वारा इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने का पहला वाकया है, जिसे ऐतिहासिक माना जा रहा है।

कोमल, स्वर्गीय रेवाशंकर श्रीमाली की एकलौती संतान हैं। जब वह बहुत छोटी थीं, तभी उनके सिर से पिता का साया उठ गया था। परिवार की आर्थिक हालत नाजुक थी, लेकिन मां विमलादेवी ने आंगनबाड़ी सहायिका की नौकरी कर बेटी की तालीम का बोझ उठाया। कमज़ोर हालात और तंग दायरे में भी कोमल ने कभी उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। कड़ी मेहनत और सब्र के साथ उन्होंने अहमदाबाद से सीए की पढ़ाई पूरी कर यह साबित किया कि हुनर शहरों की जागीर नहीं, हौसले वालों की विरासत है। हिमांशी पुत्री हितेशकुमार श्रीमाली की ज़िंदगी भी इम्तिहान से कम नहीं रही। दो वर्ष पूर्व उनकी मां का अचानक ब्रेन हैमरेज से स्वर्गवास हो गया। उस सदमे में पूरा परिवार टूट गया। मगर हिमांशी ने खुद को संभालते हुए, अपने ग़मों को ताक़त में बदला। उन्होंने मानसिक तनाव और डिप्रेशन के दौर में भी पढ़ाई जारी रखी और चार्टर्ड अकाउंटेंसी की दोनों अंतिम परीक्षाएं (ग्रुप ए और बी) एक साथ पास कर मिसाल पेश की।

ग्रामीण पृष्ठभूमि की इन बेटियों की यह कामयाबी केवल व्यक्तिगत नहीं है, बल्कि यह समाज के लिए भी एक बेहतरीन पैग़ाम है। आमतौर पर सीए को वैश्य समाज या शहरी तबक़े की राह माना जाता है, लेकिन अब यह सोच बदल रही है। कोमल और हिमांशी की यह सफलता एक मिशाल है। रानीवाड़ा की इन बेटियों ने सिर्फ डिग्री नहीं ली, बल्कि गांव की लड़कियों को ख्वाब देखने का हौसला दिया है। इनकी कामयाबी यह बताती है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो तक़दीर भी झुक जाती है।

रिटायर्ड बैंक मैनेजर के खाते से रुपए निकाले

ओटीपी बताया ही नहीं, तो भी हो गई ठगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। रिटायर्ड बैंक मैनेजर के खाते से रुपए निकालने का मामला सामने आया है। परिवादी रायसाहब ने बताया कि 14 मई को उनके फोन पर मैसेज के जरिए ओटीपी आया था। उन्होंने मैसेज खोले बिना ही डिलीट कर दिया। इसके बावजूद अकाउंट से राशि कट गई। पहले उन्होंने सोचा कि किसी ईएमआई की राशि जमा हुई होगी लेकिन एक के बाद एक मैसेज आते चले गए तो उन्होंने बैंक की समेजा कोठी ब्रांच को सूचित किया। बैंक कर्मियों ने तुरंत ही खातों से ट्रांजेक्शन रोकी लेकिन इस बीच चार बार में कुल 1,13,100 रुपए निकल गए।

रायसाहब स्वयं गंगानगर केंद्रीय सहकारी बैंक की समेजा कोठी ब्रांच से मैनेजर के पद से रिटायर हुए हैं। उन्होंने बताया कि किसी को ओटीपी न बताने के बावजूद अकाउंट से राशि निकल गई। ओटीपी शेयर न करने पर राशि निकलने की संभावनाः गर्ल्स कॉलेज की प्रिंसिपल और साइबर एक्सपर्ट मीनल कोचर के मुताबिक किसी से ओटीपी शेयर न करने पर भी खाते से राशि निकलने की आशंका होती है। इसके कई तरीके हो सकते हैं। पहला सिम स्वैपिंग है, जिसमें साइबर अपराधी टेलीकॉम कंपनी से डुप्लीकेट सिम हासिल कर लेते हैं। हालांकि यह बड़े आर्थिक अपराधों में इस्तेमाल होता है। दूसरी संभावना फोन में किसी वायरस या मॉलवेयर आने की है। यह कोई मोबाइल गेम खेलते समय या किसी एप को इंस्टॉल करते समय हो सकता है। साइबर अपराधी सार्वजनिक स्थल पर लगे चार्जर का इस्तेमाल भी फोन में मॉलवेयर इंस्टॉल करने के लिए करते हैं।

इसे जूस जैकिंग कहा जाता है और फोन चार्ज करते समय मॉलवेयर वाली एपीके फाइल इंस्टॉल हो जाती है। इन मॉलवेयर के मध्य से मोबाइल की स्क्रीन अपराधियों के साथ शेयर हो जाती है। वह तुरंत स्क्रीन से ओटीपी हासिल कर ट्रांजेक्शन कर लेते हैं। आजकल एपीके फाइल्स काफी कम मेमोरी लेती हैं और तुरंत इंस्टॉल होती है तो मोबाइल फोन के मालिक को पता ही नहीं चलता।

समेजा कोठी निवासी रायसाहब की ओर से श्रीगंगानगर एसपी को प्रार्थना-पत्र देने के बाद साइबर थाना में केस दर्ज किया गया है। परिवादी ने बताया कि उनके पीएनबी की समेजा कोठी व रायसिंहनगर स्थित शाखाओं में खाते हैं। 14 मई को अज्ञात व्यक्ति की ओर से उनके खाते से चार ट्रांजेक्शन के जरिए 44100, 29400, 10200 और 29400 रुपए निकाले गए। चारों ट्रांजेक्शन शाम 4:52 से 4:55 बजे के बीच हुई। परिवादी ने पुलिस को बताया कि घटना की सूचना उसी दिन पुलिस नियंत्रण कक्ष में शिकायत दर्ज करवाई गई। इस पर शिकायत दर्ज कर मामले को समेजा कोठी थाने में जांच के लिए भेजा गया। अब इस मामले की एफआईआर साइबर थाना में दर्ज की गई है। मामले की जांच इंस्पेक्टर रमेश कुमार करेंगे।

बरसात से ऊपरमाल क्षेत्र में खनन कार्य प्रभावित

■ बारिश से सेंडस्टोन की माइंसों में पानी भर गया है, जिससे माइंसों में खनन कार्य बंद हुआ

■ जो सेंडस्टोन विदेश में निर्यात होता है, उस कार्य में भी आंशिक असर देखने को मिलेगा

भीलवाड़ा, (निसं)। मानसून की मेहरबानी ने एक और जहां आमजन को राहत दी है तो वहीं दूसरी और ऊपरमाल क्षेत्र में खनन कार्य प्रभावित होने लगा है। ऊपरमाल खनन क्षेत्र में सेंडस्टोन पत्थर का खनन होता है। बारिश से सेंडस्टोन की माइंसों में पानी भर गया है, जिसके चलते सभी माइंसों में खनन कार्य बंद हो चुका है। इससे जो सेंडस्टोन विदेश में निर्यात होता है, उस कार्य में भी आंशिक असर देखने को मिलेगा।

सेंड स्टोन व्यवसायी कैलाश मीणा ने बताया कि जो पत्थर माइंस से निकल चुका है। वही माल अभी मार्केट में उपलब्ध रहेगा और तीन-चार महीने के लिए इसी माल पर निर्भर रहना पड़ेगा। इससे जो निर्यात कार्य है वह थोड़ा कम मात्रा में रहेगा। इससे मजदूर वर्ग पर भी खासा असर पड़ेगा। दीपावली के बाद जब माइंसों से पानी निकला जाएगा, उसके बाद कार्य वापस पटरी पर लौट आएगा, जो सेंड स्टोन वर्तमान में निर्यात हो रहा है। उसका राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा है इससे बड़ी मात्रा में हमें विदेशी मुद्रा प्राप्त हो रही है। राजस्थान सरकार को भी रेवेन्यू प्राप्त हो रहा है। पहले इस प्रकार का पत्थर काफी मात्रा में व्यर्थ जाता था अब उसको उपयोग में लाकर निर्यात किया जा रहा है। अभी ऊपर माल क्षेत्र से यूरोपीय देश जैसे इंग्लैंड, फ्रांस, बेल्जियम आदि देशों में निर्यात किया जाता है एवं अमेरिका के कनाडा में भी काफी मात्रा में यह पत्थर निर्यात किया जा रहा है।

भीलवाड़ा या बिजौलियां में अगर 1 कंटेनर डिपो सरकार की तरफ से बन जाए तो निर्यातकों को काफी राहत मिलेगी। इससे माल भाड़े की लागत में काफी कमी आएगी और कंटेनर डिपो निकट होने से किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत समाधान हो सकता है। अभी मुंद्रा पोर्ट गुजरात में यह कार्य होता है जिस समय और लागत का काफी नुकसान होता है।

ज्वैलरी बनाने के नाम पर सोना लेकर भागे बंगाली कारीगर गिरफ्तार

■ 80 तोला सोना, 9 किलो से ज्यादा चांदी और 28 लाख रुपए लेकर फरार हो गए थे

■ आरोपियों को कोर्ट में पेश कर एक सप्ताह का रिमांड लिया, पूछताछ जारी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर की सदर बाजार थाना पुलिस ने ज्वैलरी बनाने के नाम पर व्यापारियों से सोना लेकर भागे दो बंगाली कारीगरों को गिरफ्तार किया है। आरोपी व्यापारियों को विश्वास में लेकर सोना ले लेते थे। इनकी तलाश में पुलिस टीम दो बार पश्चिम बंगाल भी गई लेकिन गिरफ्त में नहीं आए थे। पांच जुलाई को आरोपियों के सरेंडर करने की सूचना पर पुलिस ने पकड़ा। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर एक सप्ताह का रिमांड लिया गया है। वहीं सोना-चांदी के आभूषण बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार सात अप्रैल को प्रार्थी प्रकाश सोनी सहित अन्य 13 व्यापारियों ने थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया था कि एन एस ज्वैलर्स घोड़े का चौक के मालिक शेख शमीम बादशाह और उसका जुड़वां भाई शेख नसीम बादशाह 2022 से गंगासदन घोड़े का चौक स्थित दुकान में सोने के आभूषण बनाने का काम करते थे।

वे करीब 80 तोला सोना, 9 किलो से ज्यादा चांदी और 28 लाख रुपए लेकर छह अप्रैल की रात फरार हो गए। इस पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस पर सदर बाजार थाना अधिकारी मानक राम के नेतृत्व में टीम ने आरोपी शेख समीम बादशाह और उसके भाई नसीम बादशाह पुत्र शेख अनवर हुसैन निवासी घोल ताजपुर पोस्ट रामपुर पुलिस थाना आरामबाग जिला हुगली पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार किया। आरोपी कम खर्चे पर काम करने का लालच देकर और विश्वास जीतकर दुकानदारों से सोना और चांदी लिए थे। इसके बाद ऑर्डर बनाने की बजाय माल लेकर फरार हो गए।

बनास नदी में डूबने से युवक की मौत

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र से गुजरी बनास नदी में नहाते समय डूबने से रविवार को एक युवक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार युवक अपनी मां और बहन के साथ गहलोत रपटे के पास बनास नदी में पिकनिक मनाने गया था, अचानक नहाते समय गहरे पानी में डूब गया। जब युवक सलमान उर्फ अब्दुल हकीम पुत्र रईश निवासी जखीरा चिल्लाया तो आसपास के लोग उसे बचाने पानी में कूदे, लेकिन तब तक वह डूब गया, जिसके बाद उसे मौजूद लोगों ने बाहर निकाला और बाइक से उसे सआदत अस्पताल टोंक भर्ती करवाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में पुलिस ने उसका पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ने रविवार को यहां महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व मुक्केबाजी कप – अस्ताना, कजाकिस्तान 2025 में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

24 वर्षीय साक्षी ने यूएसए की योसलाइन पेरेज के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

आकाश दीप

आकाश दीप की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन रविवार को भोजनकाल तक इंग्लैंड के 153 पर छह विकेट झटककर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। भारत को लंच से ठीक पहले वाशिंगटन सुंदर ने स्टोक्स का विकेट दिलाया, जो भारतीय टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इस सेशन की शुरुआत में पहले आकाश दीप ने कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए दो विकेट निकाले। लेकिन उसके बाद स्टोक्स और स्मिथ के बीच 70 रनों की अच्छी साझेदारी हुई लेकिन लंच से ठीक पहले स्टोक्स आउट हो गए।

क्या आप जानते हैं ?... पंजाब किंग्स को मुंबई से 33 में से 17 मैच में हार का सामना करना पड़ा है। 2022 से उसने 5 में से 3 मैच जीते हैं। क्वालिफायर-2 में मुंबई 2 मैच जीती है और 2 हारी है।

दिल्ली राज्य सब-जूनियर और जूनियर तैराकी चैंपियनशिप में बने दो मीट रिकॉर्ड

नयी दिल्ली, 6 जुलाई। 59वीं दिल्ली राज्य सब–जूनियर और जूनियर तैराकी चैंपियनशिप में दो रिकॉर्ड तरणताल में डूबे। रेहान सेजवाल और युवराज सिंह ने अपनी स्पर्धाओं में नए मीट रिकॉर्ड बनाए जबकि सेहर ने चौथा गोल्ड जीता। चैम्पियनिशप के दौरान दिल्ली स्विमिंग एसोसिशन को संभाल रही एडहॉक कमेटी के चेयरमैन स्वाड्रन लीडर (रिटा.) एसआर साहू ने बताया, उत्तर भारत में पहली बार टच बोर्ड का इस्तेमाल किया गया, जिसे टाइम ट्रैक स्पोर्ट्स इवेंट नियंत्रित कर रहा है। इससे सटीक परिणामों के चलते ज्यादा पारदर्शिता आएगी। रविवार को चैम्पियनशिप के तीसरे दिन हुई 200 मीटर बालिका अंडर–17 इंडिविजुअल मेडले स्पर्धा में प्रकृति दहिया ने 2:27.49 समय के साथ अब तक दो गोल्ड जीत चुकी खुशी भट्ट को पछाड़कर गोल्ड जीता। खुशी को रजत और वंशिका गुसाईं को कांसे से संतोष करना पड़ा। बालक वर्ग में अर्णव त्यागी (2:18.99) ने बाजी मारी जबकि ध्रुव सेजवाल ने रजत और वंश सुहाग ने कांस्य जीता। 200 मीटर बालिका अंडर–14 इंडिविजुअल मेडले स्पर्धा में सेहर पुरी (2:47.34) को गोल्ड, ऑसम को सिल्वर और अमर्या पटनी को ब्रॉन्ज मिला। बालक वर्ग में आरोन इमैनुअल (2:33.75) सबसे आगे रहे। विशु मौर्य दूसरे और रक्षित टोकस तीसरे स्थान पर रहे। सेहर ने 50 मीटर बटरफ्लाई का गोल्ड और 200 मीटर बैक स्ट्रोक का सिल्वर जीता। 400 मीटर बालक अंडर–17 फ्री–स्टाइल स्पर्धा में युवराज सिंह ने 4:18.16 समय निकालकर गोल्ड मेडल जीता। वंश सुहाग और तनुष झांजी ने क्रमश: रजत व कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा के अंडर–14 वर्ग का गोल्ड रक्षित टोकस (4:43.47) को गया। सूर्यामान महावाल को रजत और वीर राठी को कांसा मिला। 400 मीटर बालिका अंडर–17 फ्री–स्टाइल स्पर्धा का गोल्ड तितिक्षा रावत (4:47.57) की झोली में गिरा। प्रकृति दहिया और यजुशा दहिया क्रमश: रजत व कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं। इस स्पर्धा के अंडर–14 वर्ग में नूपुर पाठक (5:05.34) ने गोल्ड जीता। अमीरा सिंघल और याध्वी नेगी ने क्रमश: रजत व कांस्य पदक पाया।

विश्व मुक्केबाजी कप - साक्षी ने भारत के लिए जीता स्वर्ण पदक

अस्ताना, 6 जुलाई। दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ने रविवार को यहां महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व मुक्केबाजी कप – अस्ताना, कजाकिस्तान 2025 में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। 24 वर्षीय साक्षी ने यूएसए की योसलाइन पेरेज के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया और जजों से सर्वसम्मति से फैसला प्राप्त किया। यहां विश्व मुक्केबाजी कप में भारतीय दल का प्रदर्शन शानदार रहा और उसने कुल 11 पदक पक्के कर लिए हैं। भारत ने ब्राजील में पहले चरण में एक स्वर्ण और एक रजत सहित छह पदक जीते थे। रविवार को पहले सत्र में चार भारतीय मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया और साक्षी ही थीं जो गति और पंचों के संयोजन के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर शीर्ष पर रहीं। इससे पहले मीनाक्षी ने 48 किग्रा के फाइनल में स्थानीय पसंदीदा नाज़िम काइजेबे के खिलाफ़ जीत के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन 3:2 के फैसले से हार गईं। जुगनू (पुरुष 85 किग्रा) और पूजा रानी (महिला 80 किग्रा) भी अपने–अपने फाइनल में हारने के बाद रजत पदक के साथ घर लौटेंगे। जुगनू कजाकिस्तान के बेकजाद नूरदौलेटोव के खिलाफ़ 0:5 से हार गईं, जबकि पूजा ऑस्ट्रेलिया की एसेटा फ्लिंट के खिलाफ समान स्कोर लाइन से हार गईं।

50 हजार से अधिक लोगों ने साइकिल चला स्वास्थ्य बेहतर बनाने का लिया संकल्प

राजकोट/नयी दिल्ली, 06 जुलाई। देशभर में आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में 50 हजार से अधिक लोगों ने आज साइकिल चलाकर स्वास्थ्य बेहतर बनाने का संकल्प लिया। केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को गुजरात में राजकोट के धोराजी में आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम के दौरान कहा, साइकिल चलाना एक बेहतरीन व्यायाम है, इससे न केवल स्वास्थ्य अच्छा रहता है बल्कि यह जीवनशैली संबंधी बीमारियों की संभावना को कम करता है। यह प्रदूषण का समाधान और मोटापे से लड़ने का एक साधन भी है। मैं सभी से अनुरोध करूंगा कि वे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। आज, मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि भारत भर के स्थानीय समुदायों ने साइकिल चलाना एक फिटनेस गतिविधि के रूप में अपनाया है। नमो फिट इंडिया साइक्लिंग क्लब के तहत फिट इंडिया ऐप पर पंजीकृत देशभर के तीन हजार से अधिक क्लबों ने भी इस पहल में हिस्सा लिया। देश भर के छह हजार स्थानों पर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) की साझेदारी में आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 30वें संस्करण में 50 हजार से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य और मोटापे तथा प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई के लिए साइकिल चलाई। दिल्ली में यह कार्यक्रम मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में यूनाइटेड रेजिडेंट्स जॉइंट एक्शन ऑफ दिल्ली (ऊर्जा) के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागी अपने परिवार के साथ टेनिस, क्रिकेट, बैडमिंटन, शतरंज और कैरम खेलने वाले एथलीट हैं। राहगिरी फाउंडेशन की साझेदारी में आयोजित इस कार्यक्रम में जुम्बा, रस्सी कूद और योग जैसी गतिविधियों से माहौल और भी ऊर्जावान दिखा जिसने साइकिल चालकों के उत्साह को और बढ़ा दिया।

बर्मिंघम में इंडिया की 58 साल में पहली जीत

आकाशदीप ने 10 विकेट लिये जबकि गिल ने 430 रन बनाये

दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रन से हराया

बर्मिंघम, 6 जुलाई। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 336 रन से हरा दिया। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज 1–1 से बराबर हो गई है।

608 रन के टारगेट का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम मैच के आखिरी दिन 271 रन पर ऑलआउट हो गई। यह इंग्लैंड की धरती पर रन के लिहाज से भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 279 रन से जीत का था। भारत ने 1986 में लीड्स में अंग्रेजों को इस अंतर से हराया था। साथ ही भारत ने बर्मिंघम में 58 साल में पहली जीत हासिल की है। इससे पहले यहां खेले 8 टेस्ट में से 7 में भारत को हार मिली थी और 1 मुकाबला ड्रॉ हुआ था।

मैच के आखिरी दिन इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 72 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। बारिश के कारण मुकाबला करीब 90 मिनट की देरी से शुरू हुआ। लंच तक अंग्रेजों ने तीन विकेट और गंवा दिए। दूसरे सत्र में बाकी बचे चार विकेट गिरे। भारत के लिए आकाश दीप ने 6, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा और रवींद्र जडेजा ने एक–एक विकेट लिया। भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 587 रन बनाए थे। शुभमन गिल ने 269 रनों की पारी खेली। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 407 रन पर सिमट गई। भारत ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 427 रन के स्कोर पर घोषित कर दी। गिल फिर टॉप स्कोरर रहे और 161 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने इस मैच की दोनों पारियों में मिलाकर 430 रन बनाए, जबकि आकाश दीप ने 10 विकेट झटके।

संयुक्त विजेता टीम घोषित

जयपुर 6 जुलाई। सबा क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 8वी हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोंगिता के अनर्गत आज खेले गए फाइनल मैच में वर्षा के कारण मैच की दोनों पारियां पूरी ना हो पाने के कारण एमी क्रिकेट अकेडमी व कैंडलविक क्रिकेट अकेडमी की दोनों टीम को संयुक्त विजेता घोषित कर दिया ।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एमी अकेडमी ने नावेद खान 49 रन, आयुष आमेरिया54 रन , कार्तिक शर्मा 64 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 225 रन बनाये बोलिंग मे कैंडलविक अकेडमी की और से रौनक सैनी, मेहुल सिंह 2–2 विकेट तथा आयुष गुजर व आदित्य सराफ 1–1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे बेस्ट बेट्समेन आयुष आमेरिया, बेस्ट बॉलर रौनक सैनी, बेस्ट फिल्डर दक्ष कासलीवाल, उभरते खिलाडी का पुरस्कार मोहम्मद बिलाल को दिया। समरोह के मुख्य अतिथि विनोद माथुर पूर्व रणजी कप्तान, मोहम्मद इकबाल पूर्व उपाध्यक्ष आर सी ए, सुनील पारवानी उपाध्यक्ष जे डी सी ए, महेंद्र राजवी व मोहम्मद सलीम कॉमरेड ने इनाम बांटे।

कॉल्विन शील्ड की विजेता जयपुर टीम का सम्मान

जयपुर, 6 जुलाई। सयोजक डी डी कुमावत के अनुसार आज आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए अकादमी पर राज्य स्तरीय सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता कॉल्विन शील्ड की विजेता जयपुर टीम को विशेष रूप से आमंत्रित करते हुए उन्हें प्रतिष्ठित कॉल्विन शील्ड प्रदान करते हुए न केवल उनका सम्मान किया साथ ही टीम के खिलाडियों व जयपुर जिला एडहॉक कमेटी सदस्यों से मुलाकात की।आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्यों ने आरसीए कर्मचारियों से भी मुलाकात करते हुए उन्हें आरसीए के सभी लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

असम, जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़ ने हॉकी मैच जीते

रांची, 06 जुलाई। 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के चौथे दिन रविवार को असम, जम्मू–कश्मीर ने ग्रुप 'सी', छत्तीसगढ़, मणिपुर और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव हॉकी ने ग्रुप 'बी' में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने–अपने मुकाबले जीते।

आज यहां मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में असम हॉकी ने ग्रुप 'सी' में तेलंगाना को 6–2 से हराया। असम की ओर से रितिका तिग्गा ने (तीसरे, 14वें', 58वें), ज्योशना एक्का ने (नौवें, 52वें) मिनट और कप्तान रोशनी ब्रूह ने (54वें) मिनट में गोल दागे। तेलंगाना की ओर से जो अनु कुमारी ने (46वें) और ए वर्शिता ने (22वें) मिनट में गोल किये। दिन के दूसरे ग्रुप 'सी' मैच में गोवा की टीम वायदांडे भूमिका भीमा के (पांचवें) मिनट में शुरुआती गोल के बावजूद अपनी बढ़त को लंबे समय तक बनाए नहीं रख पाई और हॉकी जम्मू और कश्मीर से 1–4 से हार गई। जम्मू–कश्मीर के लिए अक्षरा दत्ता ने (9वें, 46वें) मिनट, कुमारी शिवानी ने (23वें) मिनट और मनीक्षा देवी ने (59वें) मिनट में गोल किये। इसी के साथ ग्रुप 'सी' के मुकाबले समाप्त हो गये। इस बीच ग्रुप 'बी' में पहले हाफ में गोल रहित रहने के बाद छत्तीसगढ़ के लिए दुबे रावत ने (36वें) मिनट में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। और इसके तुरंत बाद टीम की साथी श्यामली रे ने (43वें) मिनट में दूसरा गोल करके टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। तमिलनाडु ने अंतिम क्वार्टर में कप्तान जोविना डेफनी एमजे (59वें)मिनट किया गया गोल सांत्वना रहा। छत्तीसगढ़ ने मुकाबला 2–1 से जीत लिया।

पोशिका गुप्ता ने भारत को गौरवान्वित किया : एशियाई शूटिंग चैम्पियनशिप के लिए चयनित

जयपुर, 6 जुलाई। राजस्थान मूल निवासी निशानेबाज पोशिका गुप्ता को कजाकिस्तान में आयोजित एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। वह 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल जूनियर महिला वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। पोशिका की इस उपलब्धि का श्रेय कोच योगेश यादव व पिता डॉ आलोक गुप्ता को दिया कोच योगेश यादव स्वयं विख्यात राष्ट्रीय निशानेबाज है उनके विशेष मार्गदर्शन में चार साल का समर्पित प्रशिक्षण और दृढ़ता शामिल है जो कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता का प्रमाण है। इनके अनुसार पोशिका खेल के साथ साथ पढ़ाई में भी अव्वल है । पोशिका इसी साल अगस्त में होने जा रही एशियन चैंपियनशिप में एशिया भर के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाजों के मध्य मुकाबला करते नजर आएगी।

जयदीप बिहाणी ने वर्तमान संयोजक दीनदयाल कुमावत के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी

सरकार आरसीए को अपने नियंत्रण में लेना चाहती है, लेकिन मैं कठपुतली नहीं बनूंगा : बिहाणी

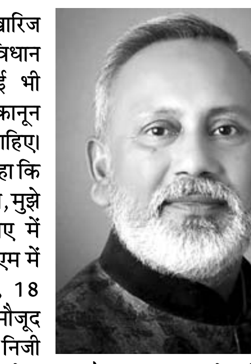

जयपुर । राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) में जारी नेतृत्व परिवर्तन और विवाद के बीच पूर्व कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने वर्तमान संयोजक दीनदयाल कुमावत के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में नई एडहॉक कमेटी ने कामकाज की कमान संभालते ही बड़ा फैसला लेते हुए पिछली आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी के सभी फैसलों को निरस्त कर दिया। नए संयोजक दीनदयाल कुमावत ने रविवार को आरसीए एकेडमी में पदभार ग्रहण किया और पहली ही बैठक में पुराने सभी बोर्डों, सब कमेटियों और बिना सामूहिक सहमति से की गई लोकपाल और एथिक्स अधिकारी की नियुक्तियों को रद्द करने की घोषणा की। बिहाणी ने कहा कि उन्होंने कभी इस्तीफा नहीं दिया, बल्कि उन्हें हटाया गया है क्योंकि वे "खेल मंत्री की कठपुतली" बनकर काम नहीं करना चाहते थे। मैंने पिछले सवा साल में अपनी व्यवस्तता के चलते एडहॉक कमेटी का काम किया है। बिहाणी ने आरसीए में हो रही राजनीति को लेकर कहा कि आरसीए एक स्वायत्त संस्था है, न कि किसी की निजी मिल्कियत। आज जो फैसले एडहॉक कमेटी ने रद्द किए हैं वे सभी निर्णय हमने आरसीए की एजीएम में लिए थे, जिन पर 18 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। ऐसे में किसी एकपक्षीय कमेटी द्वारा उन फैसलों को खारिज करना आरसीए के संविधान का उल्लंघन है।कोई भी निर्णय लेने से पहले कानून की किताब पढ़नी चाहिए। जयदीप बिहाणी ने कहा कि मैंने इस्तीफा नहीं दिया, मुझे हटाया गया। आरसीए में लिए गए निर्णय एजीएम में विधिवत पारित हुए, 18 सदस्यों के हस्ताक्षर मौजूद हैं।आरसीए किसी की निजी संस्था नहीं, संविधान से चलता है। एडहॉक कमेटी द्वारा फैसलों को रद्द करना नियमों के विपरीत है।

सरकार आरसीए को अपने नियंत्रण में लेना चाहती है, लेकिन मैं कठपुतली नहीं बनूंगा। फैसलों की निरस्तीकरण के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की चेतावनी दी है। जयदीप बिहाणी, पूर्व संयोजक एडहोक कमेटी ने कहा कि राजस्थान क्रिकेट संघ की साधारण सभा द्वारा लिए गये निर्णय को एडहोक कमेटी के दोबारा नहीं बदला जा सकता। राजस्थान खेल अधिनियम 2005 राजस्थान क्रिकेट संघ के संविधान के विरुद्ध कार्य किया जा रहा है। राजस्थान क्रिकेट संघ की साधारण सभा द्वारा ही लोकपाल वह सभी कमेटियों का नियुक्तियां की गई है। उनको भी साधारण सभा के बिना नहीं बदला जा सकता है कि इस तरह के निर्णय केवल साधारण सभा में ही लिए जा सकते जब एडहॉक कमेटी के द्वारा केवल दिन प्रतिदिन के कार्य ही किये जा सकते हैं। साधारण सभा जो किसी भी संस्था के सर्वोच्य सभा है, उसके द्वारा लिए गये निर्णय अतिंम व मान्य है। आज एडहॉक कमेटी के द्वारा जो निर्णय लिए गये हैं हास्यपद हैं। मेरे समय में एडहोक कमेटी के सदस्यों द्वारा लिखित में कहा गया कि केवल एडहॉक कमेटी का काम चुनाव करवाना है तो आज ये निर्णय किस के इशारे पर और किन को बचाने के लिए किये जा रहे हैं?

जिन पाली और बीकानेर के पूर्व पदाधिकारी कांग्रेसियों को बचाने के लिए यह कृत्य एडहॉक कमेटी से कौन करवा रहा है और किस के इशारे पर हो रहा है और मैं इन भृष्ट कांग्रेसी जिला संघों के विरूद्ध लडाई अंतिम निर्णय तक लड़ेंगे। मेरी एडहॉक कमेटी में जो सदस्य थे उनके द्वारा राजस्थान किकेट संघ के चुनाव का निर्णय ही नहीं होने दिया। ये सब किस के इशारे पर और ऐसा क्यों किया गया? जबकि राजस्थान किकेट संघ का चुनाव करवाना सभी जिला संघों का मौलिक अधिकार है। उन अधिकारों से वंचित कौन करना चाहता है और इस संस्था पर अपना वर्चस्व कौन रखना चाहता है जबकि सभी के द्वारा समय–समय पर यह कहा जाता है कि चुनाव करवाना ही एडहॉक कमेटी का कार्य है।

भ्रष्टाचार की जांच की बात आती है तो आईपीएल दो बार हुई है उनकी समस्त भ्रष्टाचार की जांच सरकारी ऐजेन्सी से करवायी जानी चाहिए। राजस्थान क्रिकेट संघ का कार्यालय सवाईमान सिंह स्टेडियम में संघ का कार्यालय पिछली एडहॉक कमेटी के बार–बार निवेदन के बाद भी ताले नहीं खोले गये और अब अचानक ताले खोलना किस की राजनीति को इंगित करता है? उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर उनके कार्यकाल में लिए गए वैध निर्णयों को निरस्त करने का प्रयास किया गया तो वे इसके खिलाफ हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। जयदीप बिहाणी ने नई एडहॉक कमेटी पर आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा कमेटी सरकार के इशारों पर काम कर रही है और आरसीए को राजनीति का अड्डा बनाया जा रहा है। बिहाणी के इस बयान के बाद आरसीए की नई कमेटी और पूर्व नेतृत्व के बीच तनातनी और भी तेज हो गई है। आरसीए की आंतरिक राजनीति का क्या अंजाम होगा?

जूनियर नेशनल में राजस्थान वुशु टीम ने ओवरआल वर्चुअल तृतीय स्थान की ट्रॉफी हासिल की

जयपुर, 6 जुलाई। भारतीय वुशू संघ की आनोडिया में दिनांक 1 से 6 जुलाई 2025 तक गाचीबौली स्टेडियम, हैदराबाद में 24वीं जूनियर नेशनल (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता का आयोजन राजस्थान में हुआ, वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 20 पदक जीते। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण, 9 रजत और 4 रजत कुल 20 पदको के साथ ओवरऑल टीम चैंपियनशिप में तीसरे स्थान की ट्रॉफी पर कब्ज़ा किया।

राजस्थान वुशु संघ की सचिव ममता वर्मा ने बताया कि शांशु वर्ग टीम चैंपियनशिप में 02 गोल्डन, 02 सिल्वर और 01 कांस्य पदक के साथ राजस्थान वुशू संघ की ट्राफी, शानशु वर्ग वर्ग टीम चैंपियनशिप में 02 गोल्डन, 04 रजत और 01 रजत पदक के साथ 01 रजत पदक के साथ 01 रजत पदक के साथ 01 रजत पदक शामिल हैं। राष्ट्रपति के अनुसार पदक विजेता खिलाड़ियों का विवरण इस प्रकार है–

गोल्डन मेडल विजेता:– आशु 48 किलोमीटर, तुषार जाट 80 किलोमीटर, प्रियांशी गौतम 56 किलोमीटर, शगुन सिंह 65 राइडर्स, रिद्धि पारीक ताइचीशान, प्लायाबा ट्रेडिशनल नानकवान व (रोनित पारीक, हितार्थ गोरवाल, नितेश पेजपत)– ड्यूल इवेंट

रजत पदक विजेता:– इशिता चौधरी 48 किलोमीटर, हिमानी 52 किलोमीटर, रिया मिश्रा 70 किलोमीटर, ईशान शर्मा 75 जीप, रुद्राक्ष अमेरिका 60 सवारी, सुनील चौधरी 65 सवारी, नितेश, पेजपत दाऊशू, प्रिंस चौहान ट्रेडिशनल ताईची, रेनुका शर्मा विंगचुग

कांस्य पदक विजेता:– दिव्य गोदारा 60 मंजिल, केशव टेलर 85 शोरूम, मोहम्मद माहिर, ताईचीशान, मयंक वर्मा ट्रेडिशनल नानचुआन

कोच:–देवराज सिंह, मैनेजर:– निकली चौधरी

प्रतियोगिता के सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को विनोद सिंह शेखावत, मुख्य संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजाराम मील, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजकुमार शर्मा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, भगवान सहायता जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, के। सी. घुमरिया, साइबेरिया, राजस्थान वुशू संघ, हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ, विजय सिंह शेखावत, वजीर, राजस्थान वुशू संघ, राजेश कुमार टेलर, वुशू कोच और सभी समर्थकों ने बधाई दी।

'जयदीप बिहाणी ने व्यस्तता की वजह से दिया इस्तीफा'

जयपुर, 6 जुलाई। नई एडहॉक कमेटी के कन्वीनर कुमावत ने कहा कि मुझसे पहले एडहॉक कमेटी के कन्वीनर रहे जयदीप बिहाणी विधायक भी हैं। ऐसे में उन्होंने अपनी व्यस्तता के चलते कन्वीनर पद से इस्तीफा दिया था। आरसीए में किसी तरह के विवाद की स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे जयदीप बिहाणी और धनंजय सिंह ने एक दूसरे के लिए कहा था, अब तक इस बारे में नहीं पता है। अगर फिर भी पहले कोई विवाद था तो मुझे उसकी जानकारी नहीं है। लेकिन भविष्य में कोई विवाद नहीं होगा हम सभी मिलकर काम करेंगे।

इसके बाद रविवार दोपहर में एडहॉक कमेटी के सदस्यों ने बैठक कर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की पूर्व एडहॉक कमेटी द्वारा किए गए फैसलों को लेकर बैठक की। इसमें पूर्व कमेटी द्वारा गठित कमेटियों को रद्द करने का फैसला किया गया।

कुमावत ने कहा कि भले ही सरकार ने हमें राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव कराने के लिए यह जिम्मेदारी दी है। लेकिन इस बीच क्रिकेट गतिविधियों का संचालन भी बेहद जरूरी है। इसलिए हम उनके संचालन के लिए भी काम करेंगे। रणजी मैच से लेकर अंडर – 23, 19 और 16 जैसे तमाम टूर्नामेंट का आयोजन बेहद जरूरी है। उनके लिए ग्राउंड से लेकर अन्य संचालन गतिविधियों के साथ ही जिला संघों के चुनाव जैसी तमाम प्रक्रिया को अब हम पांच एडहॉक कमेटी के सदस्य मिलकर ही चलाएंगे। उन्होंने कहा कि हम सबसे पहले जिन – जिन जिला संघों के चुनाव लंबित चल रहे हैं। उनकी जानकारी जुटाएंगे। जहां कोर्ट में मामला विचाराधीन है, उसे भी समझेंगे। उसके बाद सभी जिलों में चुनाव की प्रक्रिया को संपन्न करने के साथ ही हम राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के लंबित चल रहे चुनाव की प्रक्रिया को शुरू करेंगे।

एडहॉक कमेटी के कन्वीनर दीनदयाल कुमावत ने कहा कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में अब सिर्फ क्रिकेट ही खेला जाएगा। किसी तरह का विवाद या राजनीति की स्थिति पैदा नहीं होने दी जाएगी। पहले जितने भी विवाद हुए थे सभी अब समाप्त हो चुके हैं। हमारा सारा फोकस सिर्फ क्रिकेट और खिलाड़ियों के विकास में है। इसके लिए हम कैलेंडर के अनुरूप ही क्रिकेट गतिविधियों का संचालन भी करेंगे।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए अकादमी पहुँच संभाला पदभार

राज्य की क्रिकेट को वापस पटरी पर लाएंगे : डी डी कुमावत

जयपुर, 6 जुलाई। राज्य सहकारिता विभाग द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन हेतु गठित आरसीए एडहॉक कमेटी ने आज सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी पहुंच विधिवत रूप से अपना कार्यभार संभाला।

राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने आज प्रात: 11.11 सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए एकेडमी थर्ड फ्लोर स्थित आरसीए ऑफिस में कमेटी सदस्यों धनञ्जय सिंह खींवसर , पिंकेश पोरवाल , आशीष तिवारी व मोहित यादव के साथ विधिवत रूप आरसीए एडहॉक कमेटी का पदभार संभाला।

संयोजक डी डी कुमावत ने आरसीए एडहॉक कमेटी के पदभार ग्रहण समारोह में मीडिया से बात करते हुए कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, ने आरसीए एडहॉक कमेटी को राज्य में क्रिकेट के विकास व संचालन की जो जिम्मेदारी दी है उसे समस्त आरसीए पूर्ण लगन व निष्ठां से सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। साथ ही उन्होंने खेल मंत्री कर्नल राजवर्धन सिंह राठौड़, सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक का भी विशेष आभार व्यक्त किया।

पदभार ग्रहण करने के बाद नव गठित आरसीए एडहॉक कमेटी की पहली मीटिंग में सभी सदस्यों ने आरसीए के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र सहित राजस्थान क्रिकेट संघ से जुड़े विभिन्न कार्यों व आरसीए के दैनिक कार्यों के संचालन के सम्बन्ध में गहन चर्चा करते सर्वसम्मति से विभिन्न फैसले किये आरसीए की सभी पूर्व कमेटियों , सब कमेटियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया। पूर्व आरसीए संयोजक द्वारा बिना आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्यों की सहमित से नियुक्त किये गए लोकपाल व एथिक्स अधिकारी की नियुक्ति को रद्द किया गया। आरसीए की खेल गतिविधियों व अन्य कार्यों को सुचारु रूप से वापस पटरी पर लाने हेतु आवश्यक प्रयास किये जायेंगे। आरसीए के वित्तीय कामकाज की समीक्षा की जाएगी।

'रॉयल्टी वसूली सख्ती से हो, अवैध खनन को रोकें'

मुख्यमंत्री भजन लाल ने रविवार को खनन विभाग की समीक्षा बैठक ली

- उन्होंने कहा कि नवीन सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का समावेश कर विभाग अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम करे। सी सी टी वी कैमरे, ड्रोन सर्वे व मालवाहक वाहनों की सख्त चैकिंग सुनिश्चित करें।
- मुख्यमंत्री ने ओडिशा सहित अन्य राज्यों में खनन क्षेत्र में क्रियान्वित श्रेष्ठ कार्य प्रणालियों को राजस्थान में लागू करने की संभावनाएं तलाशने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर खनन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने खनन विभाग को नये खनन क्षेत्रों की खोज में तेजी लाने तथा नीलामी प्रक्रिया को और गति देने के निर्देश दिए।

जयपुर, 6 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनिज सम्पदा का समुचित दोहन करते हुए राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी वसूली के प्रकरणों में सख्ती से नियमानुसार कार्यवाही की जाए। साथ ही, खनन अधिनियमों और नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम की जाए।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर खनन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा यहां खनन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने खनन विभाग को नये खनन क्षेत्रों की खोज में तेजी लाने तथा नीलामी प्रक्रिया को और गति देने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि नीलाम किए गए ब्लॉक्स में खनन कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के राजस्व में खनन की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में खनन विभाग समयबद्ध रूप से तय राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करे। इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शर्मा ने कहा कि नवीन सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का समावेश करते हुए विभाग अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम करे।

उन्होंने सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन सर्वे और मालवाहक गाड़ी की सख्त चेकिंग सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एम-सैंड पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण सामग्री का एक बेहतरीन विकल्प है। इसे व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए ताकि बजरी के दोहन में कमी आए। साथ ही, शर्मा ने क्रशर डस्ट के उपयोग को भी प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने नए ब्लॉक्स की नीलामी की संभावनाएं तलाशने, डीएमएफटी और एनएमईटी से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने ओडिशा सहित अन्य राज्यों में खनन क्षेत्र में क्रियान्वित श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का अवलोकन कर इन्हें राजस्थान में लागू करने की संभावना पर कार्य करने के लिए भी निर्देशित किया।

'हम हिंदी विरोधी नहीं, प्राथमिक शिक्षा में इसे थोपने के खिलाफ हैं'

- उद्धव ठाकरे गुट ने महाराष्ट्र में हिन्दी भाषा पर उठे विवाद पर अपना रुख स्पष्ट किया।

मुंबई, 6 जुलाई। महाराष्ट्र सरकार ने फैसला लिया था कि कक्षा 1 से 5 तक हिंदी तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी, लेकिन विरोध के बाद सरकार ने यह फैसला वापस ले लिया। इस जीत का जश्न मनाने के लिए शनिवार को उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे सालों बाद एक मंच पर आए। हालांकि, अगले ही दिन रविवार को उद्धव की शिवसेना ने साफ किया कि उनकी पार्टी हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं है। पार्टी के नेता संजय राउत ने कहा तमिलनाडु में जो हिंदी विरोध है, उसमें वे न हिंदी बोलते हैं और न दूसरों को बोलने देते हैं। लेकिन महाराष्ट्र में हमारा ऐसा कोई रुख नहीं है। हम हिंदी बोलते हैं, यहां हिंदी फिल्में, थिएटर और संगीत भी है। हमारी लड़ाई सिर्फ प्राथमिक शिक्षा में हिंदी थोपने के खिलाफ है।

राउत ने कहा कि डीएमके नेता एम.के. स्टालिन को उनके संघर्ष के लिए शुभकामनाएं, लेकिन हमारी सीमाएं स्पष्ट हैं। स्टालिन ने जवाब में कहा, हमारी हिंदी विरोधी लड़ाई महाराष्ट्र पहुंची

उद्धव और राज ठाकरे को एक साथ मंच पर देखकर स्टालिन ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि तमिलनाडु और डीएमके द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी लड़ी गई हिंदी विरोधी लड़ाई अब बाहर निकलकर महाराष्ट्र तक पहुंच गई है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में मुंबई में हुई विजय रैली का उत्साह और जोश हमें गर्व और उम्मीद से भर देता है। हालांकि उद्धव गुट ने स्टालिन के समर्थन को सराहा, लेकिन स्पष्ट किया कि वे हिंदी भाषा के विरोध में नहीं हैं, केवल शिक्षा में जबरन थोपने के खिलाफ हैं।

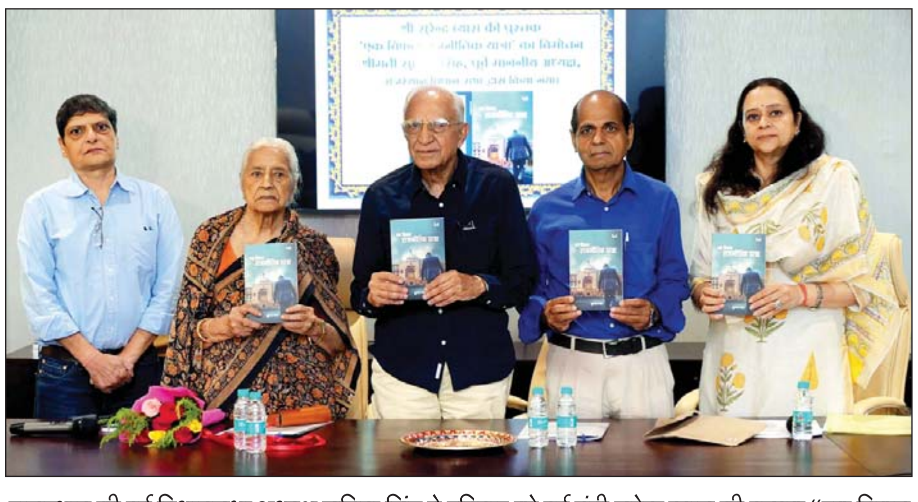
राजस्थान की पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने रविवार को पूर्व मंत्री सुरेन्द्र व्यास की पुस्तक ''एक विफल राजनीतिक यात्रा'' का विमोचन किया।

राजस्थान में मुख्यमंत्री व विपक्ष में सहयोग की परम्परा रही है - सुरेन्द्र व्यास

पूर्व स्पीकर सुमित्रा सिंह ने पूर्व मंत्री सुरेन्द्र व्यास की पुस्तक ''एक विफल राजनीतिक यात्रा'' का विमोचन किया

- सुमित्रा सिंह ने कहा कि व्यास ने विधानसभा में खूब मेहनत से ज्वलंत मुद्दे उठाये पर, विडम्बना यह रही है कि सुर्खियां तो खूब बटोरीं पर वांछित परिणाम तक नहीं पहुंच पाये।
- सुरेन्द्र व्यास ने भैरोंसिंह शेखावत के दामाद के मामले में उनके लिए संकट की स्थिति पैदा कर दी। जब व्यास विशेषाधिकार द्वारा महाभारत के अभिमन्यु की तरह पिट गये, तब भी उन्होंने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

जयपुर 6 जुलाई। राजस्थान के पूर्व मंत्री सुरेन्द्र व्यास की पुस्तक ''एक विफल राजनीतिक यात्रा'' का विमोचन रविवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने किया। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के चिन्तन कॉन्फ्रेंस हॉल में मुख्य अतिथि सुमित्रा सिंह ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि 4 बार मेरे साथ विधायक रहे व्यास ने विधानसभा में ज्वलंत मुद्दों को बड़ी शिद्दत के साथ उठाया और उन्हें परिणाम तक पहुँचाने के लिए खूब मेहनत की। कुछ मामलों को तो वे सुप्रीम कोर्ट तक ले गये लेकिन विडम्बना यह रही कि उन मामलों ने सुर्खियाँ तो खूब बटोरी लेकिन वांछित परिणाम तक नहीं पहुंच पाए। पुस्तक का शीर्षक ''एक विफल राजनीतिक यात्रा'' व्यास की इसी निराशा का परिणाम है जिसे इन्होंने भी स्वीकार किया है।

राजस्थान की महिलाओं में सर्वाधिक 9 बार विधायक रहीं 95 वर्षीय सुमित्रा सिंह ने कहा कि सुरेन्द्र व्यास सदन में बड़ी बेबाकी और तर्कों के साथ अपनी बात कहते थे जिसे बड़ी गम्भीरता से सुना जाता था। उन्होंने व्यास को पुस्तक के लिए बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि ये ऐसी पुस्तकें और लिखें जिनसे नये राजनीतिज्ञों को सीखने का मौका मिले।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान विधानसभा में सदन के बाहर राजनेताओं के आपसी सम्बन्ध आज के समान कटु नहीं बल्कि मधुर होते थे। व्यास ने नौवीं विधानसभा के कार्यकाल में भैरोंसिंह शेखावत के दामाद के मामले में उनके लिए संकट की स्थिति पैदा कर दी लेकिन जब व्यास विशेषाधिकार हनन के एक मामले में सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा महाभारत के अभिमन्यु की तरह चारों ओर से घिर गये तो भी अपने सिद्धान्तों से समझौता नहीं किया और माफी नहीं मांगी। ऐसी स्थिति में भी शेखावत ने व्यास की सदस्यता रद्द नहीं होने दी।

इस अवसर पर व्यास ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के बीच आपसी सहयोग के अनकहे समझौते की परम्परा रही है। पुस्तक में ज्वलंत उदाहरण देकर ऐसे समझौतों को सिद्ध करने का प्रयास किया गया है।

विधानसभा के पूर्व शोध एवं संदर्भ अधिकारी डॉ. कैलाश चन्द सैनी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए पुस्तक, लेखक और मुख्य अतिथि के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा अंत में लेखक की भावनाओं के अनुकूल सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर लेखक व्यास की पुत्री डॉ. शिप्रा कुमार और दामाद संजय कुमार भी मौजूद थे।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के भतीजे के पुत्र की सड़क हादसे में मौत

मृतक रुद्रवीर अपने रिसॉर्ट से 30 किलोमीटर दूर जैसलमेर केक लाने जा रहे थे

- अशोक गहलोत के भतीजे अजय लम्बे समय से जैसलमेर में रहते हैं और दामोदरा गांव में बी एड कॉलेज का संचालन करते हैं। दामोदरा में ही उन्होंने एक रिसॉर्ट बना रखा है जहां शनिवार को जन्मदिन की पार्टी का आयोजन था।

जोधपुर, 6 जुलाई (का.सं.)। जैसलमेर में शनिवार रात हुए एक सड़क हादसे में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के एक रिश्ते के पोते की मौत हो गई। मृतक पूर्व सीएम अशोक गहलोत के भतीजे का पुत्र था।

जानकारी के अनुसार इंदिरा इंडोर स्टेडियम के पास कार पलटने से रुद्रवीर (21) पुत्र अजय गहलोत की मौत हो गई, तथा हादसे में उसके चार दोस्त घायल हो गए। सभी को निजी वाहन की मदद से जवाहर हॉस्पिटल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने रुद्रवीर को मृत घोषित कर दिया। चारों घायलों का इलाज शुरू हो गया है। गंभीर रूप से घायल कुणाल पुत्र श्याम सिंह को जोधपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार रुद्रवीर के एक दोस्त का शनिवार को जन्मदिन था। रुद्रवीर का जैसलमेर से तीस किमी दूर दामोदरा गांव के पास एक रिसॉर्ट है, जहां जन्मदिन मनाया जाना था। कुल दस दोस्त अलग-अलग गाड़ियों से जैसलमेर से वहां पहुंचे। रात करीब ग्यारह बजे सभी को याद आया कि वे केक लाना भूल गए हैं। तब रुद्रवीर अपनी कार में चार दोस्तों के साथ दामोदरा से केक लेने जैसलमेर रवाना हुआ। जैसलमेर आते समय रात करीब 11.30 बजे इंदिरा इंडोर स्टेडियम के पास तेज गति से दौड़ रही कार निर्माणाधीन सड़क पर अचानक पलट गई। दो बार पलटने के बाद कार सड़क के पास उलट गई।

गाड़ी रुद्रवीर चला रहा था और गाड़ी के पलटने पर वो गाड़ी से बाहर आकर गिरा और किसी पत्थर से टकराने से गंभीर रूप घायल हो गया।

हादसे के बाद राह से गुजर रही एक बोलेरो गाड़ी में सवार लोगों ने हादसाग्रस्त गाड़ी के शीशे तोड़कर सभी को बाहर निकाला और रुद्रवीर सहित सभी को जवाहर अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार मृतक रुद्रवीर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भतीजे अजय गहलोत का बेटा था। अजय गहलोत लम्बे समय से जैसलमेर में रहते हैं और दामोदरा गांव में बीएड कॉलेज का संचालन कर रहे हैं। दामोदरा में ही उन्होंने एक रिसॉर्ट भी बना रखा है, जहां शनिवार को जन्मदिन की पार्टी का आयोजन हुआ था। परिजन रुद्रवीर का शव लेकर जोधपुर आए और आज दोपहर उसका अंतिम संस्कार किया गया।

अमित शाह ने भारत के पहले सहकारी वि.वि. का भूमि पूजन किया

नई दिल्ली, 06 जुलाई। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुजरात के आणंद में देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय ''त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी'' का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने त्रिभुवन दास पटेल को श्रद्धांजलि दी। इस यूनिवर्सिटी से सहकारिता में भाई-भतीजावाद खत्म होगा, पारदर्शिता आएगी और सहकारी यूनिवर्सिटी से प्रशिक्षण लेने वालों को रोजगार मिलेगा।

शाह ने कहा, इस यूनिवर्सिटी में युवाओं को तकनीकी विशेषज्ञता, अकाउंटेंसी, वैज्ञानिक अप्रोच और मार्केटिंग के साथ-साथ सहकारिता के संस्कार भी सीखने को मिलेंगे। एक सहकारी नेता हर सदस्य की भलाई के लिए जब काम करता है, तो राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में कितना बड़ा योगदान देता है, इसके आदर्श उदाहरण त्रिभुवन दास जी थे। इस लिए इस यूनिवर्सिटी के लिए सबसे उचित नाम 'त्रिभुवनदास है।

उन्होंने कहा, त्रिभुवन दास के ही विजन के कारण दुनियाभर की निजी डेयरियों के सामने आज हमारे देश की कोऑपरेटिव डेयरी सीना तानकर खड़ी हैं।

हरियाणा असिसटैंट प्रोफेसर भर्ती प्रक्रिया रद्द की जाये- सुरजेवाला

उन्होंने आरोप लगाया कि कई विषयों में प्रश्न पत्रों की सील टूटी मिली व गंभीर अनियमितताएं सामने आईं

- सुरजेवाला ने कहा कि 2024 में 26 विषयों में 2,424 पदों के लिये डेढ़ लाख अभ्यार्थियों ने आवेदन किया था।

हिसार, 6 जुलाई। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला ने असिस्टेंट भर्ती प्रक्रिया को लेकर हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) पर बड़ा हमला बोला है। आज हिसार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री नायब सैनी और एचपीएससी चेयरमैन आलोक वर्मा पर सीधा आरोप लगाते हुए पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दोबारा कराने की मांग की। सुरजेवाला ने आयोग को हेराफेरी सर्विस कमीशन करार दिया और न्यायिक जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि एचपीएससी में लगातार पेपर लीक, सवालों की कॉपी और आंसर की में गड़बड़ियों जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आ रही हैं।

सुरजेवाला ने बताया कि 29 मई 2025 को पोलिटिकल साइंस का पेपर लिया गया, जिसकी सील टूटी हुई पाई गई। 1 जून को आयोजित हिंदी के पेपर में भी यही स्थिति रही। 3 जून को भारी विरोध के बाद पेपर रद्द किया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदी के प्रश्न पत्र में 27 सवाल पूरी तरह गलत थे। बाद में रिवाइज़ आंसर की में भी सही उत्तरों को गलत बताया गया, जिससे अभ्यर्थियों को भारी नुकसान हुआ।

सुरजेवाला ने ज्यॉग्राफी के पेपर में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) से सीधे 32 सवाल कॉपी किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि आयोग के चेयरमैन आलोक वर्मा खुद बिहार से हैं, जिससे इस नकल की संभावना और भी मजबूत होती है।

रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि 2019 के बाद से हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर की कोई भर्ती नहीं हुई। अगस्त 2024 में 26 विषयों में 2,424 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई, जिसमें लगभग डेढ़ लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। लेकिन भर्ती शुरू होते ही पेपर लीक, सवालों की नकल और आंसर की की गलतियों के चलते पूरा सिस्टम सवालों के घेरे में आ गया।

सुरजेवाला ने पूरे मामले की जिम्मेदारी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी पर डालते हुए हाईकोर्ट की सिटिंग जज से स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ परीक्षा नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ है।

अवैध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रही है। इसीलिए मैं देश के लोगों को अवैध प्रवासियों के खिलाफ एकजुट होने का संदेश देने के लिए दिल्ली जा रहा हूं। मुरासिंह ने दावा किया कि अनियंत्रित घुसपैठ के कारण त्रिपुरा के अपने लोगों को अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

मोदी ने दलाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तिब्बत के अमदो के तकत्सेर में एक छोटे से गांव में किसान परिवार में हुआ था। जन्म के समय उनका नाम तेनज़िन ग्यात्सो था और दो वर्ष की आयु में उन्हें 13वें दलाई लामा, थुबतेन ग्यात्सो के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया।

चीनी सेना द्वारा 1959 में, ल्हासा में तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह के क्रूर दमन के बाद, दलाई लामा भारत आ गए थे और तभी से यहीं रह रहे हैं।

नकाबपोश युवकों ने मुस्लिम परिवार के दो मकानों में आग लगाई

- भिवानी जिले के एक गांव की घटना में पुलिस व फायर ब्रिगेड ने तुरंत कार्यवाही की
- अभी आग लगाने वालों का पता नहीं चल पाया है।

भिवानी, 6 जुलाई। हरियाणा के भिवानी जिले के ढ ाणी मांहू गांव की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। गांव में कुछ अज्ञात लोगों ने मुस्लिम परिवार के दो मकानों का सामान पहले बाहर फेंक कर मकान और सामान को आग के हवाले कर दिया गया। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, अग्निशमन विभाग की गाड़ियां भी बुलाई गईं और आग पर काबू पाया गया।

भिवानी के ढ ाणी मांहू गांव में हुसैन नामक शख्स के दो मकानों के सामान को कुछ नकाबपोश युवकों ने पहले बाहर फेंका और फिर आग के हवाले कर दिया। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई तो बड़ी संख्या में पुलिस बलों ने मौके पर पहुंचकर हालात पर काबू पाया। वहीं जिस घर में आग लगाई गई, उस घर के परिवार का कोई सदस्य मौके पर नहीं मिला है। पुलिस ने भी आसपास के लोगों से पूछताछ की है। ख़बर लिखे जाने तक आग लगाने वालों और परिवार के लोगों का पता नहीं चल सका है। अक्षय नाम के ग्रामीण के अनुसार, दर्जनों की तादाद में नकाबपोश युवकों ने घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने अपने मुंह ढ ंक रखे थे। कुछ लोगों ने हथौड़ा ले रखा था जिससे उन्होंने तोड़फोड़ की। इसके बाद नकाबपोश मौके से फरार हो गए।

टेंडर के बाद स्वीकृति के लिए वित्त विभाग फाइल भेजने की व्यवस्था समाप्त

मुख्यमंत्री द्वारा लागू की गयी नई व्यवस्था से विकास कार्यों में तेजी आयेगी

- पिछली सरकार में यह व्यवस्था शुरू की गयी थी कि वित्त विभाग केवल सैद्धांतिक स्वीकृति देता था, विभागों को प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए फाइल वित्त विभाग को भेजनी पड़ती थी। इससे 15 से 30 दिन का अतिरिक्त समय लगता था।

जयपुर, 6 जुलाई। आमजन को भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सुशासन देने के लिए संकल्पित राज्य सरकार, विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक त्वरित रूप से पहुँचाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। इसी नीति के तहत मुख्यमंत्री के निर्देश पर विकास कार्यों में तेजी लाने तथा प्रक्रिया में लगने वाले समय को न्यूनतम करने के लिए राज्य में अब नई व्यवस्था लागू की गई है।

टेंडर के बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए कार्यकारी विभाग द्वारा वित्त विभाग को फाईल भेजने की व्यवस्था अब समाप्त कर दी गई है। गत सरकार के समय शुरू हुई इस प्रक्रिया के कारण विकास कार्य शुरू होने में अनावश्यक विलंब हो रहा था। जिसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य में यह नई व्यवस्था लागू की गई है।

विकास कार्यों की घोषणा कर धरातल पर निर्माण कार्य शुरू करने में जानबूझ कर देरी करने की नीयत से गत सरकार के समय व्यवस्था की गई कि कार्यकारी विभाग जब कार्य की स्वीकृति के प्रस्ताव के साथ वित्त विभाग को भिजवाता था, तब वित्त विभाग इस स्वीकृति के बजाय कार्य की केवल सैद्धांतिक स्वीकृति देता था। इसके बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए संबंधित कार्यकारी विभाग को प्रस्ताव पुनः वित्त विभाग को भेजना पड़ता था।

इस दोहरी प्रक्रिया में 15 से 30 दिन का अतिरिक्त समय लग रहा था। इससे एक ओर विकास कार्य की लागत बढ़ रही थी, वहीं दूसरी ओर आमजन को इनका समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रक्रिया में संशोधन कर इसे प्रभावी बना दिया गया है। अब कार्यकारी विभाग से प्राप्त प्रस्ताव वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत होते ही निविदा उपरान्त कार्यादेश जारी करने के लिए कार्यकारी विभाग को ही सक्षम बना दिया गया है।

कार्यकारी विभाग निविदा के उपरांत कार्यादेश राशि के आधार पर प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृत राशि को स्वयं ही पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे।

अतः प्रक्रिया के दूसरे चरण में पत्रावली वित्त विभाग को प्रेषित करने की आवश्यकता नही रहेगी। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से विकास कार्यों में तेजी आएगी और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ विकास कार्य करवाने का राज्य सरकार का संकल्प धरातल पर साकार हो सकेगा।

कांग्रेस- समाजवादी पार्टी गठबंधन अभी टूटा नहीं है- सलमान खुर्शीद

मुजफ्फरनगर, 06 जुलाई। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का गठबंधन अभी नहीं टूटा है। जब हमने साथ मिलकर चुनाव लड़ा तो हमें जो सफलता मिली। उस परिणाम को सबने देखा है। इस सफलता में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की भूमिका सभी समझते हैं। कांग्रेस हाईकमान इसे ध्यान में रखते हुए ही आगे कोई फैसला लेगा। मुज्फ्फरनगर में मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए सलमान खुर्शीद ने ये बात कही। सलमान खुर्शीद ने कहा कि इस गठबंधन का रिजल्ट सबके सामने है। फिलहाल बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की तैयारियां चल रही हैं। ज्ञातव्य है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में इस गठबंधन ने भाजपा को कड़ी टक्कर देते हुए शानदार प्रदर्शन किया था। 2024 के लोकसभा चुनावों में सपा-कांग्रेस गठबंधन ने उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। सपा को 37 सीटों पर सफलता मिली जबकि कांग्रेस ने 6 सीटों पर जीत हासिल की।

युद्ध बंधकों पर हमास से बात करने इज़रायली दल कतर जायेगा

इज़रायली प्रधानमंत्री ने कतर के प्रस्ताव के आधार पर वार्ता करने के लिये सहमति जताई

यरूशलम, 06 जुलाई। इज़रायली प्रधानमंत्री बैन्जामिन नेतन्याहू ने हमास के साथ युद्ध बंधकों पर बातचीत करने के लिए रविवार को एक वार्ता दल को कतर जाने का निर्देश दिया है। इज़रायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान के अनुसार, स्थिति का आकलन करने के बाद इज़रायल ने इस वार्ता के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है । वह गाज़ा में बंधक बनाए गए इज़रायलियों की रिहाई के लिए कतर के प्रस्ताव के आधार पर बातचीत जारी रखने पर सहमत हो गया है। प्रस्ताव में 60 दिन का युद्ध विराम, पांच चरणों में 10 इज़रायली बंधकों की रिहाई, 18 बंधकों के शवों को सौंपना तथा इज़रायली जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई शामिल है।

बयान में कहा गया कि इज़रायल को कल शाम जानकारी दी गई कि हमास ने प्रस्ताव में बदलाव की मांग की है जो इज़रायल को अस्वीकार्य है। इज़रायली सरकार के स्वामित्व वाले कान टीवी न्यूज़ ने कहा कि हमास ने जो बदलाव किए हैं उनमें युद्ध समाप्त करने के लिए वार्ता में शीघ्र बदलाव की गारंटी, समझौते की गारंटी देने वाले देशों में तुर्की को शामिल करना, मानवीय सहायता संबंधित विवरण और गाज़ा पट्टी से इज़रायली सैन्य बलों की वापसी शामिल है।उल्लेखनीय है कि चार जुलाई को हमास ने एक बयान में कहा था कि उसने गाज़ा युद्ध विराम प्रस्ताव पर मध्यस्थों को सकारात्मक जवाब दिया है और वह इस रूपरेखा को लागू करने की प्रकिया संबंधी बातचीत में हिस्सा लेने के लिए तैयार है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908